नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, मंगलवार 23 जून 2026 • वर्ष : 10 • अंक : 37 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड की ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने विकास योजनाओं का किया उदघाटन-शिलान्यास

झारखंड में मोहर्रम को लेकर हाई अलर्ट, 16 हजार जवान संभालेंगे सुरक्षा की कमान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड में मोहर्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य पुलिस मुख्यालय ने व्यापक योजना तैयार की है। जुलूसों और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान किसी भी तरह की अप्रिय घटना रोकने के लिए 16 हजार से अधिक पुलिस एवं होमगार्ड जवानों के साथ केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों की सात कंपनियां तैनात की जाएंगी। संवेदनशील इलाकों में विशेष सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं और गतिविधियों पर ड्रोन के साथ वीडियो निगरानी रखी जाएगी। सुरक्षा के लिए राज्य को तीन प्रमुख जोन में बांटा गया है। रांची, पलामू और हजारीबाग क्षेत्र को विशेष निगरानी वाले जोन के रूप में चिह्नित किया गया है। इन इलाकों में अतिरिक्त पुलिस बलों की तैनाती की जाएगी। जिलों को संवेदनशील और अतिसंवेदनशील स्थलों की पहचान कर वहां विशेष सुरक्षा प्रबंध सुनिश्चित करने को कहा गया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को जारी निर्देश में कहा गया है कि मोहर्रम के दौरान पारंपरिक धार्मिक आयोजनों को पूरी सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए लेकिन कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने भड़काऊ गीतों, आपत्तिजनक नारेबाजी और निर्धारित सीमा से अधिक ध्वनि विस्तारक यंत्रों के इस्तेमाल पर सख्ती बरतने का निर्देश दिया है। मोहर्रम जुलूसों के निर्धारित मार्गों पर ड्रोन कैमरों से निगरानी की जाएगी। प्रमुख चौक-चौराहों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में सीसीटीवी कैमरों की मदद से गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या अफवाह फैलाने की कोशिश पर तत्काल कार्रवाई होगी। सोशल मीडिया पर भी विशेष निगरानी रखी जाएगी। पुलिस साइबर सेल और खुफिया एजेंसियों को सक्रिय किया गया है ताकि भ्रामक पोस्ट, फर्जी संदेश या सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली सामग्री पर तुरंत कार्रवाई की जा सके। पिछले कुछ वर्षों में मोहर्रम के दौरान राज्य के कुछ जिलों में तनाव और विवाद की घटनाएं सामने आई थीं। ऐसी घटनाओं को ध्यान में रखते हुए इस बार सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है।

बोकारो की बेटी निकिता बनीं मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की नेशनल फाइनलिस्ट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिले के टीटीपीएस ललपनिया की बेटी कुमारी निकिता ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 की आधिकारिक राष्ट्रीय प्रतिभागी बनने का गौरव हासिल किया है। इस उपलब्धि से न केवल ललपनिया बल्कि पूरे बोकारो जिले और झारखंड का नाम रोशन हुआ है। निकिता के पिता लक्ष्मण कुमार टीटीपीएस में सहायक अभियंता के पद पर कार्यरत हैं जबकि उनकी मां वंदना कुमारी गृहिणी हैं। छोटा भाई भी इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा है। एक साधारण परिवार से निकलकर राष्ट्रीय मंच तक पहुंचने वाली निकिता की सफलता की कहानी युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। निकिता ने वर्ष 2016 में डीएवी पब्लिक स्कूल, ललपनिया से मैट्रिक की परीक्षा उत्तीर्ण की। इसके बाद वर्ष 2019 में बिहार बोर्ड से इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी की। उच्च शिक्षा के प्रति समर्पण दिखाते हुए

उन्होंने वर्ष 2023 में इंजीनियरिंग की डिग्री हासिल की। पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्हें नौकरी का अवसर भी मिला, लेकिन फैशन और मॉडलिंग के प्रति उनका जुनून इतना प्रबल था कि उन्होंने नौकरी छोड़ अपने सपनों को उड़ान देने का निर्णय लिया। निकिता ने बताया कि मॉडलिंग और फैशन की दुनिया में आने की प्रेरणा उन्हें कॉलेज जीवन के दौरान मिली। निकिता इससे पहले मिस झारखंड और मिस बिहार जैसी प्रतिष्ठित सौंदर्य प्रतियोगिताओं में भी अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं।

अलकतरा घोटाला मामले में ठेकेदार को तीन साल की सजा, एक लाख जुर्माना

रांची(नबिटा ब्यूरो)। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश कुलदीप की अदालत ने अलकतरा घोटाला मामले में एक आरोपी ठेकेदार झमन प्रसाद को तीन साल की सजा सुनाई है। आरोपी पर कुल एक लाख रूपए का जुर्माना भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर 6 माह की अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। इस मामले में 6 अन्य आरोपी को साक्ष्य के अभाव में बरी कर दिया गया। बरी होने वाले में सेवानिवृत्त जूनियर इंजीनियर रामप्रकाश साहू, सेवानिवृत्त कनीय अभियंता अखिलेश्वर सिंह, सेवा निवृत्त कनीय अभियंता ज्ञानचंद चौधरी, सेवानिवृत्त सहायक अभियंता राधाकृष्ण प्रसाद, कनीय अभियंता भुवनेश्वर महतो, सहायक अभियंता उत्तम कुजूर शामिल हैं। यह मामला आरसी 13/09 आर से संबंधित है। भुरकुंडा-पतरातू के 6 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य के दौरान अलकतरा की खरीद सरकारी एजेंसी से की जानी थी लेकिन इसकी खरीद निजी एजेंसी से कर ली गई। इस मामले को लेकर सीबीआई ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की थी। जांच में सीबीआई को 20.23 लाख रुपये के घोटाले का खुलासा हुआ।

संक्षिप्त समाचार

एक महीने की अग्रिम सैलरी ले सकते हैं स्थायी कर्मचारी

रांची(नबिटा ब्यूरो)। हेमंत सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के लिए विशेष परिस्थिति में एक महीने का अग्रिम वेतन भुगतान करने का निर्णय लिया है। इसके तहत कर्मचारी एक महीने का अग्रिम वेतन प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि उन्हें अगले दो महीने के अंदर इसे वापस करना होगा जिसपर कोई भी ब्याज नहीं लगेगा। अगर कोई कर्मचारी दो महीने के अंदर राशि वापस नहीं कर पाता है तो 12 महीने के अंदर सामान्य ब्याज के साथ किश्तों में जमा करना होगा।

ज्वेलरी दुकान से लाखों की चोरी

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। जिले के कुंडा थाना क्षेत्र में एक ज्वेलरी दुकान से लाखों रुपए के जेवरात की चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। यह दुकान थाना से महज 30 मीटर की दूरी पर स्थित है। दुकान के संचालक पवन वर्णवाल ने सुबह दुकान खोलने पर देखा कि अंदर सामान बिखरा पड़ा था और वेंटिलेशन टूटा हुआ था। दुकानदार के मुताबिक चोरी हुए सामान का आकलन किया जा रहा है जिसकी प्रारंभिक कीमत लाखों रुपए बताई जा रही है।

सैलून से गांजा बरामद, संचालक गिरफ्तार

रांची(नबिटा ब्यूरो)। जिले के तमाड़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सैलून दुकान से करीब 3.9 किलोग्राम संदिग्ध गांजा बरामद किया है। पुलिस ने सैलून संचालक तीजनाथ हजाम को गिरफ्तार किया है। आरोपी तमाड़ थाना क्षेत्र के देउड़ी गांव का रहने वाला है। इस संबंध में तमाड़ थाना कांड संख्या-36/2026 दर्ज करते हुए एनडीपीएस एक्ट की धारा-20 के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

देवघर में नमो एंबुलेंस सेवा शुरू

देवघर(नबिटा ब्यूरो)। श्रावणी मेला शुरू होने से पहले गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे की पहल पर देवघर में सोमवार से चार नमो एम्बुलेंस सेवा शुरू की गई है। सांसद ने बताया कि श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। श्री दुबे ने कहा कि पिछले दो वर्षों से वह लगातार देख रहे हैं कि श्रावणी मेले के दौरान स्वास्थ्य व्यवस्था अपेक्षित रूप से मजबूत नहीं रह पाती है। कई बार समय पर एंबुलेंस नहीं मिलने के कारण मरीजों को अस्पताल पहुंचाने में देरी होती है जिससे उनकी स्थिति गंभीर हो जाती है। इसी समस्या को देखते हुए फिलहाल चार एंबुलेंस सेवा शुरू की जा रही है ताकि आपात स्थिति में श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को तत्काल सहायता मिल सके।

नवनिर्वाचित सांसद बैद्यनाथ राम ने की झारखंड की उन्नति की कामना

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड से राज्यसभा सांसद निर्वाचित होने के बाद सोमवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता बैद्यनाथ राम अपने परिवार के साथ जिले के तमाड़ स्थित प्रसिद्ध मां सोलहभुजी दिउड़ी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना कर मां का आशीर्वाद लिया और राज्य की सुख-समृद्धि, शांति एवं जनकल्याण की कामना की। मंदिर पहुंचने पर पुजारियों ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा संपन्न कराई। पूजा-अर्चना के बाद पत्रकारों से बातचीत में बैद्यनाथ राम ने कहा कि यह हमारी आस्था का केंद्र है। हम लोग शुरू से यहां आते रहे हैं। राज्यसभा चुनाव में जीत के बाद मां के दरबार में आकर उनका आशीर्वाद लिया है। मां से यही प्रार्थना है कि जनता की सेवा करने की शक्ति और आशीर्वाद मिलता रहे। उन्होंने कहा कि जनता और पार्टी नेतृत्व ने उन पर जो भरोसा जताया है, उस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे और राज्य के हित से जुड़े मुद्दों को राज्यसभा में मजबूती से उठाएंगे।

सीबीएसई 12वीं में रांची की अवनी बनी ऑल इंडिया टॉपर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। दिल्ली पब्लिक स्कूल, रांची की छात्रा अवनी केजरीवाल ने सीबीएसई 12वीं के परीक्षा परिणाम में वो ऐतिहासिक कारनामा कर दिखाया है जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। कॉमर्स स्ट्रीम की छात्रा अवनी ने अपनी अद्भुत मेधा और एकाग्रता के बल पर 500 में से पूरे 500 अंक (100% मार्क्स) हासिल कर ऑल इंडिया टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। इस धमाकेदार और अविश्वसनीय कामयाबी से न केवल डीपीएस स्कूल, बल्कि राजधानी रांची और पूरे झारखंड का नाम देश के शैक्षणिक पटल पर सुनहरे अक्षरों में दर्ज हो गया है। अवनी की यह जादुई सफलता उनकी अटूट लगन, अनुशासित पढ़ाई और कुछ बड़ा कर गुजरने के जुनून का सीधा नतीजा है। अवनी का यह ऑलराउंडर प्रदर्शन इसलिए भी देश के लिए मिसाल बन गया है क्योंकि बोर्ड परीक्षा में पूरा स्कोर लाना किसी से कम नहीं है। उन्होंने देश के सर्वश्रेष्ठ युवा विद्यार्थियों के बीच नंबर वन की कुर्सी पर कब्जा जमाकर पूरे भारत के छात्रों

के लिए सफलता का एक नया और ऊंचा पैमाना स्थापित कर दिया है। अवनी की इस ऐतिहासिक सफलता पर पूरे डीपीएस रांची परिवार में जश्न का माहौल है। ढोल-नगाड़ों और मिठाइयों के साथ स्कूल में उत्सव मनाया जा रहा है। शिक्षकों और सहपाठियों का कहना है कि अवनी ने यह साबित कर दिया कि अगर लक्ष्य पर अर्जुन की तरह नजर हो और मार्गदर्शन सही मिले तो इतिहास रचा जा सकता है। इस सफलता पर खुशी और गर्व व्यक्त करते हुए डीपीएस रांची की प्राचार्या डॉ. जया चौहान ने कहा कि अवनी द्वारा 500 में से पूरे 500 अंक लाकर नेशनल टॉपर बनना पूरे डीपीएस परिवार के लिए एक ऐसा ऐतिहासिक क्षण है। इस उपलब्धि को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता है। यह उनकी तपस्या और हमारे संस्थान की उत्कृष्ट शिक्षा संस्कृति की जीत है। मैं अवनी, उनके माता-पिता और उनके शिक्षकों को दिल से बधाई देती हूं। प्राचार्या ने उम्मीद जताई कि अवनी की यह उड़ान देश की लाखों युवा प्रतिभाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें सच करने का हौसला देगी। डीपीएस रांची ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि टॉपर्स यूं ही नहीं बनते, उनके पीछे निरंतर प्रयास और शिक्षा के प्रति अटूट समर्पण होता है। अवनी के पिता मितेश केजरीवाल खाद्य तेल के व्यवसाय से जुड़े हैं, जबकि उनकी माता पूनम केजरीवाल गृहिणी हैं। परिवार के अनुसार अवनी शुरू से ही पढ़ाई के प्रति गंभीर रही हैं और उन्होंने हमेशा अनुशासन के साथ अपनी तैयारी की। नियमित अध्ययन, समय प्रबंधन और विषयों की गहरी समझ ने उन्हें यह ऐतिहासिक सफलता दिलाई है।

गढ़वा में शुरू हो गया एसआईआर अभियान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

गढ़वा। जिले के निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त पशुपति नाथ मिश्रा ने भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 कार्यक्रम का व्यापक शुभारंभ कर दिया है। उन्होंने सभी निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारियों, बूथ स्तर के अधिकारियों (बीएलओ), बूथ स्तर के एजेंटों (बीएलए) तथा निर्वाचन कर्मियों को इस अभियान को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने का निर्देश दिया है। उपायुक्त ने कहा कि एक स्वच्छ, त्रुटिरहित और अद्यतन मतदाता सूची ही मजबूत लोकतंत्र की बुनियाद होती है। अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची से वंचित न रहे और किसी अयोग्य व्यक्ति का नाम सूची में शामिल न हो। निर्वाचन आयोग द्वारा इस अभियान के लिए विस्तृत कार्यक्रम निर्धारित किया गया है। इसके तहत 20 से 29 जून 2026 तक प्रशिक्षण और आवश्यक दस्तावेजों की छपाई का कार्य किया जाएगा। इसके बाद 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बूथ स्तर के अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन और गणना का कार्य करेंगे। मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की अंतिम तिथि 29 जुलाई निर्धारित की गई है। प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन 5 अगस्त 2026 को किया जाएगा। इसके बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक मतदाता अपने दावे और आपत्तियां दर्ज करा सकेंगे, जिनका निपटारा 3 अक्टूबर तक किया जाएगा। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 7 अक्टूबर 2026 को होगा। उपायुक्त ने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई के बीच बीएलओ प्रत्येक परिवार से व्यक्तिगत संपर्क करेंगे। इस दौरान मतदाताओं को पहले से भरा हुआ गणना प्रपत्र उपलब्ध कराया जाएगा और सत्यापन के बाद उसे वापस लिया जाएगा।

हाथियों के झुंड ने गोलगो गांव में मचाया उत्पात

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

कोडरमा। जिले में हाथियों का झुंड एक बार फिर प्रवेश कर गया है। बीती रात डोमचांच थाना क्षेत्र के गोलगो गांव में हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान आधा दर्जन से अधिक घरों और एक विद्यालय के मुख्य दरवाजे को क्षतिग्रस्त कर दिया। दो दिन पहले हाथियों के इस झुंड को सतगांवां थाना क्षेत्र के जंगली इलाकों और कोडरमा थाना क्षेत्र के मेघातरी गांव में देखा गया था। हाथियों के प्रवेश से स्थानीय लोगों में भय का माहौल है। ग्रामीणों ने हुए नुकसान के लिए वन विभाग से मुआवजे और जान-माल की सुरक्षा की मांग की है। गोलगो गांव चारों ओर से जंगलों से घिरा हुआ है जिससे हाथियों का प्रवेश आसान हो जाता है। वन विभाग की टीम हाथियों के झुंड को गांव से बाहर खदेड़ने में जुटी है। विभाग ने लोगों से सतर्क रहने की अपील भी की है। बीती रात हाथियों का झुंड गोलगो गांव से सटे ढोढाकोला गांव की ओर बढ़ता देखा गया था। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि हाथियों के झुंड को अक्सर कोडरमा से सटे बिहार के जंगलों की ओर खदेड़ा जाता है लेकिन वे वापस इसी क्षेत्र में लौट आते हैं। विभाग का मानना है कि हाथियों को स्थायी रूप से दूसरे जंगलों में भेजने की आवश्यकता है। पिछले दो वर्षों में हाथियों के झुंड ने कोडरमा जिले के विभिन्न इलाकों में भारी उत्पात मचाया है। इससे आम लोगों को आर्थिक नुकसान हुआ है और दर्जनों लोगों की जान भी जा चुकी है।

बाइक चोर गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। धनबाद पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की 13 मोटरसाइकिलें और चोरी में इस्तेमाल होने वाले औजार बरामद किए हैं। यह कार्रवाई जिले में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं के बाद की गई। पुलिस के अनुसार 19 जून को कालूबथान ओपी क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी हुई थी। इसके बाद जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में लगातार बाइक चोरी की वारदातें सामने आ रही थीं। इन घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर निरसा

एसडीपीओ के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी टीम का गठन किया गया था। गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई की। 21 जून को नयाडांगा काली मंदिर मैदान के पास छापेमारी कर पांच युवकों को चोरी की बाइक के साथ रंगे हाथों पकड़ा गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान अमित कुमार चौहान, मनीष कुमार दुबे, सूरज हेम्ब्रम, चंदन कुमार और राजकुमार के रूप में हुई है। ये सभी निरसा थाना क्षेत्र के निवासी हैं। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने बताया कि वे संगठित होकर मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम देते थे। चोरी करने के बाद वे बाइक का नंबर प्लेट हटा देते थे, चेसिस नंबर मिटा देते थे और रंग बदलकर उसे बेच देते थे। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर गोविंदपुर, चिरकुंडा और कुमारधुबी सहित अन्य क्षेत्रों से चोरी की गई कुल 13 मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। इसके अतिरिक्त बाइक का लॉक तोड़ने और उसे स्टार्ट करने में इस्तेमाल होने वाले पेचकस जैसे औजार भी जब्त किए गए हैं। पुलिस ने यह भी बताया कि गिरफ्तार आरोपियों का पहले भी चोरी के मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

झारखंड में तीन महीने बंद रहेगा इको टूरिज्म

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के वन क्षेत्रों में मानसून के दौरान तीन महीने तक सन्नाटा पसरा रहेगा। वन एवं पर्यावरण विभाग ने एक जुलाई से 30 सितंबर तक सभी प्रकार की गतिविधियों पर रोक लगाने का निर्णय लिया है। इसका मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित करना और नए लगाए जाने वाले पौधों को बेहतर वातावरण देना है। इस अवधि में पर्यटन, जंगल सफारी, सड़क निर्माण, बिजली टावर लगाने जैसे सभी कार्य पूरी तरह बंद रहेंगे। पलामू टाइगर रिजर्व और दलमा समेत सभी प्रमुख वन क्षेत्रों में यह नियम सख्ती से लागू किया जाएगा। विभाग का मानना है कि बारिश के समय मानव गतिविधियों में कमी से वन्यजीवों को प्राकृतिक रूप से विचरण करने का अवसर मिलता है और नए पौधों के पनपने की संभावना बढ़ जाती है।

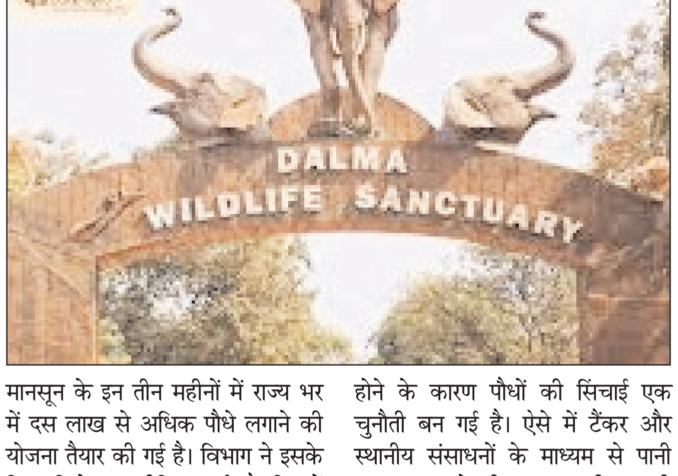

मानसून के इन तीन महीनों में राज्य भर में दस लाख से अधिक पौधे लगाने की योजना तैयार की गई है। विभाग ने इसके लिए विशेष रणनीति बनाई है जिसमें कच्ची संरचनाओं के जरिए पानी का संचयन प्रमुख भूमिका निभाएगा। पलामू क्षेत्र में जून तक औसत से कम बारिश होने के कारण पौधों की सिंचाई एक चुनौती बन गई है। ऐसे में टैंकर और स्थानीय संसाधनों के माध्यम से पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था की जा रही है। कृषि वानिकी विशेषज्ञों का कहना है कि जुलाई से सितंबर के बीच अधिक बारिश होती है लेकिन जून में लगाए गए पौधों को बचाने के लिए अतिरिक्त प्रयास जरूरी हैं। यही कारण है कि इस बार पौधरोपण के साथ-साथ संरक्षण पर भी बराबर ध्यान दिया जा रहा है। वन विभाग मानसून के बाद पर्यटन गतिविधियों को नए स्वरूप में शुरू करने की तैयारी कर रहा है। इको टूरिज्म का दायरा बढ़ाने के साथ जंगल सफारी के लिए बैट्री चालित वाहनों की संख्या 25 तक करने की योजना है। इसके अलावा वन क्षेत्रों में स्थित आवासीय परिसरों में सोलर आधारित बिजली व्यवस्था लागू की जाएगी। पलामू टाइगर रिजर्व और लातेहार में प्रस्तावित सफारी परियोजनाओं को भी मानसून के बाद तेजी से आगे बढ़ाया जाएगा। विभाग का लक्ष्य है कि पर्यावरण संरक्षण के साथ पर्यटन को संतुलित तरीके से विकसित किया जाए जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार भी मिले और जंगल का प्राकृतिक संतुलन भी बना रहे।

डीसी ने की तकनीकी विभागों की योजनाओं की समीक्षा, गुणवत्ता एवं समयबद्धता पर विशेष जोर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को समाहरणालय स्थित सभागार में तकनीकी विभागों के कार्यपालक अभियंताओं के साथ बैठक कर विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं एवं निर्माण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा के दौरान उन्होंने योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने, कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने का निर्देश दिया।बैठक में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग, पथ निर्माण विभाग, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, भवन निर्माण विभाग, जल पथ प्रमंडल तथा विद्युत विभाग द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति की विभागवार समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जल पथ प्रमंडल द्वारा संचालित दोनों पाइपलाइन योजनाओं को निर्धारित

समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश देते हुए कहा कि आमजन को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के क्रम में विभिन्न क्षेत्रों में निर्माणाधीन स्वास्थ्य उपकेंद्रों के कार्यों की प्रगति पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने जिला अभियंता को निर्माण कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समयावधि में कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। वहीं आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान कई संवेदकों द्वारा कार्य प्रारंभ नहीं किए जाने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित अधिकारियों को संवेदकों के साथ समन्वय स्थापित कर अविलंब कार्य प्रारंभ कराने का निर्देश दिया।उपायुक्त ने स्पष्ट कहा कि बिना किसी वाजिब कारण के

दिव्यांग दंपति से मिले उपायुक्त, हरसंभव सहयोग का दिया भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने सोमवार को समाहरणालय परिसर में रेहला क्षेत्र के केतात कला निवासी दिव्यांग दंपति प्रमोद कुमार साव एवं उनकी धर्मपत्नी सरिता देवी से मुलाकात की। इस दौरान दंपति ने अपनी दैनिक आवाजाही एवं आवश्यक कार्यों के निष्पादन में हो रही कठिनाइयों से अवगत कराते हुए बैटरी संचालित स्कूटी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। उपायुक्त ने दंपति की बातों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा जिला समाज कल्याण पदाधिकारी को आवश्यक पहल करने एवं नियमानुसार उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन दिव्यांगजनों के अधिकारों एवं उनकी आवश्यकताओं के प्रति संवेदनशील है तथा उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उपायुक्त श्री शेखावत ने दंपति को हरसंभव सहयोग का भरोसा देते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों को सम्मानजनक एवं सुगम जीवन उपलब्ध कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। दूसरी ओर उपायुक्त द्वारा किये गए इस पहल से लोगों में हर्ष व्याप्त है और लोगों का कहना है कि पदाधिकारियों को लोगों के प्रति संवेदनशील होना चाहिए।

वाहनों का फिटनेस प्रमाण पत्र है जरूरी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग। उपायुक्त हेमन्त सती की अध्यक्षता में उपायुक्त कक्ष में परिवहन विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त ने सर्वप्रथम परिवहन कार्यालय द्वारा किए गए कार्यों एवं प्रवर्तन संबंधी कार्रवाइयों की विस्तृत समीक्षा की। उपायुक्त ने कहा कि जिले में बड़ी संख्या में ऐसे वाहन चल रहे है जिनका फिटनेस प्रमाणपत्र समाप्त हो चुका है अथवा फिटनेस जांच में असफल पाया गया है। उन्होंने ऐसे वाहनों के विरुद्ध सघन अभियान चलाकर मोटर वाहन अधिनियम के तहत प्रभावी कार्रवाई करने का निर्देश दिया। साथ ही जिला परिवहन पदाधिकारी को विभाग के नीलाम पत्रों एवं लंबित वादों की समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा। बैठक में सड़क सुरक्षा के तहत इचाक मोड़ पर चलाए गए अतिक्रमण मुक्त अभियान की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जिले के सभी दुर्घटना संभावित स्थलों (ब्लैक स्पॉट) का नियमित निरीक्षण कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने तथा दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए सतत कार्रवाई करने का निर्देश दिया। राजस्व संग्रहण की समीक्षा के दौरान जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि 1 जून 2026 से अबतक विभाग द्वारा 11 करोड़ 23 लाख रुपये का राजस्व संग्रहित किया गया है। इस पर उपायुक्त ने निर्धारित राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु प्रभावी प्रवर्तन कार्रवाई और निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने ओवरलोडेड वाहनों की नियमित जांच, पेट्रोल पंपों के नवीनीकरण संबंधी दस्तावेजों, ट्रेड लाइसेंस एवं अन्य आवश्यक अभिलेखों की जांच करने के निर्देश दिए। उन्होंने नाप-तौल पदाधिकारी एवं जिला परिवहन पदाधिकारी को संयुक्त रूप से कम-से-कम पांच पेट्रोल पंपों की जांच करने को कहा। बैठक में उपायुक्त ने सीमावर्ती क्षेत्रों में सघन वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश देते हुए कहा कि अवैध रूप से नशीले पदार्थों तथा प्रतिबंधित पशुओं की ढुलाई पर प्रभावी रोक लगाने के लिए नियमित जांच अभियान संचालित किए जाएं।

लोयाबाद हिंसा मामले पर आजसू का शक्ति प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। लोयाबाद हिंसा मामले में आजसू कार्यकर्ताओं पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में सोमवार को धनबाद की सड़कों पर आजसू पार्टी का जनसैलाब उमड़ पड़ा। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो, गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी समेत हजारों कार्यकर्ताओं ने आक्रोश मार्च में भाग लिया और राज्य सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। ढोल-नगाड़ों और नारों के बीच निकली यह रैली शहीद रणधीर वर्मा स्टेडियम (गोल्फ ग्राउंड) से शुरू होकर रणधीर वर्मा चौक, पुलिस लाइन होते हुए कोयला नगर स्थित नेहरू कॉम्प्लेक्स पहुंची, जहां एक विशाल जनसभा का आयोजन किया गया। मार्च के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार और पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा लोयाबाद प्रकरण में हुई कार्रवाई को अन्यायपूर्ण और दमनात्मक बताया। सभा को संबोधित करते हुए सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि झारखंड में बालू, लोहा और कोयला जैसे संसाधनों की खुली लूट हो रही है और भ्रष्टाचार चरम पर पहुंच चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रखंड कार्यालयों से लेकर विभिन्न सरकारी विभागों तक आम जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही युवाओं को रोजगार नहीं मिलने के कारण बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा है। उन्होंने कहा कि आजसू पार्टी अपने स्थापना दिवस के अवसर पर यह संकल्प लेती है कि जनता के हक और अधिकारों की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। पार्टी सरकार की गलत नीतियों, भ्रष्टाचार और माफिया तंत्र के खिलाफ सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी। उन्होंने राज्य सरकार से बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पलायन जैसी समस्याओं पर गंभीरता से काम करने की मांग की। आक्रोश मार्च के माध्यम से आजसू ने एक बार फिर अपनी संगठनात्मक ताकत का प्रदर्शन करते हुए स्पष्ट संकेत दिया है कि लोयाबाद हिंसा मामले और कार्यकर्ताओं पर हुई कार्रवाई को लेकर पार्टी आने वाले दिनों में आंदोलन को और तेज करेगी।

28 जून से पल्स पोलियो अभियान शुरू

बरही (हजारीबाग)। बीडीओ जयपाल महतो ने राष्ट्रव्यापी पल्स पोलियो अभियान को सफल व प्रभावी बनाने को लेकर विशेष बैठक आयोजित किया जिसमें मुख्य रूप से अनुमंडलीय अस्पताल के प्रभारी डॉ प्रकाश ज्ञानी सहित पंचायत जनप्रतिनिधियों, स्वास्थ्यकर्मियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। बैठक में अभियान की तैयारियों की समीक्षा करते हुए बताया गया कि 28 जून को प्रखंड क्षेत्र के 100 केंद्रों पर पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो रोधी दवा की खुराक पिलाई जाएगी। इसके बाद 29 एवं 30 जून को स्वास्थ्य विभाग की टीम घर-घर जाकर छूटे हुए बच्चों को पोलियो की खुराक देगी। बीडीओ ने कहा कि पोलियो उन्मूलन अभियान को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, सहियाओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है।

पंजीकृत शराब दुकानों के आसपास शराब खरीद कर पीना है प्रतिबंधित : उपायुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बोकारो। जिला एनसीओआरडी कमिटी की मासिक बैठक उपायुक्त अजय नाथ झा की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय प्रकोष्ठ में आयोजित की गई। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला आपदा प्रबंधन पदाधिकारी शक्ति कुमार सहित अन्य उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने होटल,

रेस्टोरेंट, ढाबा आदि में गहन छापामारी करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने उत्पाद विभाग, फूड सेफ्टी एवं स्वास्थ्य विभाग को संयुक्त टीम गठित कर छापेमारी करने का भी निर्देश दिया ताकि प्रतिबंधित मादक पदार्थों के तस्करो की कमर तोड़ी जा सके। उन्होंने अंचल अधिकारी एवं थाना प्रभारी को भी संयुक्त टीम बनाकर अपने-अपने क्षेत्र में छापेमारी करने का निर्देश दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग को विशेष रूप से मेडिकल दुकानों में छापामारी करने करने का निर्देश दिया ताकि प्रतिबंधित कप सिरप बिक्री करने वालों को पकड़ा जा सके।

सांसद कोटे से गोड्डा लोकसभा क्षेत्र को मिलीं सात एंबुलेंस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। गोड्डा लोकसभा के लिए आज का दिन ऐतिहासिक दिन रहा गोड्डा सांसद निशिकांत दुबे के द्वारा गोड्डा लोकसभा वासियों के लिए एक बड़ी सौगात दी गई है। लोकसभा अंतर्गत सभी विधानसभा में कुल 7 एम्बुलेंस को जनता के लिए आज से शुरूआत किया गया है जो पूरी तरह से निशुल्क है मौके पर सांसद निशिकांत दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी यदि किसी लोकसभा में सबसे अधिक पैसा दिए हैं तो वह गोड्डा लोकसभा है और इस सोच के साथ आज नमो एंबुलेंस का शुरूआत किया गया है इस एंबुलेंस में सभी लाइफ सपोर्टिंग सिस्टम लगी हुई है साथ ही यह एम्बुलेंस विभिन्न जगहों पर पूरे लोकसभा में रहेगा और टोल फ्री नंबर से इसकी बुकिंग कोई भी लोकसभा के जनता निशुल्क कर सकेंगे और उन्हें निशुल्क सुविधा दी जाएगी खास बात यह है कि इस एंबुलेंस का मेंटेनेंस एक बड़ी कंपनी के द्वारा की जा रही है ताकि भविष्य में कभी भी किसी तरह की कोई दिक्कत ना आए इसके अलावा उन्होंने कहा कि 2009 से लेकर 2025 तक में उन्होंने 15 एंबुलेंस को दिया है लेकिन अंततः क्या होता है एंबुलेंस लेने के बाद कोई चला नहीं पाते हैं और रखरखाव के अभाव में या तो वह कबाड़ बन जाता है या तो व्यक्तिगत साधन का उपयोग बन जाता है जिसको देखते हुए यह नमो एंबुलेंस का शुरूआत किया गया है और लोकसभा में किसी भी जनता को निशुल्क या एंबुलेंस मिले और इसके संपूर्ण मेंटेनेंस हो इसको लेकर देश की बड़ी एंबुलेंस मेंटेनेंस कंपनी मेडुललेंस को यह कारभार दिया गया है इसके अलावा खास बात यह है कि इस एंबुलेंस में जो भी कर्मी है वह सभी स्थानीय है जिससे लोकेशन के लिए किसी तरह की दिक्कत नहीं आएगी और यदि लोकेशन के लिए कोई दिक्कत आती भी है तो टेक्नोलॉजी का सहारा लेते हुए ऑनलाइन मैपिंग के जरिए उसे स्थान पर अभिलंब एंबुलेंस पहुंचकर सुविधा देगी यह लोकसभा वास के लिए एक बड़ी सौगात है।

अनिल अग्रवाल बने लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन के अध्यक्ष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। सामाजिक सेवा और जनकल्याण के क्षेत्र में सक्रिय लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन ने वर्ष 2026-27 के लिए अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। क्लब की नई टीम में लायन अनिल अग्रवाल को अध्यक्ष, लायन साहिल कुमार को सचिव तथा लायन अंकित सरावगी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। नई कार्यकारिणी के गठन के बाद क्लब के सदस्यों में उत्साह का माहौल है। नव निर्वाचित पदाधिकारियों ने क्लब की समाजसेवी परंपराओं को आगे बढ़ाते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण, जरूरतमंदों की सहायता एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी एवं व्यापक स्तर पर संचालित करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने नई टीम को बधाई देते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में लायंस क्लब ऑफ गिरिडीह टाउन सामाजिक सरोकारों से जुड़े कार्यों में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेगा। साथ ही क्लब द्वारा विभिन्न सेवा परियोजनाओं के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक मदद पहुंचाने के प्रयासों को और मजबूत किया जाएगा। नवगठित टीम ने कहा कि क्लब का मुख्य उद्देश्य मानव सेवा है और इसी भावना के साथ आने वाले वर्ष में कई जनहितकारी कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

युवक का शव मिलने से सनसनी

बारसोई/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। बारसोई प्रखंड के बेलवा डांगी पंचायत स्थित मनाईखर बहियार में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। सूचना पर बारसोई डीएसपी अजय कुमार एवं बारसोई थाना पुलिस दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की।डीएसपी अजय कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान बलरामपुर प्रखंड के सिद्धना गांव वार्ड संख्या-7 निवासी तल्लू टुडू (25) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि युवक के परिजनों द्वारा 20 जून को बलरामपुर थाना में गुमशुदगी का आवेदन दिया गया था। आवेदन के अनुसार तल्लू टुडू 18 जून की रात लगभग नौ बजे से अपने घर से लापता था।

एक नजर

मुहर्रम को शांतिपूर्ण माहौल में मनाने पर जोर

बरारी /कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। प्रखंड के सेमापुर थाना परिसर में सोमवार को आगामी मोहर्रम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष रामशंकर कुमार ने की। बैठक में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य लोगों ने भाग लेकर पर्व को आपसी भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने पर चर्चा की।बैठक को संबोधित करते हुए थानाध्यक्ष रामशंकर कुमार ने कहा कि मोहर्रम आस्था और अनुशासन का पर्व है। सभी लोग प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए पर्व मनाएं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें और किसी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें। सोशल मीडिया पर भ्रामक या आपत्तिजनक पोस्ट साझा करने से बचने की भी अपील की गई। उन्होंने बताया कि मोहर्रम के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में सभी वर्गों के सहयोग की आवश्यकता है।बैठक में अपर थानाध्यक्ष अमरेश कुमार एवं एसआई अमित कुमार, बरेटा मुखिया प्रतिनिधि जोहेर आलम, सरपंच प्रतिनिधि बकरुद्दीन अंसारी, जदयू नेता राजीव चौधरी, भाजपा नेत्री शांति जायसवाल, पूर्व मुखिया मोतीउर रहमान, जिला परिषद शारिब खान, पंचायत समिति सदस्य शीला जायसवाल सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक

मनसाही/कटिहार (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। थाना परिसर मनसाही में मुहर्रम को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता अंचलाधिकारी मो. इस्माइल ने की। शांति समिति का संचालन करते हुए थानाध्यक्ष नरेंद्र कुमार प्रसाद ने सभी खलीफाओं से सरकार के गाइडलाइन का अनुपालन करने और सभी से लाइसेंस लेने की अपील की। बैठक में सभी से मुहर्रम का पर्व शांतिपूर्वक मनाने, असामाजिक तत्वों की सूचना तुरंत पुलिस को देने,तय रूट से ही जुलूस निकालने की अपील प्रशासन के द्वारा की गई। बैठक में उपस्थित डीजे संचालकों को भी कई हिदायत दिए गए और नियम का अनुपालन नहीं करने पर कार्रवाई की बात कही गई। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं खलीफाओं ने प्रशासन से भी अवैध शराब कारोबारियों पर कार्रवाई करने एवं सभी रूटों पर आवश्यक पुलिस बल की तैनाती करने की अपील प्रशासन से की। बैठक में विभिन्न इमामबाड़ा के खलीफा सहित जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद, मरंगी पंचायत के मुखिया सह संघ के अध्यक्ष शंकर कुमार यादव, कांग्रेस एससी एसटी प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रदीप कुमार पासवान, मरंगी पंचायत के पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि रतन कुमार यादव, साहेबनगर पंचायत के पंचायत समिति सदस्य मधुसूदन पासवान उर्फ कन्हैया, चित्तौरिया पंचायत के मुखिया दीप नारायण पासवान, साहेबनगर पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि मोहम्मद तज्जमुलहक आदि उपस्थित रहे।

डिवाइडर तोड़ ट्रक से भिड़ी अर्टिगा, 114 लीटर विदेशी शराब बरामद

अररिया (नवबिहार टाइम्स संवाददाता)। जिले के जोकीहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-327ई पर स्थित फैटकी चौक फ्लाईओवर के समीप देर रात एक तेज रफ्तार अर्टिगा वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना भीषण था कि वाहन डिवाइडर को तोड़ते हुए विपरीत लेन में जा पहुंचा और सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गया। दुर्घटना में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि पुलिस की जांच में वाहन से भारी मात्रा में विदेशी शराब भी बरामद की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब 3:30 बजे अर्टिगा वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज गति से गुजर रही थी। इसी दौरान फटकी चौक फ्लाईओवर के पास चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित वाहन पहले डिवाइडर से टकराई और उसे क्षतिग्रस्त करते हुए दूसरी लेन में चली गई, जहां सामने से आ रहे ट्रक से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई। सूचना मिलते ही जोकीहाट थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल चालक की पहचान शिव कुमार साह, पिता अज्ञात, निवासी हरचंदरपुर, थाना जलालगढ़, जिला पूर्णिया के रूप में की गई है।

झरिया के विकास बने बीपीआरओ, पत्नी कोमल बनीं डीएसपी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। झरिया निवासी विकास कुमार सिंह ने बीपीएससी परीक्षा में चौथी बार में सफलता हासिल कर ली है। विकास को बिहार में बीपीआरओ का पद मिला है। उनकी पत्नी कोमल सिंह ने दूसरी बार में ही परीक्षा पास कर डीएसपी का पद प्राप्त किया है। एक ही घर से दो अफसर बनने पर पूरे झरिया में खुशी का माहौल है। विकास ने 1058वीं रैंक लाकर बीपीआरओ पद पाया है, जबकि पत्नी कोमल सिंह ने 489वीं रैंक के साथ डीएसपी बनी हैं। विकास का ? शिक्षण आई एस एल कतरास मोर, झरिया से हुआ। इसके बाद इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए जयपुर चले गए। इंजीनियरिंग पूरी करने के बाद बीपीएससी की तैयारी

के साथ-साथ प्राइवेट टीचिंग भी करते थे। विकास की शादी 11 दिसंबर 2024 को बेगूसराय निवासी कोमल सिंह से हुई थी। शादी के महज 2 दिन बाद 13 दिसंबर 2024 कोमल ने बीपीएससी का पीटी एग्जाम दिया। दोनों की मेहनत और लगन आज रंग लाई। विकास ने अपनी सफलता का श्रेय बड़े भाई सूरज कुमार सिंह को दिया। उन्होंने कहा, 'आज जो भी हम हैं, वो भैया सूरज की मेहनत और दिशा-निर्देश का नतीजा है। उन्हीं के मार्गदर्शन से हम दोनों ने बीपीएससी निकाला।' विकास तीन भाई ओर एक बहन हैं। छोटे भाई सूरज कुमार सिंह 2019 में रेलवे में स्टेशन मास्टर के पद पर तैनात हैं। पिता सुधीर सिंह इंदिरा नगर चानक नंबर 2 चौथाई कुली भालगोरा झरिया में दूध का व्यवसाय करते हैं। पिता की कड़ी मेहनत और त्याग से ही दोनों पति-पत्नी इस मुकाम तक पहुंचे हैं।

दो अवैध आरा मिलें ध्वस्त, लाखों की लकड़ी जब्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बरही (हजारीबाग)। हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल के डीएफओ आईएफएस मौन प्रकाश के निर्देश पर बरही वन क्षेत्र में अवैध लकड़ी कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई। संलग्न पदाधिकारी आईएफएस मोहित कुमार बंसल के नेतृत्व में बरही रेंज के करगइयो और गैपहाड़ी गांव में संचालित अवैध आरा मिलों पर संयुक्त छापेमारी की गई। वन विभाग की टीम के पहुंचते ही अवैध कारोबारियों में अफरा-तफरी मच गई। कार्रवाई के दौरान दो अवैध आरा मशीन, लगभग 300 सीएफटी अवैध लकड़ी के बोटे, करीब 30 सीएफटी चिरान लकड़ी, दो जनरेटर इंजन, लकड़ी कुन्नी तथा आरा पट्टी जब्त की गई।

जब्त सामग्री को वन विभाग ने अपने कब्जे में ले लिया है। अभियान का नेतृत्व कर रहे आईएफएस बंसल ने कहा कि अवैध आरा मिलों और लकड़ी तस्करी के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अवैध लकड़ी के कारोबार में संलिप्त लोग सावधान हो जाएं। वन विभाग किसी भी परिस्थिति में वन संपदा की लूट बर्दाश्त नहीं करेगा और दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। छापेमारी में बरही, चौपारण एवं संयुक्त वन विभाग की टीम शामिल रही। अभियान में वनपाल अमर आनंद सरस्वती, पंकज कुमार, संतु कुमार सहित दर्जनों वनकर्मी और बरही पुलिस के जवान मौजूद थे। खबर लिखे जाने तक दो से अधिक लोगों के विरुद्ध नामजद वन वाद दर्ज करने की प्रक्रिया जारी थी।

डहटी गांव निवासी समरीन फातिमा बनीं एसडीएम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

अररिया। पलासी प्रखंड क्षेत्र के डीहटी गांव निवासी समरीन फातिमा ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव और जिले का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता से गांव में उत्सव जैसा माहौल है तथा बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। जानकारी अनुसार डहटी निवासी इम्तियाज आलम (सेवानिवृत्त शिक्षक) की पुत्री समरीन फातिमा ने बीपीएससी की परीक्षा में घोषित परिणाम में 282वां रैंक हासिल कर एसडीएम पद के लिए चयनित हुई हैं। युवा समाजसेवी मुश्फिक आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि समरीन फातिमा बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं और उन्होंने अपनी मेहनत एवं लगन के बल पर यह कामयाबी प्राप्त की है। गौरतलब है कि 70वीं में बीपीएससी की परीक्षा के घोषित परिणाम में समरीन फातिमा का मेरिट सीरियल 282 है। उनका अंतिम चयन बिहार प्रशासनिक सेवा के लिए हुआ है। वही मीडिया को जानकारी देते हुए समरीन ने कहा के उन्होंने बुनियादी शिक्षा गांव के स्कूल में ही प्राप्त किया है। छठी से 12वीं तक की पढ़ाई सिमुलतला आवासीय विद्यालय जमुई से की, जबकि स्नातक पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी से किया है। उन्होंने बताया कि पिछली बार भी वह इंटरव्यू तक पहुंची थी, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो पाया था। उन्होंने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को देते हुए कहा के वह अब यूपीएससी क्लियर कर आईएएस बनना चाहेंगी । उनका अगला लक्ष्य यही है।

अनियमित बिजली आपूर्ति को लेकर उपभोक्ताओं में फूटा आक्रोश

मनसाही /कटिहार। प्रखंड क्षेत्र में बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं का आक्रोश सोमवार को फूट पड़ा। बड़ी संख्या में विभिन्न पंचायत से आए हुए बिजली उपभोक्ता मनसाही ब्लॉक पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। बड़े-बड़े बैनर लिए उपभोक्ताओं ने मनसाही ब्लॉक में धरना प्रदर्शन देने के बाद पैदल मार्च करते हुए मनसाही के बिजली सब स्टेशन भी पहुंचा और गेट के सामने जमकर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन के बाद बिजली विभाग के जेई के नाम एक सामूहिक आवेदन पत्र तैयार कर बिजली विभाग को सौंपा और 15 दोनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर 15 दिनों के अंदर मनसाही के बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं होता है तो महाआंदोलन किया जाएगा। जिसकी सारी जवाबदेही बिजली विभाग की होगी।इस दौरान जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद एवं पंचायत समिति सदस्य मिथिलेश सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विभिन्न पंचायत में हल्की सी हवा एवं बारिश होने पर बिजली काट ली जाती हैं। अगर थोड़ी तेज बारिश हो जाती है तो 24 घंटे से लेकर 72 घंटा तक बिजली काट दी जाती है। जिससे बच्चों के पढ़ाई किसानों के पटवन एवं विभिन्न तरह के व्यवसायिक कार्य ठप पड़ जाती हैं। उपभोक्ताओं ने मेंटेनेंस के नाम पर कट रहे बिजली को लेकर भी कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि घटिया तार पोल एवं सीमेंट कंक्रीट से पोल को जमाया नहीं गया है।

CMYK

उपायुक्त ने डिजिटल कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन ने आज समाहरणालय परिसर से डिजिटल कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि कृषि क्षेत्र में नई तकनीकों एवं वैज्ञानिक पद्धतियों की जानकारी किसानों तक पहुंचाना समय की आवश्यकता है। डिजिटल कृषि रथ के माध्यम से जिले के किसानों को आधुनिक खेती, उन्नत बीज, फसल प्रबंधन, कृषि यंत्रीकरण तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि किसानों की आय में वृद्धि एवं कृषि उत्पादन को बेहतर बनाने के लिए जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। डिजिटल कृषि रथ जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर किसानों को कृषि संबंधी नवीन जानकारियों से अवगत कराएगा तथा उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करेगा। डिजिटल कृषि रथ का मुख्य उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों एवं नवीन कृषि पद्धतियों की जानकारी देना है। साथ ही कम वर्षा की स्थिति में भी की जा सकने वाली वैकल्पिक फसलों एवं जलवायु अनुकूल कृषि पद्धतियों के संबंध में भी किसानों को जागरूक किया जाएगा। रथ के साथ कृषि, भूमि संरक्षण, उद्यान, आत्मा, कृषि विज्ञान केंद्र सहित विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों एवं कर्मियों को प्रतिनियुक्त किया गया है, जो भ्रमण के दौरान किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। प्रत्येक दिन किसान गोष्ठी का आयोजन कर किसानों को उन्नत खेती, फसल प्रबंधन, प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा विभागीय योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी। यह डिजिटल कृषि रथ आगामी 15 दिनों तक जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेगा तथा किसानों के बीच व्यापक जागरूकता अभियान चलाएगा, जिससे अधिक से अधिक कृषक आधुनिक कृषि तकनीकों एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें। इस अवसर पर जिला कृषि पदाधिकारी, परियोजना निदेशक आत्मा सहित कृषि विभाग के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मुहर्रम को लेकर कटकमदाग पुलिस का फ्लैग मार्च, शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटकमदाग (हजारीबाग)। पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देशानुसार आगामी मुहर्रम को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से कटकमदाग थाना क्षेत्र में फ्लैग मार्च निकाला गया। थाना प्रभारी सरोज कुमार चौधरी के नेतृत्व में पुलिस बल ने विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा आम लोगों में सुरक्षा का विश्वास जगाया। फ्लैग मार्च के दौरान थाना प्रभारी ने क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों, समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बैठक कर मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाने को लेकर आवश्यक विचार-विमर्श किया। उन्होंने सभी लोगों से प्रशासन का सहयोग करने तथा किसी भी प्रकार की अफवाह या असामाजिक गतिविधियों की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया कि पर्व के दौरान विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंध किए जा रहे हैं तथा क्षेत्र में लगातार निगरानी रखी जा रही है, ताकि मुहर्रम का त्योहार शांतिपूर्वक संपन्न हो सके।

एक नजर

दो बाइकों की आमने-सामने टक्कर, चार गंभीर घायल

अंबा (औरंगाबाद)। अंबा-नवीनगर पथ पर दधपा मोड़ के समीप सोमवार को दो बाइक की आमने-सामने हुई जोरदार टक्कर में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों की पहचान लखैया गांव निवासी योगेंद्र मेहता के 21 वर्षीय पुत्र उत्तम कुमार, मंझौली गांव निवासी दीपक कुमार की पुत्री खुशबू कुमारी, अकोढ़ा गांव निवासी मनोज कुमार पाण्डेय की पत्नी शकुंतला देवी तथा मुसाफिर पासवान के पुत्र मनोज कुमार के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दुर्घटना के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए इसकी सूचना पुलिस एवं परिजनों को दी। साथ ही सभी घायलों को इलाज के लिए रेफरल अस्पताल, कुटुंबा पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उत्तम कुमार और शकुंतला देवी की गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल, औरंगाबाद रेफर कर दिया। वहीं खुशबू कुमारी और मनोज कुमार का इलाज रेफरल अस्पताल में जारी है। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। दुर्घटना के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

प्रखंड मुख्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 17 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित "नशा मुक्त भारत सप्ताह" के अवसर पर जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश के निर्देशानुसार आज दिनांक 22.06.2026 जिले के विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों, कर्मियों, आंगनवाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं, लाभुक महिलाओं, किशोरियों एवं स्थानीय नागरिकों को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभावों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों तथा पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन पर इसके दुष्परिणामों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रतिभागियों को न केवल स्वयं नशे से दूर रहने, बल्कि अपने परिवार, मित्रों एवं समुदाय के अन्य लोगों को भी नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से "नशा मुक्त भारत अभियान : विकसित भारत की पहचान" विषय को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

निर्माणाधीन योजनाओं को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। उपायुक्त मो० जावेद हुसैन की अध्यक्षता में समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में जिला अंतर्गत विभिन्न विभागों की कार्यकारी एजेंसियों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित पुल-पुलिया, सड़क, भवन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति तथा प्रतिवेदनों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के पूर्ण एवं अपूर्ण कार्यों की समीक्षा करते हुए लंबित योजनाओं के कारणों की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की। उन्होंने सभी कार्यपालक अभियंताओं को निर्देशित किया कि निर्माणाधीन योजनाओं को निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराया जाए तथा कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उपायुक्त ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क निर्माण योजना, पथ निर्माण विभाग, एनआरईपी सहित अन्य विभागों के अंतर्गत संचालित सड़क, पुल-पुलिया एवं भवन निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को सभी योजनाओं में गति लाने एवं गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में उपायुक्त ने अनटाइड फंड के प्रभावी उपयोग करने के निर्देश दिए गए। पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यों की भी समीक्षा उपायुक्त द्वारा की गई। उपायुक्त ने नियमित रूप से जल गुणवत्ता परीक्षण (वाटर टेस्टिंग) कराने तथा एमवीएस, इन्टेक वेल एवं अन्य पेयजल योजनाओं के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला योजना पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, भवन प्रमंडल, एनआरईपी, पथ प्रमंडल सहित विभिन्न विभागों के कार्यपालक अभियंता एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

आईटीडीए एवं जिला कल्याण विभाग की योजनाओं की अद्यतन प्रगति की समीक्षा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। आईटीडीए एवं जिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से संबंधित अद्यतन प्रगति की समीक्षा उपायुक्त मो० जावेद हुसैन द्वारा समाहरणालय स्थित सभागार में बिंदुवार की गई। समीक्षा के दौरान वित्तीय वर्ष 2025-26 में छात्रों को किए गए प्री मैट्रिक एवं पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति भुगतान तथा साइकिल वितरण की स्थिति की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि विभागीय प्रावधानों के अनुरूप सभी योग्य छात्रों को ससमय छात्रवृत्ति एवं साइकिल का वितरण सुनिश्चित किया जाए। वित्तीय वर्ष 2022-23 में संविधान की धारा 275 (1) के अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की गई। लंबित योजनाओं की जानकारी लेते हुए संबंधित पदाधिकारियों को शीघ्र अग्रेतर कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी निर्माण कार्यों को निर्धारित मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के साथ विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुरूप पूर्ण करने पर बल दिया। बैठक में अल्पसंख्यक कब्रिस्तान घेराबंदी, सरना-मसना हड़गड़ी घेराबंदी, धुमकुड़िया भवन निर्माण, अल्पसंख्यक क्योस्क निर्माण योजना, मुख्यमंत्री स्वास्थ्य सहायता योजना, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान तथा DA-JGUA अंतर्गत संचालित योजनाओं की भी समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिले में संचालित आवासीय विद्यालयों की स्थिति एवं मरम्मती कार्य की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण मरम्मती कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने डीबीटी भुगतान, योजनाओं के क्रियान्वयन में वित्तीय अनुशासन बनाए रखने एवं विपत्रों की निकासी से पूर्व सभी आवश्यक सावधानियों का पालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से उप विकास आयुक्त प्रवीण कुमार प्रकाश, जिला कल्याण पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता एनआरइपी, सहायक अभियंता, जेई समेत संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अनंत लाल ने 159 रैक लाकर एसडीएम पद के लिए हुए चयनित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

वारिसलीगंज (नवादा)। लक्ष्य निर्धारित कर इमानदार प्रयास एवं कठिन परिश्रम से आप सफलता के उच्च शिखर तक पहुंच सकते हैं। जिंदगी में सीखने की भूख जिस किसी के भीतर है वे आज नहीं तो कल सफलता की मंजिल को जरूर पा लेंगे। यह बातें वारिसलीगंज के कोचगांव पंचायत की झौर गांव निवासी दयानंद लाल के पुत्र अनंत लाल ने कही। शनिवार की शाम प्रकाशित बीपीएससी 70वीं का परीक्षा परिणाम घोषित हुआ। परीक्षा में झौर गांव के अनंत लाल ने 159 रैक लाकर एसडीएम पद के लिए चयनित हुए है। मध्यम वर्गीय परिवार में जन्मे अनंत ने अपने दूसरे प्रयास में यह सफलता पाई है। अनंत की एकेडमी शिक्षा वारिसलीगंज के बीके साहू इंटर विद्यालय तथा एसएन सिन्हा कालेज से हुई है। पटना में अपने रुममेट सर्वेश कुमार के साथ रहकर सफलता की कहानी लिखी है। अनंत कहते है कि मेरी सफलता में सर्वेश का बड़ा योगदान रहा है। फिलहाल अनंत यूपीएससी की परीक्षा की तैयारी में जुटे है। सफलता की सूचना से परिवार समेत वारिसलीगंज क्षेत्र में खुशी का माहौल देखा जा रहा है।दूसरी ओर वारिसलीगंज उतर बाजार के दुर्गा स्थान निवासी किराना दुकानदार मुरारी प्रसाद का पुत्र आयुष राज ने कड़ी मेहनत के बल पर बीपीएससी 70वीं की परीक्षा में 844 वी रैंक लाकर रेवेन्यू आफिसर के पद पर चयनित हुए है।बताया गया कि आयुष 2024 में यूपीएससी की परीक्षा में इंटरब्यू दिया था, लेकिन फाइनल सेलेक्शन नहीं हुआ था। आयुष के चयन से बाजार वासियों में खुशी देखी जा रही है। अपने दोनों लाल की सफलता पर वारिसलीगंज के बुद्धिजीवी, पत्रकारो एवं जनप्रतिनिधि गौरान्वित महसूस कर रहे है।शिक्षाविद डा गोविंद जी तिवारी, मुखिया राजकुमार सिंह, पूर्व विधायक अरुणा देवी समेत स्थानीय पत्रकार अशोक कुमार, उमाशंकर पाठक,सजीत कुमार,आदि ने दोनों सफल अधिकारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।बीपीएससी परीक्षा परिणाम बाद झौर समेत वारिसलीगंज उतर बाजार में खुशी के माहौल में मिठाई बांटी गई। वही वारिसलीगंज के युवाओं ने गुलाल उड़ा एवं पटाखे फोड़कर एक साथ होली एवं दीपावली मनाया।

मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 को लेकर बीएलओ व पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित मतदाता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन)-2026 कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन को लेकर सोमवार को टाउन हॉल, सिदगोड़ा तथा आरवीएस स्कूल, डिमना में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) एवं बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राजीव रंजन तथा झारखंड के अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने प्रशिक्षणार्थियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम, प्रक्रियाओं एवं पुनरीक्षण अभियान की महत्ता से अवगत कराया तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला निर्वाचन पदाधिकारी राजीव रंजन ने कहा कि मतदाता सूची की शुद्धता और पारदर्शिता लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती का आधार है। उन्होंने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में बीएलओ और पर्यवेक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सभी कर्मियों को घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करने, निर्धारित प्रपत्रों का सही ढंग से संधारण करने तथा पात्र मतदाताओं के नाम मतदाता सूची में शामिल कराने का कार्य पूरी जिम्मेदारी और गंभीरता से करना होगा। अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार ने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप त्रुटिरहित मतदाता सूची तैयार करना सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने प्रत्येक बीएलओ को अपने मतदान क्षेत्र के सभी परिवारों तक पहुंचकर मतदाता विवरण का सत्यापन सुनिश्चित करने तथा आयोग के निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए गुणवत्तापूर्ण कार्य करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण के दौरान विशेष गहन पुनरीक्षण-2026 के कार्यक्रम, घर-घर सत्यापन की प्रक्रिया, गणना प्रपत्र भरने की विधि, आवश्यक दस्तावेजों के संकलन, दावे एवं आपत्तियों के निष्पादन, ईसीआईनेट के माध्यम से ऑनलाइन प्रविष्टि तथा मतदाता सूची के शुद्धिकरण से जुड़े विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षणार्थियों को बताया गया कि आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 30 जून से 29 जुलाई 2026 तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इस दौरान गणना प्रपत्र भरवाए जाएंगे, आवश्यक दस्तावेज प्राप्त किए जाएंगे तथा मतदाताओं को नाम जोड़ने, संशोधन कराने और अन्य निर्वाचन संबंधी प्रक्रियाओं के प्रति जागरूक भी किया जाएगा। इस अवसर पर ईआरओ सह एसडीएम धालभूम अर्नव मिश्रा, अपर उपायुक्त अनुराग तिवारी, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रियंका सिंह, सहायक निर्वाचक निबंधन पदाधिकारी (एईआरओ), मास्टर ट्रेनर, बीएलओ पर्यवेक्षक एवं बीएलओ उपस्थित थे।

पूर्व रेलवे

शुद्धिपत्र

निविदा सूचना सं. ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/764, जो पूर्व में मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा द्वारा प्रकाशित की गई थी, इसमें निविदा सं. ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3526-आर एवं ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3557 के लिए निविदा की अंतिम तिथि और समय 29.06.2026 के बदले **10.07.2026 को** 15.00 पढ़ी जाएगी। निविदा का विवरण वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। अन्य नियम और शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी।

HWH-169/2026-27

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

प्रखंड मुख्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में दिलाई गई नशामुक्ति की शपथ

नवादा। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 17 जून से 26 जून 2026 तक आयोजित "नशा मुक्त भारत सप्ताह" के अवसर पर जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश के निर्देशानुसार आज दिनांक 22.06.2026 जिले के विभिन्न प्रखंड मुख्यालयों एवं आंगनवाड़ी केंद्रों में नशामुक्ति शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों, कर्मियों, आंगनवाड़ी सेविकाओं, सहायिकाओं, लाभुक महिलाओं, किशोरियों एवं स्थानीय नागरिकों को नशीले पदार्थों के सेवन से दूर रहने तथा समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। उपस्थित लोगों को नशे के दुष्प्रभावों, स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों तथा पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन पर इसके दुष्परिणामों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रतिभागियों को न केवल स्वयं नशे से दूर रहने, बल्कि अपने परिवार, मित्रों एवं समुदाय के अन्य लोगों को भी नशामुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से "नशा मुक्त भारत अभियान : विकसित भारत की पहचान" विषय को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना सं. एसजी.निविदा/डीएसटीई/एसडीएएच/621, दिनांक 19.06.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, सियालदह, पूर्व रेलवे, आरएमएस बिल्डिंग, काइज़र स्ट्रीट, सियालदह, कोलकाता-700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **'ई'-निविदा सं. एसडीएसटीई/टीईएलई/टी/02/26-27/सीएपी। कार्य का नाम एवं इसका स्थान:** "सियालदह मंडल के तहत 06 स्टेशनों पर सभी सुविधाओं सहित हट के साथ रोलिंग इन/आउट एग्जामिनेशन" के संबंध में टेलीकम कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 1,16,57,113.91, **निविदा कागजात का मूल्य :** शून्य। **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति जमा की जाएगी :** रु.2,33,200/- **कार्य की समापन अवधि:** 06 माह। **निविदा जमा देने की प्रारंभिक तिथि:** 02.07.2026, **निविदा जमा देने की अंतिम तिथि:** 16.07.2026 को 14.00 बजे तक। **निविदा बोली के खोलने की तिथि:** 16.07.2026 को 14.30 बजे। **विवरण यहां उपलब्ध है: www.ireps.gov.in तकनीकी पात्रता मानदंड:** निविदाकार ने निविदा आमंत्रण से पूर्व महीने के अंतिम दिन को समाप्त, पिछले 07 (सात) वर्षों के दौरान, निम्नलिखित श्रेणियों में से किसी एक कार्य का सफलतापूर्वक पूरा या पर्याप्त रूप से निष्पादन किया है: (i) तीन समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 30% की समान राशि से कम न हो, या (ii) दो समरूप कार्य जिनमें से प्रत्येक की लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 40% की समान राशि से कम न हो, या (iii) एक समरूप कार्य जिसकी लागत निविदा के विज्ञापित मूल्य के 60% की समान राशि से कम न हो। **वित्तीय पात्रता मानदंड:** निविदाकार का न्यूनतम औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार V/N या 'V' होना चाहिए, जो भी कम हो, जहाँ V = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में, N = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियाँ आमंत्रित की गई हैं। औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना लेखापरीक्षित तुलन पत्र के अनुसार पिछले तीन वित्तीय वर्षों में "कुल ठेकाजनित भुगतान" के औसत के रूप में की जाएगी। तथापि, यदि पिछले वर्ष का तुलन-पत्र अभी तैयार किया जाना है/लेखापरीक्षित किया जाना है, तो औसत वार्षिक ठेकाजनित कारोबार की गणना के लिए चौथे पिछले वर्ष के लेखापरीक्षित तुलन-पत्र को विचार में लिया जाएगा। निविदाकार जीसीसी 2022 के अनेक्सर-VIबी (मौजूदा निविदा कागजात का फॉर्म-6) के अनुसार आवश्यक जानकारी के साथ सनदी लेखापाल द्वारा यथा प्रमाणित लेखापरीक्षित तुलन पत्र की प्रतियाँ/लेखापरीक्षित तुलन पत्र द्वारा यथा समर्थित सनदी लेखापाल से प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेंगे। **जमा किए जाने वाले अन्य कागजात:** निविदा कागजात में उल्लिखित अनुसार। **समरूप कार्य की प्रकृति:** "फिक्स्ड/बुलेट/डोम/पीटीजेड टाइप कैमरा का इस्तेमाल करते हुए सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं आरंभ से सम्मिलित कोई भी कार्य"। **टिप्पणी:** निविदाकार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ निविदा कागजात में उल्लिखित पात्रता मानदंड को पूरा करने के अपने दावे के समर्थन में कागजात प्रस्तुत करेंगे। निविदाकार द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाण पत्रों के समर्थन में कागजातों/प्रमाणपत्रों की प्रतिलिपि का प्रत्येक पृष्ठ निविदाकार या निविदाकारी फर्म के अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा स्व-सत्यापित/डिजिटल रूप से हस्ताक्षरित होगा। स्व-सत्यापन में हस्ताक्षर, मुहर और तिथि (प्रत्येक पृष्ठ पर) शामिल होंगे।

SDAH-93/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. एडीवीटी/एएसएन/02/07 **दिनांक : 17.06.2026**

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने हेतु आईआरईपीएस पोर्टल के जरिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। इसका विवरण निम्नानुसार है: **कैटलॉग संख्या :** एडीवीटी-एएसएन-02-07, **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** 02.07.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., लॉट सं. एवं विवरण** निम्नानुसार हैं: **एए/1, एडीवीटी-ईएफएफ-130876-26-1** (विज्ञापन-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)), तीन वर्ष की अवधि के लिए विनाइल स्टिकर (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) का इस्तेमाल करते हुए कोचों की बाहरी सतह के ऊपरी और निचले पैनल (खिड़की के ऊपर और नीचे) पर वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए अनुबंध (क्षेत्रफल-1588 वर्ग फुट)/(147.53 वर्ग मीटर)। (12383-84 आसनसोल-सियालदह-आसनसोल इंटरसिटी एक्सप्रेस)। **एए/2, एडीवीटी-ईएफएफ-131107-26-1** (विज्ञापन-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)), कोचों की बाहरी सतह के ऊपरी और निचले पैनल (खिड़की के ऊपर और नीचे) पर वाणिज्यिक प्रचार के प्रदर्शन के लिए अनुबंध। विज्ञापन का कुल क्षेत्रफल-1462 वर्ग फुट (135.8242 वर्ग मीटर)। (13505-06 आसनसोल-दीघा एक्सप्रेस और 22329-30 (हल्दिया-आसनसोल-हल्दिया एक्सप्रेस)। **एए/3, एडीवीटी-ईएफएफ-131111-1-26-1** (विज्ञापन-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)), 03 वर्ष की अवधि के लिए ट्रेन नं. 13507-13508 (आसनसोल-गोरखपुर एक्सप्रेस)/13509-13510 (आसनसोल -गोंडा एक्सप्रेस) के कोचों की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से ऊपरी और निचले पैनल (खिड़की के ऊपर और नीचे) पर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एए/4, एडीवीटी-ईएफएफ-131112-2-26-1** (विज्ञापन-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)), 03 वर्ष की अवधि के लिए ट्रेन नं. 12375/76 (जसीडीह-तांबरम एक्सप्रेस) के कोचों की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से ऊपरी और निचले पैनल (खिड़की के ऊपर और नीचे) पर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एए/5, एडीवीटी-ईएफएफ-237528-1-26-1** (विज्ञापन-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)), 03 वर्ष की अवधि के लिए ट्रेन नं. 12361/62 (आसनसोल-मुंबई सीएसएमटी सुपरफास्ट एक्सप्रेस) के कोचों की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से ऊपरी और निचले पैनल (खिड़की के ऊपर और नीचे) पर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। **एए/6, एडीवीटी-ईएफएफ-239709-1-26-1** (विज्ञापन-ट्रेन एक्सटीरियर (फुल फेस)), 03 वर्ष की अवधि के लिए ट्रेन नं. 22306-05 (जसीडीह-बेंगलुरु सुपरफास्ट एक्सप्रेस) के कोच की बाहरी सतह पर विनाइल रैपिंग (आरडीएसओ स्पेसिफिकेशन के अनुसार ग्राफिक फिल्म) के माध्यम से ऊपरी और निचले पैनल (खिड़की के ऊपर और नीचे) पर वाणिज्यिक प्रचार के अधिकारों के लिए अनुबंध प्रदान करना। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को उपर्युक्त सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के लिए संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने हेतु वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-147/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.)/आद्रा निम्नवर्णित विवरण के अनुसार निम्नलिखित कार्यों के लिए ई-निविदाएँ आमंत्रित करते हैं: **क्रम सं., ई-निविदा सूचना सं., कार्यों का विवरण एवं निविदा लागत** निम्नानुसार हैं: **(1) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-48-26, दिनांक** 19.06.2026, डीईएन/पूर्व/आद्रा के कार्यक्षेत्र में साइड ड्रेन और सेस मरम्मत के लिए प्रस्ताव, रु.3,87,02,600.99, **(2) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-49-26, दिनांक** 19.06.2026, आद्रा मंडल के अनारा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म में जोड़ने के लिए अप साइड से नए एफओबी का निर्माण, रु. 5,32,47,358.81, **(3) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-50-26, दिनांक** 19.06.2026, (1) डीईएन/उत्तर/आद्रा के कार्यक्षेत्र में पीडब्ल्यूआई डिपो का निर्माण, (2) डीईएन/उत्तर/आद्रा के अधीन गैंग टूल रूम का निर्माण, रु. 4,47,37,691.60, **(4) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-51-26, दिनांक** 19.06.2026, (1) डीईएन/उत्तर/आद्रा के कार्यक्षेत्र में सेस मरम्मत का प्रस्ताव, (2) आद्रा मंडल में कोटशिला-बोकारो स्टील सिटी खंड के बीच प्रमुख ब्रिज अप्रोच 89 अप और 89 डाउन का सुदृढ़ीकरण, रु. 2,87,08,914.92, **(5) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-52-26, दिनांक** 19.06.2026, आद्रा मंडल में डीईएन/सेंट्रल/आद्रा के कार्यक्षेत्र में सेस मरमम्त, रु. 2,42,55,798.20, **(6) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-53-26, दिनांक** 19.06.2026, आद्रा-मिदनापुर खंड के बीच केए-104, बीआर-106 और बीआर-109 पर ड्रेनेज सिस्टम का सुधार, रु. 1,39,23,595.55, **(7) सं. ई-डीआरएम-ईएनजीजी-आद्रा-47-26, दिनांक** 19.06.2026, आद्रा मंडल में एसएसई/सिग/बीक्यूए के खंड में 4 लेवल क्रॉसिंग गेटों (बीआर-67, बीआर-101, बीआर-10 और बीआर-58) के इंटरलॉकिंग कार्य के संबंध में सिविल इंजीनियरिंग कार्य, रु.1,80,87,082.24, **ई-निविदाओं की अंतिम तिथि और समय** 16.07.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 1 से 6 के लिए) और 10.07.2026 को 15.00 बजे (क्रम सं. 7 के लिए) है। उक्त ई-निविदाओं का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

(PR-367)

हर्ष फायरिंग में दो जख्मी

- समारोह में मची भगदड़
- परिजनों में चीख-पुकार
- पुलिस कर रही तफ्तीश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। शादी समारोह की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब हर्ष फायरिंग के दौरान चली गोली से दो बच्चे घायल हो गए। घटना नवगछिया पुलिस जिले के गोपालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत तिनटंगा करारी गांव की है। घटना के बाद समारोह स्थल पर अफरा-तफरी मच गई और परिजनों के बीच चीख-पुकार का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार, गांव में आयोजित एक विवाह समारोह में बड़ी संख्या में ग्रामीण और रिश्तेदार शामिल हुए थे। डीजे कार्यक्रम के दौरान लोग नाच-गाने में व्यस्त थे। इसी बीच कथित तौर पर गांव के एक युवक ने कट्टा निकालकर हर्ष फायरिंग शुरू कर दी। फायरिंग के दौरान निकली गोली वहां मौजूद दो बच्चों को जा लगी।

घायल बच्चों की पहचान सौरभ कुमार और तुफान कुमार के रूप में हुई है। दोनों बच्चे शादी समारोह में डीजे देखने पहुंचे थे। गोली लगते ही समारोह में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। परिजनों और स्थानीय लोगों ने दोनों बच्चों को तत्काल नवगछिया अनुमंडल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना को लेकर घायल सौरभ कुमार के पिता बुदेश मंडल ने गांव के ही प्रीतम कुमार मंडल पर कट्टा से फायरिंग करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि आरोपी ने लापरवाही और गैरकानूनी तरीके से फायरिंग की, जिसकी चपेट में आकर दोनों बच्चे घायल हो गए।

परिजनों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर आरोपी के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। घटना की सूचना मिलते ही गोपालपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जानकारी जुटा रही है तथा आरोपों की सत्यता की जांच कर आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

ट्रक में घुसी कार, एक की मौत, तीन जख्मी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा फकुली थाना क्षेत्र के रजला स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुआ, जहां तेज रफ्तार स्विफ्ट डिजायर कार आगे चल रहे ट्रक से जा टकराई।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा ट्रक के नीचे जा घुसा और वाहन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। कार में सवार एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक समेत तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

जानकारी के मुताबिक, ट्रक और कार दोनों मुजफ्फरपुर से पटना की ओर जा रहे थे। इसी दौरान रजला हाईवे के पास कार चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और कार ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। टक्कर के बाद हाईवे की एक लेन पर यातायात प्रभावित हो गया और कुछ समय के लिए वाहनों की लंबी कतार लग गई।

घटना की सूचना मिलते ही फकुली थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। वहीं मृतक के शव को कार से बाहर निकालकर कब्जे में लिया गया और पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान वैशाली जिले के सेंदुआरी गांव निवासी व्यक्ति के रूप में हुई है। वहीं सभी घायलों को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। फकुली थाना प्रभारी कृष्णकांत मिश्रा ने बताया कि कार और ट्रक की टक्कर में एक व्यक्ति की मौत हुई है। घायलों का उपचार कराया जा रहा है तथा मामले की जांच की जा रही है।

लापरवाही ने रोकी ट्रेनों की रफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। समस्तीपुर रेल मंडल के समस्तीपुर-दरभंगा रेलखंड पर रविवार को विभागीय लापरवाही के कारण करीब 55 मिनट तक ट्रेनों का परिचालन बाधित रहा। गुमटी संख्या 1 एसी समय पर बंद नहीं होने से दोपहर 2:02 बजे से 2:56 बजे तक इस रूट पर रेल परिचालन पूरी तरह प्रभावित रहा।

इस अव्यवस्था का सबसे अधिक असर दरभंगा से समस्तीपुर जा रही आरा इंटरसिटी एक्सप्रेस (13225) पर पड़ा। ट्रेन को किशनपुर स्टेशन पर रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों को भीषण गर्मी में लंबा इंतजार करना पड़ा। यात्रियों ने रेलवे की व्यवस्था पर नाराजगी जताई।

आरा इंटरसिटी के अलावा समस्तीपुर-दरभंगा डेमू (75209), बागमती एक्सप्रेस (12578) और जयनगर एक्सप्रेस (15553) का परिचालन भी प्रभावित हुआ। विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों को रोकना पड़ा, जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मुठभेड़ मामले की डीआईजी करेंगे जांच

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार के एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) सुधांशु कुमार ने सोमवार को भोजपुर के शाहपुर थाना क्षेत्र में हुए भरत भूषण तिवारी मुठभेड़ मामले, नीट पुनर्परीक्षा में सामने आए फजीवाड़े और गोपालगंज में अभिनेता पंकज त्रिपाठी के भाई पर हुए हमले को लेकर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सभी मामलों की निष्पक्ष जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एडीजी ने बताया कि भरत भूषण तिवारी मुठभेड़ मामले की निष्पक्ष और वैज्ञानिक जांच के लिए शाहाबाद प्रक्षेत्र के डीआईजी को पुलिस मुख्यालय की ओर से अधिकृत किया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, जिनकी कांड संख्या 169/26 और 170/26 है।

उन्होंने बताया कि पूरे मामले की जांच में एफएसएल समेत सभी वैज्ञानिक संसाधनों का उपयोग किया जाएगा। साथ ही पारदर्शी जांच सुनिश्चित करने के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश की अध्यक्षता में न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया है। एडीजी ने कहा कि प्रारंभिक जांच में लापरवाही सामने आने के बाद एक थानाध्यक्ष, दो सब-इंस्पेक्टर, एक एएसआई और एक कांस्टेबल को निलंबित कर दिया गया है। आरोप है कि 16 जून को पहली कार्रवाई के दौरान संबंधित पुलिसकर्मी अभियुक्त को समय रहते नियंत्रित नहीं कर सके थे।

मुठभेड़ से जुड़े सवालों और कथित स्टिंग ऑपरेशन को लेकर एडीजी ने कहा कि मामला न्यायिक जांच के अधीन है, इसलिए इस पर पुलिस की ओर से कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि पुलिस किसी मुठभेड़ को उपलब्धि नहीं मानती, लेकिन आत्मरक्षा की स्थिति में कानून पुलिस को आवश्यक कार्रवाई का अधिकार देता है।

महायज्ञ का बीडीओ ने किया निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड अंतर्गत बल्लीपुर गांव में आयोजित हो रहे भव्य महायज्ञ एवं मेले का सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी बीडीओ आलोक कुमार सिंह ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने यज्ञ स्थल, मेला परिसर, श्रद्धालुओं की सुविधाओं तथा सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया इस अवसर पर मेला समिति एवं मेला मालिकों ने बीडीओ को मेले में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ से अवगत कराते हुए सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने की मांग की।

समिति के सदस्यों ने मेले में किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल, पुलिस पदाधिकारी एवं दंडाधिकारी मजिस्ट्रेट की प्रतिनियुक्ति कराने का अनुरोध किया। मेला समिति की मांग को गंभीरता से लेते हुए बीडीओ ने कहा कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने आश्वासन दिया कि मेले में शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

निरीक्षण के दौरान बीडीओ ने मेला समिति के सदस्यों को भीड़ प्रबंधन, साफ-सफाई, पेयजल व्यवस्था तथा आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि प्रशासन और मेला समिति के आपसी समन्वय से ही आयोजन को सफल एवं सुरक्षित बनाया जा सकता है बीडीओ ने श्रद्धालुओं से भी अपील की कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या समस्या की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। उनके निरीक्षण एवं आश्वासन के बाद मेला समिति के सदस्यों ने संतोष व्यक्त करते हुए प्रशासन के प्रति आभार जताया महायज्ञ एवं मेले में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

अभिनेता के भाई पर जानलेवा हमला

गोपालगंज। बॉलीवुड अभिनेता पंकज त्रिपाठी के परिवार से जुड़ी एक चिंताजनक खबर सामने आई है। गोपालगंज जिले के माधोपुर थाना क्षेत्र स्थित बेलसंड गांव में उनके बड़े भाई बिजेंद्र नाथ तिवारी पर धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया गया। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

जानकारी के अनुसार, हमले में गंभीर रूप से घायल बिजेंद्र नाथ तिवारी को परिजनों ने तत्काल गोपालगंज सदर अस्पताल पहुंचाया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उनकी हालत नाजुक बताते हुए बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर कर दिया। फिलहाल उनकी स्थिति चिंताजनक बताई जा रही है।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, घटना के पीछे पुरानी रंजिश की आशंका जताई जा रही है। बताया जा रहा है कि गांव में लंबे समय से चले आ रहे विवाद के चलते इस वारदात को अंजाम दिया गया। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है।

सात वर्षीया के साथ किशोर ने किया दुष्कर्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मुंगेर। शामपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में रिश्तों को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। घर में अकेली सात वर्षीय बच्ची के साथ पड़ोस के एक किशोर ने दुष्कर्म किया। बच्ची की मां ने शामपुर थाने में आवेदन देकर आरोपित किशोर को नामजद किया है। आवेदन में मां ने पुलिस को बताया कि वह किसी काम से घर से बाहर गई थी। घर में बेटी अकेली थी। इसी दौरान पड़ोस का रहने वाला एक किशोर घर में घुस आया और गंदा काम किया।

जब वह वापस लौटी तो बेटी ने रोते हुए सारी बात बताई। इसके बाद वह थाना पहुंची और पुलिस को सूचना दी। हवेली खड़गपुर एसडीपीओ अनिल कुमार, सर्किल इंस्पेक्टर अरविंद कुमार घटनास्थल पर पहुंचे और पीड़िता से पूछताछ की।

एफएसएल की टीम भी मौके पर पहुंचकर जरूरी साक्ष्य एकत्र किए। प्रभारी थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि मां के आवेदन पर केस

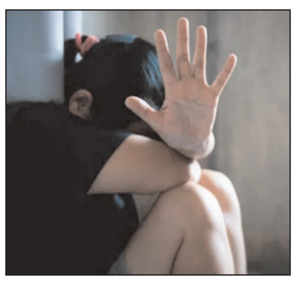

दर्ज कर लिया गया है। बच्ची को मेडिकल जांच के लिए सदर अस्पताल भेजा गया है। आरोपित को पुलिस संरक्षण में लिया गया है। एसपी सैयद इमरान मसूद ने बताया कि सूचना मिलते ही एसडीपीओ और एफएसएल की टीम को भेजा गया। जांच में सामने आया कि आरोपित की उम्र 15 वर्ष है और पीड़िता का रिश्तेदार लगता है।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि ऐसे मामलों में किसी को बख्शा नहीं जाएगा। घटना के बाद गांव में आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने आरोपित पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

सरकारी जमीन की रजिस्ट्री का आरोप

रिकार्ड से छेड़छाड़ या खरीदार को लगा चूना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमुई। लक्ष्मीपुर अंचल के दिग्घी मौजा की एक सरकारी भू-खंड की ही रजिस्ट्री हो गई। उक्त मामले में एक ग्रामीण द्वारा शिकायत दर्ज करने के उपरांत राजस्व विभाग से लेकर निबंधन कार्यालय तक हलचल शुरू हो गई है।

दिग्घी मौजा स्थित खाता सं. 171, प्लाट सं. 707 की जमीन को लेकर यह विवाद सामने आया है। वर्ष 2019 में इसी जमीन के दाखिल-खारिज आवेदन को तत्कालीन अंचल अधिकारी ने यह कहते हुए अस्वीकृत कर दिया था कि खतियान के अनुसार भूमि गैरमजरूआ खाते की है।

अब वर्ष 2026 में इसी प्लाट की रजिस्ट्री होने के बाद सवाल खड़े होने लगे हैं। मामले को लेकर एक शिकायत कुबेर झा ने जिला प्रशासन को भेजी है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि गैरमजरूआ भूमि की रजिस्ट्री कर दी गई है।

शिकायतकर्ता ने 19 जून को निबंधित रजिस्ट्री सं. 7638 तथा खाता सं. 171/203, प्लाट सं. 707 का हवाला देते हुए जांच की मांग की है।

उधर, उपलब्ध म्यूटेशन अभिलेख बताता है कि वर्ष 2019 में दाखिल-खारिज वाद सं. 161/2018-19 को अंचलाधिकारी ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि सीएस खतियान के अनुसार भूमि गैरमजरूआ खाते की है।

हालांकि, जिला अवर निबंधक विनीत कुमार ने इस संबंध में स्पष्ट किया कि निबंधन कार्यालय अपने स्तर से किसी भूमि की रजिस्ट्री नहीं रोक सकता। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि की रजिस्ट्री रोकने के लिए संबंधित अंचल अधिकारी का प्रतिवेदन, अथवा सक्षम न्यायालय का आदेश आवश्यक होता है।

इसके अतिरिक्त एडीएम की अध्यक्षता में गठित रोक कमेटी भी किसी जमीन के निबंधन पर रोक लगाने का निर्णय ले सकती है। उन्होंने कहा कि ऐसे किसी आदेश या प्रतिवेदन के अभाव में निबंधन की प्रक्रिया नियमानुसार संपन्न की जाती है।

इधर, लक्ष्मीपुर के अंचल अधिकारी रविकांत ने बताया कि रजिस्ट्री के पहले अंचल से कोई प्रतिवेदन का प्रविधान नहीं है, लिहाजा यह मामला उनके संज्ञान में अब तक नहीं आया है। वैसे भी सरकारी जमीन का दाखिल खारिज असंभव है।

अब मुख्य प्रश्न यह है कि यदि वर्ष 2019 में भूमि को गैरमजरूआ मानकर म्यूटेशन अस्वीकृत किया गया था तो फिर खरीदार मंगरार निवासी मुकेश मोदी ने विक्रेता धर्मेंद्र कुमार झा से जमीन खरीदने में रुपया क्यों लगाया? क्या 2019 के बाद में भूमि की प्रकृति में कोई परिवर्तन हुआ है, अथवा राजस्व अभिलेखों में संशोधन या छेड़छाड़ किया गया?

संभावना यह भी जताई जा रही है कि विक्रेता द्वारा मुकेश मोदी को झांसे में लेकर जमीन बेची गई हो। इस संबंध में राजस्व विभाग की जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

हॉस्टल में मासूम छात्र को चाकूओं से गोदा

डेढ़ दर्जन से अधिक जगहों पर मिले जख्म

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

भागलपुर। बांका जिले के बौंसी स्थित एक निजी आवासीय स्कूल (हॉस्टल) से दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। रविवार की देर रात हॉस्टल में रहने वाले महज आठ वर्षीय एक छात्र पर चाकू से ताबड़तोड़ वार कर उसकी जान लेने की कोशिश की गई। सोमवार की सुबह हॉस्टल की छत पर स्थित बाथरूम के बाहर मासूम छात्र खून से लथपथ और बेहोश मिला। अन्य छात्रों ने जब यह खौफनाक मंजर देखा, तो हॉस्टल में हड़कंप मच गया। छात्र को मूर्छित अवस्था में देखकर आनन-फानन में स्थानीय रेफरल अस्पताल ले जाया गया। बच्चे के चेहरे और सिर पर चाकू की गोदने के डेढ़ दर्जन से ज्यादा गहरे जख्म थे। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद तुरंत भागलपुर के जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल रेफर कर दिया। आपातकालीन कक्ष में भर्ती मासूम की स्थिति चिकित्सकों ने बेहद नाजुक बताई है। अस्पताल परिसर में भर्ती कटोरिया निवासी छात्र के पिता ने रोते हुए बताया कि उन्हें हॉस्टल प्रबंधन की ओर से फोन कर सिर्फ इतना कहा गया कि उनके बच्चे की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। जब वे बदहवास हालत में अस्पताल पहुंचे, तो बच्चे की हालत देख उनके होश उड़ गए। पिता ने रोते हुए सवाल उठाया, ₹आठ साल के मासूम बच्चे की किसी से क्या दुश्मनी हो सकती है? उसे इस बेरहमी से काटा गया है, जैसे हमलावर की मंशा उसकी जान लेने की ही रही हो। इस खौफनाक वारदात को लेकर इलाके में तरह-तरह की चचाएं शुरू हो गई हैं। स्थानीय लोगों और अस्पताल पहुंचे परिजनों का दबी जुबान में कहना है कि हो न हो, मासूम छात्र ने रविवार की रात हॉस्टल की छत या बाथरूम के पास कोई ऐसी संदिग्ध या गलत गतिविधि देख ली थी, जिसे छुपाने के लिए उसकी बेरहमी से हत्या करने की कोशिश की गई। आशंका यह भी है कि बच्चे को जबरन कमरे से उठाकर छत पर ले जाया गया हो। सुरक्षा को लेकर हॉस्टल प्रबंधन पर बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। हॉस्टल के सीसीटीवी कैमरे पहले से ही टूटे हुए थे। इस पूरे मामले पर हॉस्टल संचालक राजीव यादव फिलहाल कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। हालांकि, उनके पिता कैलाश यादव ने बताया कि रविवार की देर रात करीब 12 बजे तक वे हॉस्टल में ही थे और सोमवार की सुबह उन्हें इस घटना की जानकारी हुई। परिजनों का आरोप है कि रात में हॉस्टल में कोई सुरक्षा गार्ड या वार्डन मौजूद नहीं था, जिसकी लापरवाही के कारण यह घटना हुई।

सॉल्वर गैंग के 30 लोग धराये

नालंदा और हाजीपुर का छात्र निकला मास्टरमाइंड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। रविवार को नीट यूजी परीक्षा में सॉल्वर गैंग के पदार्फाश के एक दिन बाद पुलिस की जांच में लगातार नई कड़ियां जुड़ रही हैं। पूछताछ में सामने आया है कि गिरोह ने पूरी साजिश को अंजाम देने के लिए परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक सत्यापन व्यवस्था में ही सेंध लगा दी थी।

बायोमेट्रिक जांच से जुड़े कर्मियों की मिलीभगत से फर्जी परीक्षार्थियों को वास्तविक अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा केंद्र के अंदर प्रवेश दिलाया गया था।

पुलिस सूत्रों के अनुसार अब तक की जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि पावापुरी मेडिकल कॉलेज, राजगीर का छात्र रविशंकर इस नेटवर्क का मुख्य संचालक था। उसने विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को साल्वर के रूप में तैयार कर परीक्षा में बैठाने की योजना बनाई थी।

गिरोह ने ऐसे अभ्यर्थियों को तलाशा, जो मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए किसी भी कीमत पर सफल होना चाहते थे।जांच में सामने आया है कि पटना मेडिकल कॉलेज के चतुर्थ वर्ष के छात्र एवं हाजीपुर निवासी मयंक कश्यप ने अंकित कुमार की पहचान पर बायोमेट्रिक स्टाफ के रूप में काम किया।

आरोप है कि इसी माध्यम से गिरोह ने बायोमेट्रिक सत्यापन प्रक्रिया को प्रभावित किया और सॉल्वरों को केंद्र के भीतर प्रवेश दिलाने में सफलता हासिल की। इसके बाद फर्जी परीक्षार्थी वास्तविक अभ्यर्थियों के स्थान पर परीक्षा में शामिल हुए।

पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए नौ साल्वर सभी मेडिकल छात्र बताए जा रहे हैं। इनके अलावा बायोमेट्रिक एजेंसी से जुड़े कर्मियों और गिरोह के अन्य सदस्यों समेत कुल 30 लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार लोगों में एक मूल परीक्षार्थी भी शामिल है। पुलिस कुछ अन्य संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अधिकारियों का मानना है कि पूछताछ आगे बढ़ने के साथ गिरोह के नेटवर्क और इसके आर्थिक लेन-देन से जुड़े नए नाम सामने आ सकते हैं। लखीसराय के एसडीपीओ शिवम कुमार ने बताया कि प्रारंभिक जांच में प्रत्येक अभ्यर्थी से 10 से 12 लाख रुपये में सौदा तय होने की जानकारी मिली है। इसमें एक से दो लाख रुपये अग्रिम लिए गए थे, जबकि शेष राशि परीक्षा में सफलता और नामांकन के बाद भुगतान की जानी थी। पुलिस अब बैंक खातों, मोबाइल कॉल डिटेल और डिजिटल लेन-देन की भी जांच कर रही है।

परीक्षा की विश्वसनीयता पर छात्रों ने उठाये सवाल

इस बीच केंद्रीय विद्यालय लखीसराय के प्रभारी प्राचार्य सह सिटी कोऑर्डिनेटर दिनेश कुमार भगत के आवेदन पर थाना में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। एसडीपीओ का कहना है कि जांच का दायरा लगातार बढ़ाया जा रहा है और पूरे रैकेट में शामिल प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका की पड़ताल की जा रही है। उक्त खबर से छात्रों ने फिर एक प्रतिष्ठि परीक्षा पर सवाल उठाने शुरू कर दिये।

स्टेडियम का गेट गिरने से मासूम की गई जान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। रविवार को नवादा शहर के हरिशचंद्र स्टेडियम के गेट नंबर तीन पर एक दर्दनाक हादसा हो गया। जिसमें आठ वर्षीय एक बालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान पुरानी जेल रोड निवासी रुपेश कुमार के पुत्र दीपक कुमार के रूप में हुई है।

बता दें कि दीपक शाम करीब पांच बजे स्टेडियम के गेट के पास अन्य बच्चों के साथ खेल रहा था। इसी क्रम में गेट नंबर तीन का लोहे का बना एक तरफ का गेट अचानक गिर गया। जिसकी चपेट में आकर वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद स्वजन और स्थानीय लोग उसे तुरंत सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

लोगों में रोष

इस घटना से पूरे इलाके में शोक की लहर है। स्थानीय लोगों ने बताया कि उक्त गेट पहले भी दो से तीन बार गिर चुका है, लेकिन प्रशासन और स्टेडियम प्रबंधन ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

लोगों में इस हादसे को लेकर काफी आक्रोश है और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। नागरिकों का कहना है कि अगर समय रहते गेट की मरम्मत या बदलने की व्यवस्था की जाती, तो आज एक मासूम की जान बचाई जा सकती थी। वहीं, मृतक के स्वजन का रो-रोकर बुरा हाल है।

मानसून दे चुका है दस्तक, कटाव रोधी कार्य में सुस्ती से लोगों में रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। फूली मिश्र के डेरा गांव के सामने चल रहा कटाव रोधी कार्य इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। ग्रामीणों का आरोप है कि मानसून की दस्तक के बावजूद निर्माण कार्य की गति अपेक्षित स्तर पर नहीं पहुंच सकी है। ऐसे में समय पर कार्य पूरा नहीं होने की स्थिति में कटाव का गंभीर खतरा पुनः उत्पन्न हो सकता है।

बताया जाता है कि फूली मिश्र के डेरा के समीप लगभग 360 मीटर लंबाई में कटाव रोधी कार्य कराया जाना है। इस परियोजना के लिए 3 करोड़ 24 लाख 57 हजार 693 रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। बावजूद इसके निर्माण एजेंसी की सुस्ती के कारण अभी भी करीब 100 मीटर लंबा कार्य अधूरा पड़ा हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि अगले कुछ दिनों में मानसून सक्रिय हो गया और गंगा का जलस्तर बढ़ने लगा, तो अधूरे हिस्से पर कटाव का खतरा और बढ़ जाएगा। वहीं कटाव स्थल से बक्सर-कोईलवर तटबंध की दूरी महज लगभग 100 मीटर है।

ऐसे में किसी भी प्रकार की लापरवाही भविष्य में

बड़ी समस्या का कारण बन सकती है। लोगों ने प्रशासन और संबंधित विभाग से कार्य में तेजी लाने की मांग की है, ताकि समय रहते सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा सके।

दूसरी ओर, निर्माण स्थल पर मजदूरों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। कार्यस्थल पर न तो श्रमिकों को हेलमेट उपलब्ध कराया गया है और न ही लाइफ जैकेट की व्यवस्था की गई है। प्राथमिक उपचार की सुविधा का भी अभाव बताया जा रहा है, जिससे किसी दुर्घटना की स्थिति में परेशानी बढ़ सकती है। इस संबंध में बाढ़ नियंत्रण प्रमंडल, बक्सर के कनीय अभियंता रिजवान अहमद ने बताया कि कार्य को शीघ्र पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शेष कार्य पूरा होने में अभी एक सप्ताह से अधिक समय लग सकता है। संवेदक को निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

दुष्कर्म के आरोप में दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मसौढ़ी। थाना क्षेत्र के एक गांव में 22 वर्षीय युवती के साथ कथित सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार देर शाम युवती शौच के लिए घर से निकली थी। आरोप है कि कुछ युवकों ने बगीचे में उसे पकड़ लिया, उसके हाथ-पैर बांध दिए तथा मुंह में कपड़ा ठूंसकर उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट किए जाने का भी आरोप है। घटना के दौरान युवती के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और डायल-112 को सूचना दी। सूचना मिलते ही मसौढ़ी थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दो आरोपियों भीम उर्फ मिथलेश मांझी उम्र 40 वर्ष पिता स्वर्ग सागर मांझी, मनोज मांझी उम्र करीब 30 वर्ष पिता स्वर्ग लालचंद मांझी दोनों घर तुलसीचक थाना को गिरफ्तार कर लिया गया।

हथियार तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, दो लोग गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज (गया)। स्थानीय थाना पुलिस और एसटीएफ की विशेष टीम ने संयुक्त छापेमारी कर क्षेत्र में सक्रिय अवैध हथियारों और कारतूस की खरीद-बिक्री करने वाले एक बड़े अंतर-जिला गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में दो शातिर धंधेबाजों को गिरफ्तार किया है। इनमें बेलागंज थाना क्षेत्र के शेखा बिगहा गाँव का रहने वाला मो0 मोबाससिर उर्फ भीम सिंह (पिता- स्व० मंसूर आलम) और कचनावां गाँव का अलख निरंजन सिंह (38 वर्ष) शामिल हैं। पुलिस ने कांड संख्या 76/26 के तहत दोनों आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

बेलागंज थाना प्रभारी सुनील कुमार द्विवेदी के निर्देश पर पुअनि अमन कुमार सिंह और एसटीएफ की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर नीमचक मोड़ के पास विशेष चेकिंग अभियान चलाया था। इसी दौरान ओढ़हाडीह की तरफ से आ रही एक होंडा मोटरसाइकिल पर सवार युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। जवानों ने खदेड़कर उसे दबोच लिया, जिसकी पहचान कचनावां निवासी अलख निरंजन सिंह के रूप में हुई। तलाशी में उसके पास से ?42,500 नकद और एक मोबाइल मिला, जिसके गैलरी में अवैध हथियारों और कारतूसों की तस्वीरें थीं। गिरफ्तार अलख निरंजन की निशानदेही पर कचनावां गाँव स्थित उसके नवनिर्मित मकान में छापेमारी की गई, जहाँ तिरपाल के नीचे छुपाकर रखा गया एक देशी पिस्टल और एक खाली मैगजीन बरामद हुआ।

कड़ाई से पूछताछ में उसने कारतूस के बड़े नेटवर्क का खुलासा किया। उसने स्वीकार किया कि उसने शेखा बिगहा के मो0 मोबाससिर से 1600 में चार जिंदा कारतूस खरीदे थे। पूछताछ में यह भी सामने आया कि यह नेटवर्क दूसरे जिलों में भी कारतूस की सप्लाई करता था। आरोपी ने मगध मेडिकल थाना क्षेत्र के मृत्युंजय साहिल को 100 गोलियां और मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिंगरिया फल्गु नदी किनारे अमित कुमार सिंह को 96 गोलियों की डिलीवरी दी थी। पुलिस ने डिलीवरी देकर लौट रहे आरोपी से 42,500 की रकम भी जब्त की है।

सरकारी भूमि की दाखिल खारिज की होगी जांच, अब नहीं होगी गलत जमाबंदी : डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल

प्रत्येक दाखिल-खारिज आवेदन के निष्पादन से पहले सरकारी भूमि सूची से मिलान करने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राज्य में सरकारी भूमि की सुरक्षा और भूमि अभिलेखों की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि दाखिल-खारिज (म्यूटेशन) के प्रत्येक मामले के निष्पादन से पहले संबंधित जमाबंदी का सरकारी भूमि अभिलेखों से अनिवार्य रूप से मिलान किया जाए। इसका उद्देश्य सरकारी भूमि पर गलत तरीके से जमाबंदी कायम होने की संभावना को समाप्त करना तथा सरकारी संपत्तियों की प्रभावी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस संबंध में राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री डॉ. दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राज्य सरकार सरकारी भूमि की सुरक्षा को लेकर पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कई मामलों में यह पाया गया है कि दाखिल-खारिज की प्रक्रिया के दौरान सरकारी भूमि से संबंधित अभिलेखों का समुचित मिलान नहीं होने के कारण भविष्य में विवाद उत्पन्न होते हैं तथा सरकारी भूमि पर गलत जमाबंदी कायम होने की आशंका बनी रहती है। अब ऐसी किसी भी चूक की संभावना को समाप्त करने के लिए विभागीय स्तर पर स्पष्ट व्यवस्था लागू की गई है। मंत्री ने कहा कि विभाग द्वारा बिहारभूमि पोर्टल के ई-जमाबंदी मॉड्यूल में सरकारी भूमि के डिजिटलीकरण, प्रविष्टि एवं सत्यापन के लिए आवश्यक तकनीकी प्रावधान पहले ही किए जा चुके हैं। खतियान एवं सरकारी भूमि पंजी के आधार पर चिन्हित सभी सरकारी भूमि से संबंधित जमाबंदियों की सूची अंचल अधिकारियों के लॉगिन में उपलब्ध कराई गई है। इससे किसी भी दाखिल-खारिज आवेदन के निष्पादन से पहले संबंधित भूमि का ऑनलाइन सत्यापन और मिलान करना आसान हो गया है। उन्होंने कहा कि विभागीय समीक्षा के दौरान यह तथ्य सामने आया है कि कुछ स्थानों पर दाखिल-खारिज के मामलों में सरकारी भूमि से संबंधित अभिलेखों का नियमित मिलान नहीं किया जा रहा था। इसे गंभीरता से लेते हुए सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे अपने स्तर से अंचल अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित करें कि प्रत्येक दाखिल-खारिज आवेदन का निष्पादन सरकारी भूमि की उपलब्ध सूची से जांच एवं मिलान के बाद ही किया जाए। राजस्व मंत्री डॉ. जायसवाल ने कहा कि राजस्व प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीक आधारित निगरानी को मजबूत करना विभाग की प्राथमिकता है। बिहारभूमि पोर्टल के माध्यम से भूमि अभिलेखों का डिजिटलीकरण और ऑनलाइन सत्यापन व्यवस्था न केवल सरकारी भूमि की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी, बल्कि आम नागरिकों के हितों की भी रक्षा करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा है कि सरकारी भूमि का एक-एक इंच सुरक्षित रहे और किसी भी प्रकार की अनियमितता या त्रुटिपूर्ण जमाबंदी की संभावना समाप्त हो। इसके लिए विभाग लगातार तकनीकी सुधार, निगरानी और जवाबदेही की व्यवस्था को मजबूत कर रहा है।

हाजीपुर में स्थापित होगी आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई

17 करोड़ के निवेश से 200 रोजगार के अवसर होंगे सृजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के खाद्य प्रसंस्करण एवं विनिर्माण क्षेत्र को नई गति प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत मूगी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा औद्योगिक क्षेत्र गोरौल फेज-1, हाजीपुर (वैशाली) में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित की जाएगी। लगभग 17.25 करोड़ के निवेश से विकसित होने वाली यह परियोजना राज्य के खाद्य विनिर्माण क्षेत्र को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रोजगार सृजन एवं स्थानीय आर्थिक विकास को बढ़ावा देगी। इस संबंध में बिहार औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार की परियोजना समाशोधन समिति की बैठक उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आएडा कुंदन कुमार की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पात्र आवेदकों को राज्य के विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में भूमि एवं प्लग एंड प्ले शेड्स आवंटित करने के प्रस्तावों पर स्वीकृति प्रदान की गई। इसी क्रम में मूगी फूड्स प्राइवेट लिमिटेड को आइए गोरौल फेज-1, हाजीपुर में खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित करने की स्वीकृति दी गई। प्रस्तावित इकाई 2 एकड़ क्षेत्र में स्थापित की जाएगी जहां कुरकुरे, पफ्स एवं अन्य रेडी-टू-ईट स्नैक उत्पादों का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना के माध्यम से राज्य में खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धित उत्पादों के निर्माण को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही लगभग 200 प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित होने का अनुमान है जिससे स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार एवं कौशल विकास के नए अवसर उपलब्ध होंगे। उद्योग मंत्री श्रेयसी सिंह ने कहा कि बिहार सरकार खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को राज्य के औद्योगिक विकास का महत्वपूर्ण आधार बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की परियोजनाएं स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग, रोजगार सृजन तथा खाद्य विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिहार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग का अग्रणी केंद्र बनाने के लिए सरकार निवेशकों को हर संभव सहयोग प्रदान कर रही है। उद्योग विभाग के सचिव सह प्रबंध निदेशक, बियाडा एवं आएडा कुंदन कुमार ने कहा कि बिहार में निवेशकों को बेहतर आधारभूत संरचना, पारदर्शी प्रक्रियाएं एवं निवेशक-अनुकूल नीतियां उपलब्ध कराई जा रही है।

वीबी जी राम जी अधिनियम के तहत 125 दिनों का मिलेगा रोजगार : मंत्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विकसित भारत जीरामजी योजना के संबंध में उप विकास आयुक्तों, एनइपी निदेशकों एवं मनरेगा के जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम मुख्य सचिवालय परिसर स्थित अधिवेशन भवन में आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत-जी राम जी (वीबी-जी राम जी) अधिनियम के तहत अकुशल श्रम कार्य करने के इच्छुक पात्र ग्रामीणों को प्रति वर्ष 125 दिनों के रोजगार की गारंटी मिलेगी। योजना के मुख्य बिन्दुओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कृषि और मौसम आधारित योजनाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। श्री कुमार ने केंद्र सरकार से सभी राज्यों में विकसित भारत जी राम जी के तहत एक समान मजदूरी निर्धारित करने के साथ-साथ पूर्व की लंबित राशि को शीघ्र जारी करने का अनुरोध किया। ग्रामीण विकास विभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि ग्रामीण विकास के क्षेत्र में कई मोर्चों पर राज्य की उपलब्धियां सराहनीय रहीं। जल संरक्षण के लिए बिहार के चेक डैम मॉडल को पूरे देश ने अपनाया। साथ ही कुआं एवं तालाब निर्माण में बिहार को राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। मंत्री ने कहा कि राज्य में अब तक 20 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं और चालू वित्तीय वर्ष में 1.25 करोड़ पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि जल-जीवन- हरियाली अभियान के शुरुआत में राज्य में हरित क्षेत्र 9 प्रतिशत था, जो बढ़ कर 16 प्रतिशत तक पहुंच चुका है। उन्होंने इसे और बढ़ाकर राष्ट्रीय औसत 33 प्रतिशत तक ले जाने का आह्वान किया। साथ ही उन्होंने मनरेगा अंतर्गत खेल मैदान निर्माण के क्षेत्र में राज्य की उल्लेखनीय उपलब्धि की चर्चा की। इस अवसर पर ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों को रोजगार देने की योजना प्राचीन काल से चली आ रही है। इसमें जरूरत के अनुसार समय-समय पर बदलाव किए जाते रहे हैं। विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम उसी का आधुनिक स्वरूप है, जो आज की आवश्यकताओं के अनुरूप है। उन्होंने बताया कि बड़े राज्यों में बिहार ही ऐसा पहला राज्य है जहां इस अधिनियम को सबसे पहले कैबिनेट से पारित किया गया।

बिहार देश का पहला राज्य जहां एक दिन में 68 सौ खेल मैदानों को मिली स्वीकृति : मंत्री

विभागीय मंत्री ने दिया कृषि और मौसम आधारित योजनाओं को लागू करने पर जोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार देश में पहला राज्य है जहां सरकार ने 6800 खेल मैदानों के लिए एक दिन में स्वीकृति दी। इनमें से करीब छह हजार खेल मैदान बनाए जा चुके हैं। ग्रामीण विकास विभाग ने गांवों में कई ऐसी महत्वपूर्ण योजनाओं को लागू किया जो पूरे देश के लिए उदाहरण बना। बिहार को जहां कई राष्ट्रीय पुरस्कार मिले वहीं यहां की योजनाओं को मॉडल के रूप में देश दूसरे राज्यों ने स्वीकार किया। ये बातें सोमवार को विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी राम जी) अधिनियम के तहत अधिवेशन भवन में आयोजित उन्मुखीकरण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने कही। ग्रामीण विकास विभाग की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि चेक डैम के निर्माण में बिहार को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने के साथ-साथ इसके मॉडल को पूरे देश में लागू किया गया। उन्होंने कहा कि जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन की समस्या से जूझ रही थी तो तत्कालीन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जल-जीवन-हरियाली अभियान की नींव रखी। बिहार के लिए वह ऐतिहासिक पल था जब एक दिन में 18 हजार लंबी मानव श्रृंखला बनाई गई और करीब 5 करोड़ से अधिक लोगों ने मानव श्रृंखला बनाकर देश दुनिया को संदेश दिया। पोखर, तालाब, पइन, आहर आदि के काम को तेजी से आगे बढ़ाया गया। उन्होंने बताया कि जल जीवन हरियाली अभियान के तहत बिहार में 20 करोड़ से अधिक पौधे लगाए जा चुके हैं। इस बार एक करोड़ 25 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। मंत्री श्री कुमार ने बताया कि राज्यों के मनरेगा मजदूरी एक समान न होकर मानदंडों के अनुसार अलग-अलग है। भारत सरकार को बिहार की वित्तीय स्थिति की भी समीक्षा करनी चाहिए। दूसरे राज्यों में श्रमिकों को जहां 300-350 रुपये मजदूरी दी जा रही है वहीं बिहार में यह 255 रुपये निर्धारित है। केंद्र सरकार को इस अंतर को पाटने पर विचार करना चाहिए। श्री कुमार ने अधिकारियों से कृषि और मौसम आधारित योजनाओं को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित किया। बताया कि मजदूरों को पूर्व के मनरेगा में 100 दिन की बजाय अब वीबी-जी राम जी अधिनियम के तहत 125 दिन की मजदूरी की गारंटी मिलेगी। साथ ही कृषि कार्य के लिए 60 दिन काम बंद रहेगा। इस अवसर पर विभागीय प्रधान सचिव पंकज कुमार ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में श्रमिकों को रोजगार देने की योजना प्राचीन काल से चली आ रही है। इसमें जरूरत के अनुसार समय-समय पर बदलाव किए गए। वीबी-जी राम जी अधिनियम उसी का एक बदला रूप है। उन्होंने बताया कि बड़े राज्यों में बिहार ही ऐसा पहला राज्य है जहां इस अधिनियम को सबसे पहले कैबिनेट से पारित किया गया। इस पूरी योजना को ग्रामीण क्षेत्र की आधारभूत संरचना, जीविका, जल प्रबंधन और प्राकृतिक आपदा से जोड़ा गया है।

भीषण गर्मी के कारण सुबह 6.30 से 12.30 बजे तक सरकारी स्कूल खोलने का आदेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में पड़ रही उमस भरी भीषण गर्मी को देखते हुए 30 जून तक सभी प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक सरकारी विद्यालयों का संचालन सुबह 6.30 से दोपहर 12.30 बजे तक किया जाएगा। इसे लेकर शिक्षा विभाग के माध्यमिक शिक्षा निदेशक सज्जन आर ने सोमवार को सभी जिलों के सभी संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा है जिसमें निर्धारित नए टाइम टेबल के अनुसार विद्यालयों का संचालन करने के लिए कहा गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ने राज्य के सभी प्रमंडलीय आयुक्त, सभी निदेशक, सभी डीईओ सहित संबंधित अधिकारियों के पास पत्र भेजकर कहा है कि ग्रीष्मकाल में राज्य में पड़ने वाली भीषण गर्मी एवं लू को ध्यान में रखते हुए प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विद्यालयों का संचालन करने का समय तय किया गया है। इसी समय सारणी के अनुसार उक्त विद्यालयों का संचालन 22 से 30 जून तक किया जाएगा। हालांकि स्थानीय परिस्थितियों एवं मौसम की गंभीरता को देखते हुए संबंधित जिला पदाधिकारियों को आवश्यकतानुसार विद्यालय संचालन के समयावधि में संशोधन करने का अधिकार प्रदान किया गया है। सभी डीएम को स्कूलों के नियम में बदलाव करके संचालन या इसे बंद रखने का अधिकार है।

बिहार में जुलाई से शुरू होगा राष्ट्रीय ऋण, निवेश और प्रवासन सर्वेक्षण, पटना में प्रशिक्षण शिविर आयोजित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। देश में परिवारों की आर्थिक स्थिति, ऋण, निवेश और प्रवासन से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिए राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जुलाई 2026 से एक महत्वपूर्ण सर्वेक्षण शुरू किया जाएगा। इसके लिए पटना में क्षेत्रीय अधिकारियों एवं प्रगणकों का विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्र संचालन प्रभाग), सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार के बिहार क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा 22 जून से पटना स्थित कार्यालय परिसर में प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत की गई। यह प्रशिक्षण 81वें दौर के लिए आयोजित किया गया है जिसके अंतर्गत अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण एवं स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण तथा प्रवासन संबंधी विवरण का संग्रह किया जाएगा। सर्वेक्षण जुलाई से दिसंबर 2026 तक संचालित होगा। प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन उप महानिदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख रोशन लाल साहू ने किया। उन्होंने कहा कि यह सर्वेक्षण देश के ग्रामीण और शहरी परिवारों की आर्थिक स्थिति को समझने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से परिवारों की संपत्ति, ऋण, निवेश, भूमि, भवन, पशुधन, बैंक जमा, बीमा और अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों से जुड़ी जानकारी एकत्र की जाएगी। उन्होंने बताया कि स्थिति मूल्यांकन सर्वेक्षण के तहत कृषि परिवारों की आय, खेती की लागत, गैर-कृषि गतिविधियों से होने वाली आमदनी, ऋण एवं निवेश की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जाएगा। वहीं प्रवासन सर्वेक्षण के माध्यम से लोगों के पलायन के स्वरूप, कारणों, रोजगार की स्थिति तथा प्रवासी परिवारों को मिलने वाली धनराशि (रेमिटेंस) संबंधी आंकड़े जुटाए जाएंगे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अधिकारियों को सर्वेक्षण की प्रक्रिया, आंकड़ों के संग्रहण और उनकी शुद्धता सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इस दौरान उप निदेशक परिमल ने पिछले सर्वेक्षणों के आंकड़ों और उनकी उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए प्रतिभागियों को गुणवत्तापूर्ण डेटा संग्रह के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन सहायक निदेशक राजीव कुमार झा एवं वरिष्ठ सांख्यिकी अधिकारी प्रियंका कुमारी ने किया। प्रशिक्षण में बिहार और झारखंड क्षेत्र के विभिन्न कार्यालयों से आए अधिकारियों और कर्मचारियों ने भाग लिया। अधिकारियों ने कहा कि इस सर्वेक्षण से प्राप्त आंकड़े सरकार को नीतिगत निर्णय लेने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति समझने तथा रोजगार एवं सामाजिक विकास से जुड़ी योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाने में मदद करेंगे।

योगजनक महर्षि पतंजलि संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर के साथ विश्व योग दिवस सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना की ओर से आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के अन्तर्गत आयोजित योगजनक महर्षि पतंजलि स्मृतौ अन्तर्राष्ट्रीय अन्तर्जालीय संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर के साथ विश्व योग दिवस समारोह रविवार को संस्कृतमय वातावरण में सम्पन्न हुआ। यह संस्था द्वारा आयोजित लगातार 45वां संस्कृत शिक्षण एवं सम्भाषण शिविर था जिसमें देश-विदेश के विभिन्न विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों, विद्यालयों के प्राचार्य, आचार्य, सह आचार्य एवं प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विहार संस्कृत संजीवन समाज पटना के महासचिव डॉ मुकेश कुमार ओझा ने कहा योग से ही नीरोग रहा जा सकता है एवं शारीरिक और मानसिक तनाव दूर हो सकता है। महर्षि पतंजलि रचित योगसूत्र का अध्ययन अति आवश्यक है। अपने उद्घाटन भाषण में आधुनिको भव संस्कृतं वद अभियान के प्रधान संरक्षक एवं पूर्वगृह सचिव डॉ अनिल कुमार सिंह ने कहा कि योग दैनिक जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए। उन्होंने अष्टांगयोग पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य वक्ता प्रो रागिनी वर्मा ने नियमित योग की आवश्यकता बताई। महर्षि पतंजलि योगदर्शन पर विस्तार से चर्चा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास के भागीरथ और गरीबों के मसीहा : नित्यानंद राय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने रविवार को पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में आयोजित अति पिछड़ा सम्मेलन में भाग लेते हुए केंद्र सरकार की उपलब्धियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विकास के भागीरथ, गरीबों के मसीहा और सामाजिक न्याय के सच्चे वाहक हैं। उनकी सरकार की योजनाओं का केंद्रबिंदु समाज के गरीब, वंचित, पिछड़े और अति पिछड़े वर्ग हैं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए नित्यानंद राय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास, सुशासन और सामाजिक सशक्तिकरण के नए मानक स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि आज देश में गरीब, गरीब का सम्मान और गरीबों के अधिकार तीनों सुरक्षित हैं। केंद्र सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रहा है जिससे गरीब और वंचित वर्गों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि यह पूरे देश के लिए गर्व की बात है कि एक पिछड़े समाज का बेटा देश का प्रधानमंत्री बना और उसने अपने कार्यों के माध्यम से भारत को वैश्विक मंच पर नई पहचान दिलाई है। प्रधानमंत्री मोदी ने समाज के सभी वर्गों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का काम किया है और अति पिछड़ा समाज को सम्मान तथा अवसर प्रदान करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। देश की विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा का उल्लेख करते हुए केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने कहा कि आज भारत की स्थिति पहले से कहीं अधिक मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि देश और देश की सीमाएं दोनों सुरक्षित हैं। भारत अब विश्व मंच पर निर्णायक भूमिका निभा रहा है और वैश्विक स्तर पर होने वाले महत्वपूर्ण निर्णयों में भारत की भागीदारी और नेतृत्व को स्वीकार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की प्रतिष्ठा लगातार बढ़ी है और दुनिया भारत की ताकत को सम्मान की दृष्टि से देख रही है।

दानापुर मंडल ने किया पुलिस भर्ती परीक्षा के मद्देनजर स्पेशल ट्रेनों का परिचालन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। पुलिस भर्ती परीक्षा में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा हेतु दानापुर मंडल द्वारा 23/24 जून 2026 को परीक्षा स्पेशल ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है जिसका विस्तृत विवरण संलग्न किया जा रहा है-

23.06.2026 को चलने वाली ट्रेन:

पाटलिपुत्र से 20:00 खुलकर अगले दिन 5:00 बजे सहरसा को पहुंचने वाली ट्रेन, पटना से 20:50 बजे खुलकर अगले दिन 3:00 बजे भभुआ को पहुंचने वाली ट्रेन, पटना से 21:00 बजे खुलकर अगले दिन 5:00 बजे बेतिया को पहुंचने वाली ट्रेन, पाटलिपुत्र से 21:45 खुलकर अगले दिन 5:30 बजे पूर्णिया को पहुंचने वाली ट्रेन, दानापुर से 22:00 खुलकर अगले दिन 6:00 बजे अररिया को पहुंचने वाली ट्रेन, पटना से 23:00 खुलकर अगले दिन 3:00 बजे सिवान को पहुंचने वाली ट्रेन **24.06.2026 को चलने वाली ट्रेनें:**

बख्तियारपुर से 7:00 खुलकर 9:00 बजे राजगीर को पहुंचने वाली ट्रेन , किऊल से 12:30 खुलकर 16:30 बजे गया को पहुंचने वाली ट्रेन, राजगीर से 13:00 खुलकर 15:00 बजे बख्तियारपुर को पहुंचने वाली ट्रेन,

नवादा से 13:00 खुलकर 16:45 बजे झाझा को पहुंचने वाली ट्रेन

बक्सर से 13:30 खुलकर 16:30 बजे दानापुर को पहुंचने वाली ट्रेन

झाझा से 17:00 खुलकर 21:00 बजे पटना को पहुंचने वाली ट्रेन, गया से 17:30 खुलकर 21:30 बजे किऊल को पहुंचने वाली ट्रेन ।

पार्सल परिवहन सेवाओं के विस्तार एवं सुधार हेतु मुख्यालय हाजीपुर में पार्सल लीजधारकों के साथ बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक कार्यालय, हाजीपुर में पूर्व मध्य रेल के सभी पांचों मंडलों के पार्सल लीजधारकों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अमिताभ प्रभाकर, प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व मध्य रेल द्वारा की गई। बैठक में मुख्यालय तथा पूर्व मध्य रेल के सभी पांचों मंडलों के वाणिज्य अधिकारियों के साथ-साथ लगभग 70 पार्सल लीजधारकों एवं हितधारकों ने भाग लिया तथा पार्सल परिवहन सेवाओं के विस्तार एवं सुधार हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक के दौरान जटडुमरी स्टेशन को पार्सल हब के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव रखा गया जिससे पार्सल संचालन को और अधिक सुदृढ़ एवं सुगम बनाया जा सके। इसके साथ ही जटडुमरी से चितपुर (कोलकाता) एवं गुवाहाटी होकर त्रिपुरा (अगरतला) तक पीसीईटी ट्रेन चलाने तथा इस सेवा का विस्तार दिल्ली होते हुए अमृतसर तक करने का प्रस्ताव रखा गया। बैठक में चर्चा के दौरान लीजधारकों द्वारा गाड़ी संख्या 13185/86 गंगा सागर एक्सप्रेस में (एलएचबी रेक में परिवर्तन के उपरांत), गाड़ी संख्या 13165/66 सीतामढ़ी-कोलकाता एक्सप्रेस तथा गाड़ी संख्या 13257/58 दानापुर-आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस में पार्सल वैन की व्यवस्था किए जाने की मांग की गई। साथ ही कुछ ट्रेनों के अतिरिक्त ठहराव प्रदान करने तथा स्टेशनों पर पार्सल पैकेजों की सुरक्षा व्यवस्था को और सुदृढ़ करने पर बल दिया गया। बैठक के दौरान अमिताभ प्रभाकर ने पार्सल सेवाओं के विस्तार, ग्राहकों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने तथा रेलवे राजस्व में वृद्धि हेतु रेलवे प्रशासन एवं पार्सल हितधारकों के बीच निरंतर समन्वय बनाए रखने पर बल दिया। बैठक में प्राप्त सुझावों का व्यवहारिकता के आधार पर परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

जन्दाहा ओपन माइक काव्य संध्या का सफल आयोजन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जन्दाहा (वैशाली)। युवा भारत विकास संगठन के तत्वावधान में कैरियर मिशन कम्प्यूटर एकेडमी परिसर, जन्दाहा में आयोजित 'जन्दाहा ओपन माइक (काव्य संध्या)' कार्यक्रम साहित्य, कला एवं संस्कृति का भव्य संगम बनकर उभरा। कार्यक्रम में क्षेत्र के कवियों, साहित्यकारों, विद्यार्थियों एवं कला प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुप्रसिद्ध कवयित्री वर्षा ठाकुर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री जय सिंह राठौड़ उपस्थित रहे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. आनंद रंजन झा एवं मनोज साह ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई। मंच संचालन सुश्री वर्षा ठाकुर ने किया तथा कार्यक्रम के दौरान संगठन को मजबूती प्रदान करने के उद्देश्य से पद सृजित किया गया जिसमें वर्षा ठाकुर को अध्यक्ष, जय सिंह राठौर को प्रांतीय संरक्षक, डॉ. आनंद रंजन झा को जिला संरक्षक, मनोज साहू को प्रखंड संरक्षक, सुनील कुमार सिंह उर्फ भोला सिंह को संगठन महामंत्री, हरिशंकर सिंह को संगठन संयोजक, राष्ट्रीय सलाहकार कवि दिव्यांश दुष्यंत, राष्ट्रीय राष्ट्रीय संरक्षक प्रभात ठाकुर जी को दायित्व दिया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कवियों एवं प्रतिभागियों ने देशभक्ति, सामाजिक सरोकार, प्रेम, मानवीय मूल्यों तथा समसामयिक विषयों पर अपनी कविताओं एवं रचनाओं का पाठ किया। उपस्थित श्रोताओं ने कवियों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए तालियों की गड़गड़ाहट से उनका उत्साहवर्धन किया।

सात निश्चय-3 के 'दोगुनी आय-दोगुना रोजगार' संकल्प को मिलेगा बल

राइपनिंग चैंबर स्थापना पर 35 प्रतिशत अनुदान : विजय कुमार सिन्हा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार सरकार के कृषि विभाग अंतर्गत उद्यान निदेशालय द्वारा राज्य में फलों के सुरक्षित, वैज्ञानिक एवं नियंत्रित परिपक्वन को बढ़ावा देने के लिए राइपनिंग चैंबर की स्थापना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह पहल मुख्यमंत्री के सात निश्चय-3 के अंतर्गत 'दोगुनी आय-दोगुना रोजगार' के लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से किसानों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), स्वयं सहायता समूहों, महिला उद्यमियों तथा युवाओं को आधुनिक बागवानी मूल्य-श्रृंखला से जोड़ते हुए उनकी आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। यह बात आज मीठापुर स्थित कृषि भवन में उद्यान निदेशालय की समीक्षा बैठक के दौरान कृषि मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कही। बिहार में केला सहित विभिन्न फलों के उत्पादन के दौरान कटाई के समय बाजार में एक साथ अधिक मात्रा में उपज आने से किसानों को अक्सर कम कीमत पर फल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है। पर्याप्त राइपनिंग चैंबर उपलब्ध नहीं होने के कारण उपज का वैज्ञानिक प्रबंधन नहीं हो पाता जिससे किसानों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है। वहीं बाद के महीनों में राज्य को अन्य प्रदेशों से पके फलों की आपूर्ति पर निर्भर रहना पड़ता है। राइपनिंग चैंबर की सुविधा उपलब्ध होने पर फलों को नियंत्रित वातावरण में सुरक्षित रखा जा सकता है तथा मांग और बेहतर बाजार मूल्य के अनुरूप चरणबद्ध तरीके से बाजार में उपलब्ध कराया जा सकता है। राइपनिंग चैंबर में तापमान, आर्द्रता, वायु-संचार तथा एथिलीन गैस की वैज्ञानिक एवं नियंत्रित व्यवस्था होती है। इससे कैल्शियम कार्बाइड जैसे हानिकारक रसायनों के उपयोग की आवश्यकता समाप्त हो जाती है और फल प्राकृतिक, सुरक्षित तथा समान रूप से पकते हैं। इससे फलों की गुणवत्ता, स्वाद, रंग, सुगंध और शेल्फ-लाइफ में सुधार होता है जिससे बाजार में उनकी मांग और मूल्य दोनों बढ़ते हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि योजना के अंतर्गत राइपनिंग चैंबर की स्थापना पर 35 प्रतिशत अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। पात्र लाभार्थियों को अधिकतम 35,000 रुपये प्रति मीट्रिक टन क्षमता तक सहायता प्रदान की जाएगी। यह योजना किसान उत्पादक संगठनों, सहकारी समितियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, उद्यमियों एवं फल उत्पादकों के लिए आधुनिक बागवानी अवसंरचना विकसित करने का उत्कृष्ट अवसर है।

संपादकीय

सरकार आर्थिक वृद्धि और महंगाई के बीच संतुलन कायम करने वाले कदम उठाए

आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार महंगाई पर नियंत्रण की तुलना में आर्थिक वृद्धि के प्रयासों पर ज्यादा जोर दे रही है। इससे भले ही अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में सुधार नजर आ सकता है, लेकिन महंगाई के बढ़ते बोझ से आम लोगों के लिए जीवन-यापन करना कठिन हो जाएगा। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से पैदा हुए संकट का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इसका सबसे ज्यादा असर ऊर्जा और आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति पर पड़ रहा है, जिससे इनकी कीमतों में इजाफा होना स्वाभाविक है।महंगाई अब आम आदमी की जेब पर भारी पड़ने लगी है और निश्चित तौर पर इसका प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर भी पड़ेगा। यही वजह है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने शुक्रवार को आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसद से घटाकर 6.6 फीसद, जबकि खुदरा महंगाई दर के अनुमान को 4.6 फीसद से बढ़ाकर 5.1 फीसद कर दिया है।हालांकि, सरकार का लक्ष्य महंगाई दर को चार फीसद के दायरे में सीमित रखने का है, लेकिन सवाल है कि वर्तमान में जो परिस्थितियां बनी हैं, उस लिहाज से क्या इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकेगा, या फिर यह आंकड़ा महज सरकारी कागजों में दिखाने के लिए ही रह जाएगा। यह आशंका इसलिए व्यक्त की जा रही है, क्योंकि सरकार की ओर से मौजूदा संकट से निपटने के लिए कोई ठोस एवं विस्तृत रूपरेखा अभी तक सामने नहीं आई है।आरबीआइ ने प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 फीसद पर बरकरार रखा है और इसे आम लोगों के लिए राहत के रूप में पेश किया जा रहा है। मगर इसका दूसरा पहलू यह है कि पहले से ही महंगाई से जूझ रहे समाज के एक वर्ग को उम्मीद थी कि रेपो दर में कुछ कमी की जाएगी, जिससे उन्हें अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए बैंक से कर्ज लेने और मासिक किस्त चुकता करने में आसानी होगी।गौरतलब है कि रेपो दर में कमी और वृद्धि से ब्याज दरें भी घटती एवं बढ़ती हैं, जिसका सीधा असर बैंकों से कर्ज लेने वालों की मासिक भुगतान किस्त पर पड़ता है। यह बात स्पष्ट है कि बढ़ते वैश्विक तनाव, वस्तुओं की ऊंची कीमतें और आपूर्ति में समस्या देश के आर्थिक परिदृश्य के लिए जोखिम पैदा कर रहे हैं।कच्चे तेल के दामों में आए उछाल और विदेशी संस्थागत निवेशकों की रिकार्ड पूंजी निकासी के कारण रुपया इस वर्ष डालर के मुकाबले छह फीसद से अधिक टूटा है। इसके साथ ही विदेशी मुद्रा भंडार पर भी दबाव बढ़ रहा है। ऐसे में अगर समग्र रूप से कारगर कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले दिनों में स्थिति और ज्यादा बिगड़ने से इनकार नहीं किया जा सकता।देश की अर्थव्यवस्था के लिए जोखिम सिर्फ पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से ही नहीं है, बल्कि घरेलू मोर्चे पर भी कई तरह की चुनौतियां स्थिति को जटिल बना रही हैं।

देश का किसान अब केवल गेहूं, धान, कपास और गन्ने की फसल तक सीमित नहीं रहना चाहता। बदलती जलवायु, खेती की बढ़ती लागत, घटता लाभ और बाजार की अनिश्चितता ने किसानों को नए विकल्पों की तलाश के लिए प्रेरित किया है। भारत की धरती सदियों से ऐसी जड़ी-बूटियों की जननी रही है, जिन्होंने केवल रोगों का उपचार ही नहीं किया, बल्कि जीवन जीने की भारतीय दृष्टि को भी आकार दिया। कभी गांवों के आंगन में तुलसी का चौरा, खेतों की मेड़ों पर नीम, जंगलों में गिलोय और घरों की रसोई में हल्दी केवल परंपरा नहीं थे।

खेतों से दवा तक- औषधीय खेती किसानों के लिए खोल रही है कमाई की नई राह

(बलवंत राज मेहता)

लोक-स्वास्थ्य की मजबूत व्यवस्था थे। आज जब दुनिया रासायनिक दवाओं के दुष्प्रभावों से परेशान होकर फिर प्रकृति की ओर लौट रही है, तब भारत की औषधीय खेती एक नए युग की दस्तक बनकर सामने खड़ी है।

देश का किसान अब केवल गेहूं, धान, कपास और गन्ने की फसल तक सीमित नहीं रहना चाहता। बदलती जलवायु, खेती की बढ़ती लागत, घटता लाभ और बाजार की अनिश्चितता ने किसानों को नए विकल्पों की तलाश के लिए प्रेरित किया है। इसी दौर में औषधीय पौधों की खेती आशा की नई किरण बनकर उभरी है।

अश्वगंधा, एलोवेरा, तुलसी, सर्पगंधा, आंवला, गिलोय, गुग्गल और शतावरी जैसी फसलें किसानों के लिए आय का नया आधार बन रही हैं। केंद्र सरकार भी इस संभावना को समझ रही है। राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के माध्यम से किसानों को औषधीय पौधों की खेती पर 30 से 75 फीसद तक अनुदान दिया जा रहा है। उद्देश्य केवल खेती बढ़ाना नहीं, बल्कि भारत को वैश्विक हर्बल बाजार में मजबूत पहचान दिलाना है।

सरकार नर्सरी विकास, प्रशिक्षण, प्रसंस्करण, भंडारण और विपणन जैसी व्यवस्थाओं को भी मजबूत करने की दिशा में काम कर रही है। दरअसल, यह समय केवल खेती बदलने का नहीं, बल्कि खेती की सोच बदलने का है। आज दुनिया स्वास्थ्य को केवल अस्पताल और दवाओं से नहीं जोड़ रही, बल्कि जीवनशैली, भोजन और प्राकृतिक उपचार से भी जोड़कर देख रही है।

कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को यह एहसास कराया कि शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कितनी महत्त्वपूर्ण है। इसी दौरान भारतीय काढ़ा, हल्दी वाला दूध, गिलोय, तुलसी और अश्वगंधा जैसी औषधीय जड़ी-बूटियों की मांग अचानक बढ़ गई। यूरोप और अमेरिका जैसे देशों में आयुर्वेद और हर्बल उत्पादों के प्रति विश्वास बढ़ा है। भारतीय आयुष उद्योग का विस्तार अब लाखों करोड़ रुपए के बाजार की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है।

इस बदलती वैश्विक सोच का सबसे बड़ा लाभ भारत के किसानों को मिल सकता है। विशेष रूप से राजस्थान जैसे राज्यों में, जहां पानी की कमी और सूखा हमेशा चुनौती रहे हैं, वहां औषधीय खेती वरदान साबित हो सकती है। गुग्गल, अश्वगंधा और एलोवेरा जैसी फसलें कम पानी में भी अच्छी पैदावार देती हैं। कई औषधीय पौधे ऐसी भूमि में भी उगाए जा सकते हैं, जहां पारंपरिक खेती लाभकारी नहीं रह जाती। यही कारण है कि अब युवा किसान और शिक्षित ग्रामीण भी इस क्षेत्र में रुचि लेने

लगे हैं।

औषधीय खेती का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी है कि इसमें मूल्य संवर्धन की अपार संभावनाएं हैं। यदि गांव स्तर पर ही सुखाने, छंटाई करने, तेल निकालने, पाउडर बनाने और पैकेजिंग करने जैसी इकाइयां विकसित हों, तो किसान केवल कच्चा माल बेचने तक सीमित नहीं रहेगा। वह एक लघु उद्यमी की तरह अपनी आय बढ़ा सकेगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार भी बढ़ेगा और पलायन कम होगा। महिलाओं के स्वयं सहायता समूह भी हर्बल प्रसंस्करण और घरेलू उत्पाद निर्माण में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं।

आज कई राज्यों में औषधीय खेती की पहल हो रही है। गंगा किनारे विकसित किया जा रहा हर्बल गलियारा इसका उदाहरण है। यदि किसी क्षेत्र में एक साथ बड़ी मात्रा में औषधीय पौधों की खेती होती है, तो वहां प्रसंस्करण इकाइयां और खरीदार आसानी से विकसित हो सकते हैं। इससे किसानों को बाजार की स्थिरता मिलेगी और निर्यात की संभावनाएं भी बढ़ेंगी।

मगर तस्वीर का दूसरा पक्ष भी उतना ही अहम है। औषधीय खेती जितनी आकर्षक दिखाई देती है, उसकी चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सबसे बड़ी समस्या बाजार की अनिश्चितता है। कई किसान उत्साह में औषधीय पौधे लगा लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें उचित खरीदार नहीं मिलते। कई बार कंपनियां शुरुआत में ऊंचे दाम का वादा करती हैं, लेकिन फसल तैयार होने पर कीमतें गिर जाती हैं। बिचौलियों का हस्तक्षेप भी किसानों के लाभ को कम कर देता है।

औषधीय पौधों की खेती में गुणवत्ता सबसे महत्त्वपूर्ण होती है। केवल पौधा उगाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसमें आवश्यक औषधीय तत्वों की मात्रा भी मानकों के अनुरूप होनी चाहिए। इसके लिए वैज्ञानिक खेती, उचित बीज, परीक्षण और प्रमाणन की जरूरत होती है। सामान्य किसान के लिए यह प्रक्रिया अभी भी जटिल और खर्चीली है। यदि प्रशिक्षण और तकनीकी मार्गदर्शन मजबूत नहीं हुआ, तो किसान अपेक्षित लाभ नहीं उठा पाएंगे।

एक बड़ी चिंता जैव विविधता की भी है। बढ़ती व्यावसायिक मांग के कारण कई दुर्लभ जड़ी-बूटियों का अत्यधिक दोहन हो रहा है। जंगलों से अवैज्ञानिक तरीके से संग्रहण पर्यावरण के लिए खतरा बन सकता है। इसलिए औषधीय खेती को केवल व्यापारिक अवसर के रूप में नहीं, बल्कि प्रकृति संरक्षण और पारंपरिक ज्ञान के संवर्धन से जोड़कर देखना होगा। जैविक खेती, जल संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी यहां अत्यंत आवश्यक है।

भारतीय ग्रामीण समाज में औषधीय ज्ञान केवल पुस्तकों में नहीं, बल्कि लोक जीवन में बसा हुआ है। गांवों में दादी-नानी पीढ़ियों से घरेलू उपचारों का ज्ञान संजोती आई हैं। आदिवासी समुदायों के पास अनेक दुर्लभ वनस्पतियों की जानकारी है। दुर्भाग्य से आधुनिक विकास की दौड़ में यह ज्ञान धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है। यदि औषधीय खेती को इस लोक-ज्ञान से जोड़ा जाए, तो यह केवल आर्थिक गतिविधि नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का माध्यम भी बन सकती है।

आज आवश्यकता इस बात की है कि औषधीय खेती को केवल सरकारी योजना या अनुदान तक सीमित न रखा जाए। कृषि विश्वविद्यालयों, आयुष संस्थानों, वैज्ञानिकों और किसान संगठनों को मिलकर ऐसा मॉडल विकसित करना होगा, जिसमें किसान उत्पादन से लेकर विपणन तक आत्मनिर्भर बन सके। गांव स्तर पर औषधीय मंडियां, परीक्षण प्रयोगशालाएं और प्रसंस्करण इकाइयां विकसित करनी होंगी।

किसानों को फसल चयन से लेकर बाजार की मांग तक की स्पष्ट जानकारी मिलनी चाहिए। डिजिटल तकनीक भी इस क्षेत्र में नई संभावनाएं खोल सकती है। यदि किसानों को मोबाइल पर बाजार भाव, खरीदारों की जानकारी और खेती संबंधी सलाह मिले, तो वे बेहतर निर्णय ले सकेंगे। निर्यात के लिए गुणवत्ता मानकों और प्रमाणन की सरल व्यवस्था भी जरूरी होगी।

दुनिया जब रसायनों से थककर फिर मिट्टी, वनस्पतियों और प्राकृतिक उपचारों की ओर लौट रही है, तब भारत के पास अपनी परंपरा और ज्ञान के बल पर वैश्विक नेतृत्व का अवसर है। यदि नीति, विज्ञान और किसान की मेहनत का सही संगम हो जाए, तो भारत के गांव केवल अन्न भंडार नहीं रहेंगे, बल्कि वे दुनिया के स्वास्थ्य प्रहरी बन सकते हैं। खेतों की हरियाली तब केवल आर्थिक समृद्धि का प्रतीक नहीं होगी, बल्कि मानवता के स्वस्थ भविष्य की आशा भी बनेगी।

जीवन की सबसे बड़ी पूंजी, जिसका कोई हिसाब-किताब नहीं होता

(महिमा सामंत)

आज के समय में जीवन की गति इतनी तेज हो गई है कि लोग लगभग हर बात को लाभ और हानि के तराजू में तौलने लगे हैं। कोई काम करने से पहले मन में पहला प्रश्न उठता है- 'इससे मुझे क्या फायदा होगा?' यदि लाभ दिखाई देता है, तो हम तुरंत आगे बढ़ते हैं और यदि लाभ स्पष्ट न हो तो कई बार हम उस काम से दूरी बना लेते हैं। धीरे-धीरे यह सोच हमारे जीवन का हिस्सा बनती जा रही है।

मगर क्या सच में जीवन की हर बात को लाभ-हानि से मापा जा सकता है? क्या रिश्ते, भावनाएं और मानवीय संवेदनाएं भी किसी व्यापारिक हिसाब-किताब का हिस्सा हो सकती हैं? यदि हम थोड़ा गहराई से सोचें, तो समझ में आता है कि जीवन का सबसे सुंदर हिस्सा वही है, जहां कोई गणना या माप-तौल नहीं होता है।

सबसे बड़ा उदाहरण माता-पिता का प्रेम है। वे अपने बच्चों के लिए अनगिनत त्याग करते हैं, उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। माता-पिता ने अपने बच्चे के लिए कितनी नींद खोई, कितनी बार अपनी इच्छाएं दबाईं या कितनी मेहनत की, इसका कोई हिसाब वे नहीं रखते। वे कभी यह नहीं सोचते कि बच्चे को पालने-पोसने में कितना निवेश हुआ और उससे उन्हें क्या लाभ मिलेगा।

उनके लिए बच्चे की खुशी ही सबसे बड़ी कमाई होती है। वास्तव में माता-पिता हमें यह सिखाते हैं कि सच्चा प्रेम वह है, जिसमें स्वार्थ और लाभ-हानि का कोई स्थान नहीं होता। मगर जब हम अपनी उम्मीदों के आधार पर किसी से जुड़े होते हैं और सामने वाला व्यक्ति उस पर खरा नहीं उतरता, तो गहरी ठेस पहुंचती है।

इसी तरह शिक्षक और छात्र का संबंध भी केवल औपचारिक नहीं होता। एक सच्चा शिक्षक केवल पाठ्यक्रम पूरा करके अपना कर्तव्य समाप्त नहीं मानता। वह कमजोर विद्यार्थी को अलग से समझाता है, उसे प्रेरित करता है और उसके भीतर आत्मविश्वास जगाने की कोशिश करता है। कई बार शिक्षक कक्षा के बाद भी समय देकर छात्रों की शंकाएं दूर करते हैं, उनके जीवन से जुड़े प्रश्नों पर मार्गदर्शन देते हैं। उन्हें इसके बदले कोई अतिरिक्त लाभ नहीं मिलता, फिर भी वे ऐसा करते हैं, क्योंकि उनके लिए छात्र की प्रगति और सफलता ही सबसे बड़ा संतोष होती है।

दोस्ती भी ऐसी ही भावना है, जिसे किसी गणित से नहीं मापा जा सकता। सच्चा मित्र कठिन समय में साथ खड़ा रहता है। वह यह नहीं सोचता कि इससे उसे क्या मिलेगा। मान लीजिए, आपका कोई मित्र अचानक रात में मदद के लिए कहे- उसे अस्पताल जाना हो या किसी समस्या में सहारा चाहिए। उस समय यदि हम लाभ-हानि सोचने लगें, तो मित्रता का मूल्य ही समाप्त हो जाएगा। सच्ची दोस्ती वही होती है, जिसमें निस्वार्थ भाव से एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ निभाया जाए।

दैनिक जीवन में भी हम कई ऐसे छोटे-छोटे काम करते हैं, जिनका कोई आर्थिक लाभ नहीं होता, फिर भी वे हमारे मन को सच्ची खुशी देते हैं। जैसे बस में किसी बुजुर्ग या महिला को अपनी सीट दे देना, किसी अनजान व्यक्ति को रास्ता समझा देना, किसी परेशान मित्र की बात धैर्य से सुन लेना या सड़क पर पड़े किसी घायल व्यक्ति को अस्पताल पहुंचाने में मदद करना। इन कार्यों से हमें कोई मुनाफा नहीं मिलता, लेकिन संतोष और खुशी जरूर मिलती है। पंचतंत्र की कहानियों में भी इस बात को सुंदर ढंग से समझाया गया है। एक प्रसिद्ध कथा में कबूतरों का एक समूह शिकारी के जाल में फंस जाता है। वे मिलकर जाल सहित उड़ जाते हैं और अपने मित्र चूहे के पास पहुंचते हैं। चूहा बिना किसी स्वार्थ के जाल को काटकर उन्हें मुक्त कर देता है। उसने यह नहीं सोचा कि इससे उसे क्या फायदा होगा। वहां केवल सच्ची मित्रता और सहयोग था। यह कहानी हमें सिखाती है कि संबंधों की ताकत लाभ-हानि से नहीं, बल्कि विश्वास और सहयोग से बनती है। आज के प्रतिस्पर्धी दौर में कई बार लोग रिश्तों में भी लाभ ढूंढ़ने लगते हैं। वे सोचते हैं कि यह संबंध उनके काम आएगा या नहीं। मगर सच्चाई यह है कि जो संबंध केवल स्वार्थ पर टिके होते हैं, वे अधिक समय तक नहीं टिक पाते। सच्चे संबंध वही होते हैं, जिनमें अपनापन, विश्वास, सम्मान और सच्चाई हो।

वास्तव में जीवन की सबसे मूल्यवान चीजें वही हैं, जिनका कोई हिसाब-किताब नहीं होता- माता-पिता का स्नेह, दोस्तों का साथ, शिक्षक का मार्गदर्शन और किसी अनजान व्यक्ति की छोटी-सी मदद। इन्हें किसी तराजू में नहीं तौला जा सकता। जब हम भावनात्मक जुड़ाव के बजाय इस बात पर ध्यान देने लगते हैं कि हमें क्या मिल रहा है, तो रिश्ते का मूल अर्थ ही समाप्त होने लगता है। जीवन कोई व्यापार की किताब नहीं है, जहां हर पंक्ति में लाभ और हानि का हिसाब लिखा जाए। यदि हम हर संबंध और हर कार्य को केवल स्वार्थ और लाभ की दृष्टि से देखने लगेंगे, तो जीवन से संवेदनाएं धीरे-धीरे समाप्त हो जाएंगी।

'जब तक विपक्षी दल किसी एक परिवार की जायदाद रहेंगे, तब तक मोदी को चुनौती देने वाला कोई नहीं है'

(तवलीन सिंह)

पिछले सप्ताह यों ही सोशल मीडिया पर खबरें देख-सुन रही थी कि राहुल गांधी दिखे कोटा में छात्रों को संबोधित करते हुए। अंग्रेजी में उन्होंने अपने उस खास अंदाज में कहा कि वह न राजनीति की बातें करने आए हैं और न ही किसी और चीज की, उनकी इस सभा का मकसद सिर्फ छात्रों की समस्याओं पर बात करने का है। मुझे थोड़ा अजीब लगा कि राजस्थान के इस कोचिंग सेंटर वाले शहर में वह अंग्रेजी में भाषण कर रहे हैं, सो मैंने इस बात को 'एक्स' पर कहा, बिना सोचे कि ऐसा करने से एक बवंडर खड़ा होने वाला है। मेरी इस पोस्ट को कोई पांच लाख लोगों ने पढ़ा, जिसमें से कोई पांच सौ लोगों ने उसे फिर से साझा किया और 700 से अधिक लोगों ने उसको 'लाइक' किया, लेकिन साथ में इतने लोगों से गालियां सुननी पड़ीं कि मैं हैरान रह गई। कांग्रेस के समर्थक थे यह सब, जिन्होंने मुझे हर तरह से परेशान करने की कोशिश की और इनमें कई ऐसे थे।

अक्सर मुझे गालियां देते हैं, जब मैं राहुल गांधी के बारे में कुछ भी कहती हूं।आलोचकों की भीड़ में कांग्रेस पार्टी के कई पुराने समर्थक थे, जिनकी राजनीति वामपंथी सोच पर आधारित है और इस वामपंथी आर्थिक सोच में घुला हुआ है धर्मनिरपेक्षता पर विश्वास। सच यह है कि मैं वामपंथी आर्थिक सोच का दिल से विरोध करती हूं, लेकिन साथ में मुझे पूरा विश्वास यह भी है कि धर्मनिरपेक्षता के बिना भारत टूट सकता है, एक बार फिर। इस बात को इसलिए कह रही हूं आज कि मेरे जैसे कई लोग हैं, जो कांग्रेस को वोट देते, अगर कांग्रेस का नेतृत्व गांधी परिवार के अलावा कोई और कर रहा होता।

सोनिया गांधी ने अपने बच्चों की खातिर एक ऐसे राजनीतिक दल को बर्बाद किया है, जिसकी इस देश को सख्त जरूरत है। शायद उनके कानों तक यह बात अभी तक पहुंची नहीं है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सलाहकार मानते हैं कि जब तक कांग्रेस का नेतृत्व राहुल गांधी करते रहेंगे, तब तक मोदी को कोई नहीं हरा सकेगा। राहुल गांधी ने जब से कांग्रेस की कमान संभाली है, उन्होंने सिर्फ अपनी छवि को चमकाने पर ध्यान दिया है, पार्टी की जड़ों को नए तरीकों से सींचकर मजबूत करने पर नहीं। ऐसा इंदिरा गांधी ने भी नहीं किया था, बावजूद इसके कि उनके दौर में परिवारवाद की नींव रखी गई थी। आपातकाल में भी उनके आसपास कई ताकतवर मुख्यमंत्री थे, जिनकी जिम्मेदारी थी पार्टी को राज्यों में ताकतवर बनाने की।

इस परंपरा को तोड़ा सोनिया गांधी ने, इसलिए कि उनकी एक ही इच्छा थी और वह यह कि उनके बच्चों से ऊंचे कद का कोई नेता सिर उठाने की हिम्मत न दिखाए। ऐसा अक्सर होता है उन राजनीतिक दलों में, जो असली राजनीतिक पार्टी न रहकर किसी परिवार की निजी जायदाद बन जाते हैं। ऐसे राजनीतिक दलों की समस्या यह है कि जब तक सत्ता उनके हाथ में रहती है, तब तक उनका पूरा काबू रहता है पार्टी के नेतृत्व पर, लेकिन जैसे ही सत्ता जाती है, बिखरने लगते हैं सब बारी-बारी।

पिछले दिनों हमने देखा है कि कैसे तृणमूल कांग्रेस बिखरकर टूट गई है ममता बनर्जी के चुनाव हारने के बाद और उससे पहले महाराष्ट्र में शरद पवार जैसे महारथी भी अपनी पार्टी को टूटने से नहीं रोक सके, जब सत्ता उनके हाथों से खिसक गई।

उद्धव ठाकरे की शिवसेना भी इस समय टूटने के कगार पर पहुंच गई है। इस दल के सांसद भी बागी हो गए हैं। उद्धव ठाकरे के प्रवक्ताओं ने दोष साजिशों पर डालने की बहुत कोशिश की, ऐसा कहकर

कि सांसदों को 15 करोड़ रुपए में खरीदा जा रहा है, लेकिन अपने गिरेबान में झांककर देखते तो उनको दिखता कि पार्टी को बनाने के लिए कड़ी मेहनत की जो जरूरत है, उनके नेता शहजादे कर नहीं पाते हैं। ऐसे में पार्टी कमजोर होती जाती है।इन विपक्षी दलों के सामने है नरेंद्र मोदी की भारतीय जनता पार्टी, जिसकी जड़ें काबिल नेतृत्व के कारण देशभर में फैल गई हैं। वहीं, कांग्रेस पार्टी में 2014 के बाद बड़े नेता छोड़कर जाते रहे हैं। गांधी परिवार के दरबारी भी छोड़ते गए हैं। अब रह गए हैं सिर्फ ऐसे लोग, जो गांधी परिवार के नाम पर ही चुनाव जीत सकते हैं, अपने नाम पर नहीं। या वे लोग, जिनकी राजनीति चुनाव जीतने पर नहीं, दरबार में खुशामद करने से आगे बढ़ने पर टिकी हुई है। ये लोग कहीं जा नहीं सकते हैं, इसलिए कि किसी दूसरे दल में जाने के रास्ते उनके लिए बंद हैं और लोकसभा चुनाव जीतने की कोई उम्मीद नहीं है। कड़वा सच यह है कि जब तक विपक्षी दल किसी एक परिवार की जायदाद रहेंगे, तब तक नरेंद्र मोदी को चुनौती देने वाला कोई नहीं है, बावजूद इसके कि देश के युवाओं में अब बेचैनी और मायूसी दिखने लगी है। न सिर्फ प्रश्नपत्र लीक होने की वजह से, बल्कि इस वजह से भी कि अगर परीक्षाओं में पास भी हो जाते हैं खूब मेहनत करने के बाद, तो उनकी मायूसी तब बढ़ती है, जब वे रोजगार ढूंढने निकलते हैं। इस मायूसी का लाभ फिलहाल मिला है 'काकरोच जनता पार्टी' को और कांग्रेस को कम। इसका कारण यह है कि न राहुल गांधी अभी तक अपने 24 घंटे राजनीति को देने के लिए तैयार हैं और न ही उनकी बहन। प्रियंका अच्छे भाषण जरूर दे लेती हैं हिंदी में, लेकिन अभी तक उनमें वह शक्ति नहीं दिखती है, जिसको देखकर कोई कह सके कि आने वाले दिनों में नरेंद्र मोदी को चुनौती दे सकती हैं। सो इन दिनों जब भी मोदी भक्त मिलते हैं मुझे, वे यकीन के साथ कहते हैं कि वर्ष 2029 में भी 'आएंगे तो मोदी ही।'

कई ट्रेनें आज से 27 तक रहेंगी रद्द

कमीशनिंग कार्य बना कारण

बरबाडीह में कुछ का ठहराव निरस्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लातेहार। दक्षिण पूर्व रेलवे (एसईआर) ने धनबाद मंडल के सीपीडीआर-बारवाडीह-महुआमिलान रेलखंड पर तीसरी अप लाइन के कमीशनिंग कार्य को लेकर 23 जून से 27 जून 2026 तक नॉन-इंटरलॉकिंग (एनआई) कार्य किए जाने की घोषणा की है। इसके तहत 17 जून से 22 जून तक प्री-नॉन इंटरलॉकिंग तथा 23 जून से 27 जून तक नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य संचालित किया जाएगा।

इस दौरान कई ट्रेनों का परिचालन प्रभावित रहेगा, जिससे पलामू समेत आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। रेलवे द्वारा जारी सूचना के अनुसार, सबसे अधिक असर दैनिक यात्रियों पर पड़ेगा।

ट्रेन संख्या 18635 रांची-सासाराम एक्सप्रेस एवं 18636 सासाराम-रांची एक्सप्रेस को 23 से 27 जून 2026 तक रद कर दिया गया है। यह ट्रेन पलामू, गढ़वा और रोहतास जिले के यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण संपर्क साधन मानी जाती है इसके अलावा बरकाकानाझडेहरी ऑन सोन, बरवाडीह-डेहरी ऑन सोन, बरवाडीह-चोपन, गोमो-बरवाडीह तथा डेहरी ऑन सोन-बरवाडीह सहित कई पैसेंजर एवं मेमू ट्रेनों का परिचालन भी निर्धारित अवधि में रद रहेगी। वहीं, हटिया-नई दिल्ली, रांची-नई दिल्ली, आनंद विहार-हटिया, हावड़ा-जबलपुर, टाटानगर-जम्मूतवी तथा धनबाद-भोपाल समेत कई लंबी दूरी की ट्रेनों का परिचालन परिवर्तित मार्ग से किया जाएगा।

रेलवे प्रशासन ने 23 जून से 27 जून तक बरवाडीह स्टेशन पर कुछ ट्रेनों के अस्थायी ठहराव भी निरस्त कर दिए हैं। इस अवधि में यात्रियों को यात्रा से पहले अपनी ट्रेन की स्थिति की जानकारी प्राप्त करने तथा आवश्यकता पड़ने पर डाल्टनगंज अथवा महुआमिलान स्टेशन का उपयोग करने की सलाह दी गई है।

रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि यात्रा शुरू करने से पूर्व अपनी ट्रेन की अद्यतन स्थिति की जानकारी अवश्य प्राप्त कर लें, ताकि किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

जीविका दीदी की बल्ले-बल्ले

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सरकार विकसित भारत रोजगार एवं आजीविका के लिए गारंटी मिशन ग्रामीण में अकुशल श्रमिकों के साथ ही जीविका दीदियों को भी रोजगार देगी। अभी तक मनरेगा के तहत जीविका दीदियों को रोजगार नहीं मिलता था।ग्रामीण विकास विभाग की ओर सोमवार को अधिवेशन भवन में उप विकास आयुक्तों एवं जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों के लिए आयोजित प्रशिक्षण में यह बात उभर कर सामने आई। अहम यह है कि बिहार पहला ऐसा राज्य है जहां वीबी-जी राम जी को सबसे पहले लागू किया गया। पहली जुलाई से योजना के लागू होने के बाद जीविका दीदियों के लिए गांवों में आधुनिक ग्रामीण हाट बनाने के साथ-साथ इनका राष्ट्रीय स्तर पर नेटवर्किंग भी किया जाएगा। किसानों के उत्पादों को भंडारित करने के लिए भी तकनीकी आधारित सुविधाओं की व्यवस्था की जाएगी। ग्रामीण विकास मंत्री ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि विकसित भारत-जी राम जी के तहत श्रम कार्य करने का मौका मिलेगा।

घोटाले के 20 वर्षों से फरार आरोपित को सीबीआई ने दबोचा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की मुख्य शाखा, बैंक मोड़ में करीब दो दशक पहले हुए करोड़ों रुपये के घोटाले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) को बड़ी सफलता मिली है।

रविवार को चलाए गए समन्वित अभियान में सीबीआई ने बृजभूषण प्रसाद को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के कोपरगांव से तथा करतार सिंह को छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर से गिरफ्तार कर लिया।

करीब 20 वर्षों की फरारी के बाद हुई इन गिरफ्तारियों को सीबीआई एसीबी धनबाद की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। दोनों आरोपियों में एक को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए धनबाद न्यायालय में पेश किया गया जहां से न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। वर्ष 2005 से फरार चल रहे दोनों आरोपी लंबे समय तक नेपाल में छिपे रहे और बाद में भारत लौटकर पहचान बदलकर अलग-अलग राज्यों में रह रहे थे।

सीबीआई के अनुसार, आरसी-11(ए)/2005-डी के तहत 31 अगस्त 2005 को मामला दर्ज किया गया था। जांच में सामने आया था कि नवंबर 2002 से जून 2005 के बीच एसबीआई की मुख्य शाखा, बैंक मोड़, धनबाद से करीब 1.25 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी और गबन किया गया था। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी, 420 तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

जांच के दौरान आरोपी बृजभूषण प्रसाद और करतार सिंह फरार हो गए थे। सीबीआई की कार्रवाई तेज होने पर दोनों नेपाल भाग गए। न्यायालय ने उन्हें घोषित अपराधी करार दिया था। उनकी गिरफ्तारी के लिए रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था तथा नकद इनाम की भी घोषणा की गई थी।

सीबीआई अधिकारियों के मुताबिक, नेपाल से लौटने के बाद दोनों आरोपी अपनी असली पहचान छिपाकर अलग-अलग राज्यों में रह रहे थे, ताकि गिरफ्तारी और न्यायिक कार्रवाई से बच सकें। पिछले तीन-चार महीनों से सीबीआई एसीबी धनबाद की टीम मानव स्रोतों और तकनीकी निगरानी के जरिए उनके ठिकानों का पता लगाने में जुटी थी। धनबाद सीबीआइ के सूत्रों ने बताया कि दूसरे आरोपित को भी लाया जा रहा है। न्यायालय में पेश करने के बाद उसे भी न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जाएगा।

रोक के बाद भी बालू का अवैध खनन जारी

निर्माणाधीन डिग्री कॉलेज में स्थानीय बालू किया जा रहा डम्प

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका । राष्ट्रीय हरित अधिकरण की रोक के बावजूद सरैयाहाट क्षेत्र में स्थानीय नदियों से अवैध बालू उठाव का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। बालू माफियाओं का मनोबल इतना बढ़ गया है कि दिनदहाड़े नदियों से बालू का खनन कर विभिन्न निर्माण कार्यों में खुलेआम उपयोग किया जा रहा है। इससे न केवल खनन नियमों की धज्जियां उड़ रही हैं, बल्कि प्रशासनिक कार्रवाई की प्रभावशीलता पर भी सवाल खड़े होने लगे हैं।

प्रखंड के कोठिया के समीप निपनिया में लगभग 40 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे डिग्री कॉलेज में प्रतिदिन स्थानीय नदियों से अवैध रूप से बालू लाकर डंप की जा रही है। लोगों का आरोप है कि एनजीटी के निर्देशों और खनन संबंधी नियमों की अनदेखी करते हुए लगातार ट्रैक्टरों के माध्यम से बालू की आपूर्ति की जा रही है।

पिछले वर्ष भी इसी निमार्णाधीन डिग्री कॉलेज परिसर के समीप खनन विभाग ने बड़ी मात्रा में अवैध बालू जब्त की थी। इसके बावजूद एक बार फिर उसी स्थान पर स्थानीय नदियों से बालू का उठाव कर उसका भंडारण किया जा रहा है। ऐसे में यह सवाल उठने लगे हैं कि पूर्व में हुई कार्रवाई का कोई असर क्यों नहीं दिख रहा है और अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण क्यों नहीं हो पा रहा है।

प्रतिदिन सैंकड़ों ट्रैक्टरों के जरिए नदियों से बालू निकालकर विभिन्न ठेकेदारों और निर्माण स्थलों तक पहुंचायी जा रही है। इसके बावजूद संबंधित विभाग और स्थानीय प्रशासन कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर रहा है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।पर्यावरणविदों का मानना है कि अनियंत्रित बालू खनन से नदियों का प्राकृतिक स्वरूप प्रभावित होता है। इससे जलस्तर में गिरावट, नदी तटों का कटाव व जैव विविधता पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बनी रहती है। अवैध खनन के कारण सरकार को राजस्व की भी भारी क्षति होती है।

क्षेत्रवासियों ने जिला प्रशासन व खनन विभाग से अवैध बालू खनन और परिवहन पर तत्काल रोक लगाने, निर्माण कार्यों में उपयोग की जा रही बालू की जांच कराने और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की है।

कई थानाध्यक्ष इधर से उधर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

किशनगंज। जिले में विधि-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने तथा अपराध नियंत्रण को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने सोमवार को बड़े पैमाने पर पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया है। जारी आदेश के अनुसार, कुल 52 पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को विभिन्न थानों, अनुसंधान इकाइयों और शाखाओं में नई जिम्मेदारी सौंपी गई है। तबादला सूची में कई थानों के अपर थानाध्यक्ष, अनुसंधान पदाधिकारी, थाना लेखक और महिला हेल्प डेस्क प्रभारी शामिल हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह फेरबदल प्रशासनिक आवश्यकता, बेहतर पुलिसिंग और अपराध अनुसंधान कार्यों को गति देने के उद्देश्य से किया गया है। आदेश के तहत पोठिया थाना में पदस्थापित अवर निरीक्षक महेश पूर्व को अपर थानाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि महेश कुमार यादव को किशनगंज थाना का अपर थानाध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

नाबालिग दौड़ा रहे सड़कों पर गाड़ियां, स्थानीय प्रशासन मौन

दुर्घटना की हमेशा बनी रहती है आशंका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। कायदा कानून ताक पर, गाड़ियों की स्टेयरिंग नौनिहालों के हाथ में...., कुछ यही स्थिति है नई सराय-गिद्दी मार्ग की। नई सराय से लेकर अरगड्डा सिरका तक मालवाहक वाहनों की ओ से नियमों की अनदेखी कोई नई बात नहीं है और इस मार्ग पर आए दिन होने वाली दुर्घटनाएं लोगों के लिए परेशानी का सबब बनती हैं।

इस मार्ग पर छोटे बच्चे भी ट्रैक्टर पर बैठकर फरार्टे भरते दिख जाते हैं। रविवार की सुबह भी यह नजारा आम रहा। सुबह से ही एक नाबालिग स्टेयरिंग थामे अपने एक नाबालिग मित्र को साथ में बैठाकर नई सराय गिद्दी मार्ग पर पर चलता रहा। ट्रैक्टर की स्पीड भी तभी कम होती है, जब कहीं सड़क पर लगातार दो-तीन ब्रेकर आ जाता है। सबसे बड़ी बात थी कि न तो उस ट्रैक्टर में नंबर था और न ही डाला में। रिफ्लेक्टर आदि की बात ही करना बेमानी है।

सबसे आश्चर्यजनक है कि इस मार्ग पर सड़क किनारे ही छह सात स्कूल हैं। इस कारण हमेशा किसी दुर्घटना का भय बना रहा था। कुछ माह पूर्व में ही ट्रैक्टर की चपेट में आकर एक स्कूली बच्चे की मौत हो गई थी।

स्थनीय लोगों के अनुसार पिछले छह सात महीनों में ट्रैक्टर की चपेट में आकर आधे दर्जन लोग असमय मारे गए हैं। तीन दिन पहले दुर्घटना के बाद एक की मौत व छह घंटे सड़क जाम से लोगों को परेशानी में डाल दिया था।

बताया जाता है कि नियमों को ताक पर रखकर चलने वाले ट्रैक्टर के कारण इस क्षेत्र में आए दिन दुर्घटनाएं होती हैं इसे देखने वाला कोई नहीं है। स्थानीय लोगों ने बताया कि कुछ दिन पूर्व ही ट्रैक्टर अचानक से दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी।

शांति समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी। इस्लाम धर्मावलंबियों का गम व शहादत का त्योहार मुहर्रम शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने को लेकर मनिहारी आदर्श थाना परिसर में थानाध्यक्ष संतोष कुमार झा की अध्यक्षता में शांति समिति की बैठक हुई। बैठक मे थाना क्षेत्र के विभिन्न मुहर्रम अखाडा कमिटि के सदस्यों, खलीफा,सामाजिक कार्यकर्ता व गणमान्य लोगों ने शिरकत की।बैठक में अपने संबोधन में अनुमंडल पदाधिकारी त्रिलोकी नाथ सिंह ने सभी धर्मावलंबियों से आपसी भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की। बताया कि मुहर्रम शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने को लेकर प्रशासन की ओर से मुक्कमल व्यवस्था की गयी है। पर्व के दौरान विधि व्यवस्था बनाये रखने को लेकर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती रहेगी। संवेदनशील जगहों पर दण्डाधिकारी के पुलिस बल की तैनाती की जाएगी, ताकि किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।डीजे पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। अखाडा व ताजिये की जुलूस निकालने से पूर्व संबंधित अखाडा कमिटी को प्रशासन से पूर्व अनुमति लेना अनिवार्य होगा। उन्हें मुहर्रम की जुलूस निकाले जाने की मार्ग की जानकारी देनी होगी।

वज्रपात से एक की मौत,11 झुलसे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कर्रा। राजधानी रांची समेत राज्य के कई जिलों में रविवार को हुई बारिश के दौरान वज्रपात ने कहर बरपाया। अलग-अलग घटनाओं में छह लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग झुलस गए।

मृतकों में बच्चे, महिला और बुजुर्ग शामिल हैं। खूंटी जिले के कर्रा प्रखंड की कच्चाबारी पंचायत के पतराटोली गांव में क्रिकेट खेल रहे युवाओं पर वज्रपात गिर गया।

हादसे में 22 वर्षीय प्रेम बाखला (पतराटोली गांव, कर्रा) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 11 युवक झुलस गए। इनमें अंकित बारला और अंशिल मिंज समेत तीन की हालत गंभीर होने पर रांची सदर अस्पताल रेफर किया गया है।

जानकारी के अनुसार रविवार को अपराह्न करीब तीन बजे गांव के मैदान में पतराटोली एवं लोधमा गांव के युवक आपस में क्रिकेट मैच खेल रहे थे। इसी दौरान मौसम अचानक खराब हो गया।

आसमान में काले बादल छा गए और हल्की वर्षा शुरू हो गई। वर्षा से बचने के लिए सभी खिलाड़ी पास स्थित एक पेड़ के नीचे एकत्र हो गए। तभी तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आने से पतराटोली निवासी प्रेम बाखला की मौके पर ही मौत हो गई। रामगढ़ जिले के चितरपुर प्रखंड के मायल पंचायत अंतर्गत केंदुआटांड़ निवासी 39 वर्षीय मानसी देवी की भी वज्रपात से मौत हो गई। वह बारिश के दौरान बकरियां चराकर घर लौट रही थीं, तभी बिजली की चपेट में आ गईं।

वहीं, गोला प्रखंड के डुंडीगाछी निवासी 68 वर्षीय गंगासागर महतो की भी वज्रपात से मौत हो गई। शनिवार शाम बारिश के दौरान वे मुर्गी शेड से लौट रहे थे। इसी दौरान बिजली गिरने से गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल में चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

दुर्घटनाग्रस्त वाहन से शराब बरामद

अररिया। जिले के जोकीहाट थाना क्षेत्र अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-327ई पर स्थित फैटकी चौक फ्लाईओवर के समीप देर रात एक तेज रफ्तार अर्टिगा वाहन अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसा इतना भीषण था कि वाहन डिवाइडर को तोड़ते हुए विपरीत लेन में जा पहुंचा और सामने से आ रहे एक ट्रक से टकरा गया। दुर्घटना में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, जबकि पुलिस की जांच में वाहन से भारी मात्रा में विदेशी शराब भी बरामद की गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीती रात करीब 3:30 बजे अर्टिगा वाहन राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज गति से गुजर रही थी। इसी दौरान फटकी चौक फ्लाईओवर के पास चालक वाहन पर नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित वाहन पहले डिवाइडर से टकराई और उसे क्षतिग्रस्त करते हुए दूसरी लेन में चली गई, जहां सामने से आ रहे ट्रक से उसकी सीधी भिड़ंत हो गई।

सूचना मिलते ही जोकीहाट थाना पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

लचर विद्युत व्यवस्था से लोगों में पनप रहा रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनसाही। प्रखंड क्षेत्र में बिजली की लचर व्यवस्था को लेकर उपभोक्ताओं का आक्रोश सोमवार को फूट पड़ा। बड़ी संख्या में विभिन्न पंचायत से आए हुए बिजली उपभोक्ता मनसाही ब्लॉक पहुंचकर जमकर नारेबाजी की। बड़े-बड़े बैनर लिए उपभोक्ताओं ने मनसाही ब्लॉक में धरना प्रदर्शन देने के बाद पैदल मार्च करते हुए मनसाही के बिजली सब स्टेशन भी पहुंचा और गेट के सामने जमकर प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। उपभोक्ताओं ने प्रदर्शन के बाद बिजली विभाग के जेई के नाम एक सामूहिक आवेदन पत्र तैयार कर बिजली विभाग को सौंपा और 15 दोनों का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर 15 दिनों के अंदर मनसाही के बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं होता है तो महाआंदोलन किया जाएगा। जिसकी सारी जवाबदेही बिजली विभाग की होगी।इस दौरान जिला परिषद प्रतिनिधि खुर्शीद आजाद एवं पंचायत समिति सदस्य मिथिलेश सिंह ने कहा कि क्षेत्र के विभिन्न पंचायत में हल्की सी हवा एवं बारिश होने पर बिजली काट ली जाती हैं। अगर थोड़ी तेज बारिश हो जाती है तो 24 घंटे से लेकर 72 घंटा तक बिजली काट दी जाती है। जिससे बच्चों के पढ़ाई किसानों के पटवन एवं विभिन्न तरह के व्यवसायिक कार्य ठप पड़ जाती हैं। उपभोक्ताओं ने मेंटेनेंस के नाम पर कट रहे बिजली को लेकर भी कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि घटिया तार पोल एवं सीमेंट कंक्रीट से पोल को जमाया नहीं गया है। जिससे आए दिन हल्की बारिश में भी पोल गिर जाता है। आक्रोशित लोगों ने एजेंसी के माध्यम से बिजली के हुए कार्यों की गुणवत्ता जांच की मांग करते हुए सरकार एवं प्रशासन से आवश्यक कार्रवाई की भी मांग की है। उपभोक्ताओं का आरोप है कि एजेंसी के माध्यम से घटिया कार्य किए जाने के कारण से ही बार-बार बिजली की कटने की समस्या आती रहती है। जो गंभीर भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है और इसकी न्यायिक जांच की जरूरत है।

समरीन फातिमा बनीं एसडीएम, लोगों में खुशी की लहर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया । पलासी प्रखंड क्षेत्र के डीहटी गांव निवासी समरीन फातिमा ने 70वीं बीपीएससी परीक्षा में सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार बल्कि पूरे गांव और जिले का नाम रोशन किया है। उनकी सफलता से गांव में उत्सव जैसा माहौल है तथा बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। जानकारी अनुसार डहटी निवासी इम्तियाज आलम (सेवानिवृत्त शिक्षक) की पुत्री समरीन फातिमा ने बीपीएससी की परीक्षा में घोषित परिणाम में 282वां रैंक हासिल कर एसडीएम पद के लिए चयनित हुई हैं। युवा समाजसेवी मुशिफक आलम ने जानकारी देते हुए बताया कि समरीन फातिमा बचपन से ही मेधावी छात्रा रही हैं और उन्होंने अपनी मेहनत एवं लगन के बल पर यह कामयाबी प्राप्त की है। गौरतलब है कि 70वीं में बीपीएससी की परीक्षा के घोषित परिणाम में समरीन फातिमा का मेरिट सीरियल 282 है । उनका अंतिम चयन बिहार प्रशासनिक सेवा के लिए हुआ है। वही मीडिया को जानकारी देते हुए समरीन ने कहा के उन्होंने बुनियादी शिक्षा गांव के स्कूल में ही प्राप्त किया है । छठी से 12वीं तक की पढ़ाई सिमुलतला आवासीय विद्यालय जमुई से की, जबकि स्नातक पाटलिपुत्र यूनिवर्सिटी से किया है। उन्होंने बताया कि पिछली बार भी वह इंटरव्यू तक पहुंची थी, लेकिन अंतिम चयन नहीं हो पाया था। उन्होंने अपनी कामयाबी का श्रेय अपने माता-पिता और शिक्षकों को देते हुए कहा के वह अब यूपीएससी क्लियर कर आईएएस बनना चाहेंगी। उनका अगला लक्ष्य यही है। इस बाबत समरीन की सफलता से पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। समरीन फातिमा की इस उपलब्धि पर गांव एवं क्षेत्र के लोगों में खुशी की लहर है। इस मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष आफतम अजीम, रजी अहमद, युवा समाजसेवी मुश्फिक आलम, प्रो साजिद आलम, प्रो जाहिद आलम, इख्वान कामिल, अफफान कामिल सहित दर्जनों लोगों ने सभी सफल अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

नवनिर्मित स्वीमिंग पूल में आज से होगी स्थानीय स्तर पर तैराकी प्रतियोगिता

25 लड़के और 25 लड़कियों का हुआ है चयन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रामगढ़। उद्घाटन की अब तक बाट जोह रहे स्वीमिंग पुल अब इसी माह से गुलजार होगा। उपायुक्त ऋतुराज के निर्देश पर 23 जून से स्थानीय स्तर पर तैराकी प्रतियोगिता आयोजित कराई जा रही है।

वर्ष 2018-19 में तैयार की गई इस योजना को पर्यटन विभाग से स्वीकृति मिली और वर्ष 2021 में पूरा करा दिया गया। निर्माण के बाद कई डीसी बदले पर इस ओर किसी ने सुध नहीं ली। कार्यकारी एजेंसी जिला परिषद की ओर से इस बाबत पत्राचार किया गया। आवंटन की परेशानी ने स्वीमिंग पुल के गेट पर ताला लटकाए रखा। इस कारण यहां जंगल झाड़ उग आए।

हालांकि अब इसे जिला परिषद ने जिला खेल विभाग को हैंड ओवर कर दिया। वर्तमान उपायुक्त ऋतुराज ने कई योजनाओं के निरीक्षण के क्रम में स्वीमिंग पुल का भी निरीक्षण किया और तत्काल इसे शुरू कराने का निर्देश दिया। ताकि स्थानीय खिलाड़ियों को इसका लाभ मिल सके।

साथ ही युवाओं को इससे जोड़ने के लिए पहल करने को कहा। उपायुक्त के निर्देश के बाद जिला खेल विभाग की ओर से इसकी कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके तहत 23 जून का अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर जिला स्तर पर प्रतियोगिता कराई जा रही है। करीब 25 मीटर लंबी व 15 मीटर चौड़ी इस स्वीमिंग पुल को लेकर कई पूर्व खेल पदाधिकारी सवाल उठाते रहे हैं।

जानकारों का दावा है कि यहां बड़े स्तर की प्रतियोगिता नहीं कराई जा सकेगी। इसके लिए दूसरे शहरों की ओर ही रूख करना होगा। पर्यटन व खेल विभाग की ओर से तैयार कराए गए स्वीमिंग पुल निर्माण में भी मानक का अभाव बताया गया।

हालांकि वर्तमान में 70 बच्चों का चयन किया गया है। इसमें 25 लड़के व 25 लड़कियां शामिल हैं। इनमें 25 लड़के व 25 लड़कियों को ही शामिल किया गया है। शेष 20 को यानी 10 लड़के व 10 लड़कियों को प्रतीक्षारत रखा गया है।

इनका रांची में हाई परफार्मेंस सेंटर मोरबाबादी स्थित हाकी सेंटर में टेस्ट लिया जा रहा है। वहां से प्रतिभागियों की सूची आने के बाद यहां प्रशिक्षित किया जाएगा। इसके लिए इनके ठहरने की भी व्यवस्था जिले में की जाएगी।

वर्ष 2021 में डेढ़ करोड़ रुपये से तैयार इस योजना में और बदलाव के प्रस्ताव हैं। इसमें ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने के साथ-साथ जाली, रेलिंग की व्यवस्था व पानी को स्वच्छ रखने की दिशा मे कई पहल किए जाएंगे। इसमें शेड निर्माण का भी प्रस्ताव है, इस पर शीघ्र पहल शुरू होगी।

वर्तमान में सरकारी स्तर पर व्यवस्था नहीं होने के कारण कई युवा व खिलाड़ी निजी स्तर पर संचालित स्वीमिंग पुल जाते हैं। इसके अलावा जो सक्षम हैं व खेल गांव में बने 50 मीटर लंबे स्वीमिंग पुल में ही जाकर प्रशिक्षण लेते हैं।

भोजपुर एनकाउंटर पर विपक्ष हमलावर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भोजपुर जिले के बिलौटी में बीते 17 जून को हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले ने अब बिहार की सियासत में बयानबाजी है। इस मामले को लेकर सत्ता व विपक्ष दोनों एक साथ नजर आए। हालांकि इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मामले की निष्पक्ष और पारदर्शी पड़ताल के लिए उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराने की घोषणा कर दी है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से कहा कि भरत तिवारी का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं था और इस घटना के दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

घटना के बाद मृतक के घर पर पक्ष-विपक्ष के दिग्गजों का जमावड़ा लगा हुआ है। इस घटना को लेकर विपक्ष ने बिहार सरकार पर जमकर हमला किया है। विपक्ष इसे एनकाउंटर नहीं, बल्कि 'सुनियोजित हत्या' बता रही है। विपक्ष ने कहा कि पुलिस ने सुपारी किलर गिरोह की तरह काम किया है, इसलिए निष्पक्ष जांच कर आरोपी पुलिसवालों पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

राजद नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने इसे फेक एनकाउंटर बताया है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह फेक एनकाउंटर है। मुख्यमंत्री को इसके लिए जनता से माफी मांगनी चाहिए। बिहार में पहले भी जाति देखकर फर्जी एनकाउंटर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि गायघाट व मधुबनी जैसे मामलों में आज तक न्याय नहीं मिला।

राजद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष उदय नारायण चौधरी ने मांग की है कि इस पूरे मामले की जांच विधानमंडल के सदस्यों की एक सर्वदलीय कमेटी बनाकर कराई जानी चाहिए।

इधर कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम भी पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे। उन्होंने सरकार की पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा कि पुलिस ने किसी संगठित सुपारी किलर गिरोह की तरह इस घटना को अंजाम दिया है। उन्होंने कहा कि भरत तिवारी सामाजिक कार्यकर्ता थे और वंचितों की आवाज उठाने के कारण सरकार की आंखों की किरकिरी बने हुए थे। उन्होंने पीड़ित परिवार के लिए 1 करोड़ रुपये के मुआवजे और विधानसभा की सर्वदलीय समिति से जांच कराने की मांग की।

कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने सरकार की न्यायिक जांच की घोषणा पर सवाल उठाते हुए कहा कि रिटायर्ड जज की जांच से क्या हासिल होगा? उत्तर प्रदेश की तर्ज पर अब बिहार में भी फर्जी एनकाउंटर का खेल शुरू हो गया है। राज्य में संविधान नाम की चीज नहीं बची है। सरकार को हाई कोर्ट के सीटिंग जज से इसकी जांच करानी चाहिए। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस जल्द ही राज्यपाल को ज्ञापन सौंपेगी।

घर-घर सत्यापन करेंगे बीएलओ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

प्रतापपुर । मतदाता सूची को अधिक शुद्ध, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाने के लिए निर्वाचन आयोग 30 जून से विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान शुरू करेगा। अभियान के तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। इस दौरान नए मतदाताओं के नाम जोड़ने, मृत एवं स्थानांतरित मतदाताओं के नाम हटाने तथा त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों में सुधार की प्रक्रिया भी चलेगी।

निर्वाचन विभाग के अनुसार 20 से 29 जून तक प्रशिक्षण एवं आवश्यक तैयारियां पूरी की जाएंगी। 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची प्रकाशित होगी, जबकि 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्ति दर्ज कराई जा सकेगी।

सभी दावों एवं आपत्तियों के निष्पादन के बाद 7 अक्टूबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। अभियान में भारतीय नागरिकता के सत्यापन पर विशेष जोर रहेगा। मतदाताओं को जन्म तिथि, जन्म स्थान एवं नागरिकता संबंधी आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने होंगे।

भारत ने बना रखा है दबदबा, एडीबी के लिए सबसे बड़ा मार्केट, 9433 करोड़ रुपये का टारगेट

नई दिल्ली, एजेंसी। एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के प्राइवेट सेक्टर ऑपरेशन्स के लिए भारत सबसे बड़ा बाजार बना हुआ है। बैंक को उम्मीद है कि वह इस साल देश की विकास प्राथमिकताओं से जुड़े प्रोजेक्ट्स के लिए लगभग 1 अरब डॉलर (करीब 9433 करोड़ रुपये) की डायरेक्ट फाइनेंसिंग देगा। यह प्रस्तावित मदद उस साल के बाद आ रही है जब एडीबी ने डायरेक्ट फाइनेंसिंग और

जुटाए गए फंड के जरिए भारत के प्राइवेट सेक्टर को 2 अरब डॉलर से ज्यादा दिए थे। वाइस-प्रेसिडेंट (मार्केट सॉल्यूशंस) भार्गव दासगुप्ता ने बताया, 'पिछले साल हमने अपनी पूंजी से सॉवरेन (सरकारी) सेक्टर के लिए 4 अरब डॉलर से ज्यादा और प्राइवेट सेक्टर के लिए 1 अरब डॉलर से अधिक का काम किया।' इसके अलावा, उन्होंने कहा, 'हमने दूसरे स्रोतों से भी उनके लिए उतनी ही रकम जुटाई। असल में 2025 में प्राइवेट सेक्टर को 2 अरब डॉलर का फंड मिला।' 2026 की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर दासगुप्ता बोले, 'हम प्राइवेट सेक्टर के मामले में इसी रफ्तार को बनाए रखेंगे।' उन्होंने कहा कि रिन्यूएबल और क्लीन एनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, ई-मोबिलिटी और ग्रीन डेटा सेंटर जैसे सेक्टरों को फाइनेंस करना जारी रखेगा। मनीला स्थित यह बैंक शहरी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, सस्टेनेबल एग्रीकल्चर और फाइनेंशियल इनक्लूजन पर भी ध्यान दे रहा है। उन्होंने कहा, 'यह भारत सरकार की चाहत के पूरी तरह अनुरूप है क्योंकि हमारा देश साझेदारी एजेंडा सरकार के साथ मिलकर बनाया गया है।' दासगुप्ता ने यह भी कहा कि इस साल ट्रेड और सप्लाई चेन फाइनेंसिंग एक्टिविटी में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। पश्चिम एशिया संकट के कारण 2026 के शुरुआती चार महीनों में इसमें 40 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई।

थलपति विजय सरकार का बड़ा प्लान, 100000 करोड़ के 4 प्रोजेक्ट से बदलेगा तमिलनाडु

नई दिल्ली, एजेंसी। अभिनेता ने नेता और फिर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बने सी. जोसेफ विजय (थलपति विजय) का आज जन्मदिन है। साथ 2026 के विधानसभा चुनावों में थलपति विजय की पार्टी को बड़ी जीत मिली। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान प्रदेश में निवेश लाने और नौकरियां देने का वादा किया था। मुख्यमंत्री बनने के बाद वह अपने वादों को बखूबी निभा भी रहे हैं। तमिलनाडु में निवेश के लिए 3 बड़ी कंपनियां अपने प्रोजेक्ट शुरू करने जा रही हैं। वहीं एक प्रोजेक्ट पूर्व सरकार का है। ऐसे में इन कुल 4 प्रोजेक्ट में कुल 1,01,632 करोड़ रुपये निवेश होंगे और इनसे 93000 से ज्यादा नौकरियां पैदा होंगी। थलपति विजय की जीत के बाद उनकी नई नवगठित राज्य सरकार ने

आते ही बड़े पैमाने पर आर्थिक सुधारों और औद्योगिक निवेशों की झड़ी लगा दी है। मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली नई सरकार ने साल 2035 तक तमिलनाडु को 1.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार ने शुरुआती दिनों में ही कई अरब डॉलर के ऐतिहासिक औद्योगिक सौदों पर मुहर लगा दी है। थलपति विजय सरकार के सत्ता संभालने के बाद यह पहला सबसे बड़ा औद्योगिक निवेश समझौता है। तमिलनाडु सरकार ने इंजीनियरिंग क्षेत्र की दिग्गज कंपनी लार्सन एंड टुब्रो के साथ 18,600 रुपये करोड़ के एक ऐतिहासिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इससे राज्य में 8,200 से अधिक स्थानीय रोजगार पैदा होंगे। इस डील को 3 प्रोजेक्ट में बांटा गया है: 15000 करोड़ रुपये का हाइपरस्केल और एज डेटा सेंटर।

सीसीपीए ने चला दिया हथौड़ा

100 प्रतिशत का दावा पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। सेंट्रल कंज्यूमर प्रोटेक्शन अथॉरिटी ने 'स्टोरिया फूड्स एंड बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड' और 'मिसेज बेक्टर्स फूड स्पेशलिटीज लिमिटेड' (जो 'इंग्लिश ओवन' ब्रेड बनाती है) पर एक्शन लिया है। इन दोनों पर 1-1 लाख रुपये की पेनाल्टी लगाई गई है। कंपनियों ने अपने फूड प्रोडक्ट्स में '100 प्रतिशत' शब्द का इस्तेमाल इस तरह से किया जिससे उनके प्रोडक्ट्स की असल बनावट के बारे में गलत जानकारी मिली।

चीफ कमिश्नर निधि खरे और कमिश्नर अनुपम मिश्रा की अगुवाई वाली अथॉरिटी ने दोनों कंपनियों को निर्देश दिया है कि वे तुरंत अपने प्रोडक्ट की पैकेजिंग, वेबसाइट और सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म से ऐसे दावों को हटा लें। यह एक्शन 'कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट, 2019' और 'गाइडलाइंस फॉर प्रिवेंशन ऑफ मिसलीडिंग एडवर्टीजमेंट एंड एनडोर्समेंट्स, 2022' के तहत किया गया। किसी कानूनी परिभाषा के अभाव में, जो इसकी खास व्याख्या की इजाजत दे, एक आम कंज्यूमर को इस शब्द का मतलब इसके सीधे और शाब्दिक अर्थ में ही समझना चाहिए।

स्टोरिया फूड्स के उन विज्ञापनों पर खुद संज्ञान लिया जिनमें '100 प्रतिशत टेंडर कोकोनट वॉटर' (100 प्रतिशत कच्चा नारियल पानी) का दावा किया गया था। साथ ही ऐसे जूस का भी जिनमें 100 प्रतिशत अनार, मिक्स्ड फ्रूट, आम और

जांच में यह जानकारी आई सामने

जांच में पता चला कि मुख्य प्रोडक्ट की सामग्री की लिस्ट कुछ और ही कहानी बयां करती थी। यह ड्रिंक पानी और कोकोनट वॉटर कंसंट्रेट (9.6 प्रतिशत) से बना था। इसे 100 प्रतिशत नारियल पानी के 'बराबर' बनाने के लिए दोबारा तैयार (रीकॉन्स्टिट्यूटेड) किया गया था। 'रीकॉन्स्टिट्यूटेड' शब्द सामग्री की लिस्ट में बहुत छोटे अक्षरों में लिखा था।

'इंग्लिश ओवन' के विज्ञापनों की भी जांच की

अखबार और कंपनी की वेबसाइट और प्रोडक्ट पैकेजिंग पर छपे 'इंग्लिश ओवन' के विज्ञापनों की भी जांच की। इन विज्ञापनों में '100 प्रतिशत आटा ब्रेड', '100 प्रतिशत होल व्हीट ब्रेड', '100 प्रतिशत होल-व्हीट आटे के साथ साबुत अनाज से भरपूर' जैसे दावे और '100 प्रतिशत होलसम हैप्पीनेस का स्वाद' जैसे स्लोगन इस्तेमाल किए गए थे। 23 अप्रैल, 2026 तक इन दावों वाले वीडियो को कुल मिलाकर 50 लाख से ज्यादा बार देखा गया था।

दावा नहीं खाया मेल

सुनवाई के दौरान, कंपनी ने खुद माना कि उसके ब्रेड प्रोडक्ट्स में सिर्फ 87 फीसदी होल व्हीट आटा था - एक ऐसा आंकड़ा जिसे '100 प्रतिशत' वाले दावे के साथ मेल न खाने वाला पाया। अथॉरिटी ने पैकेजिंग पर '100 प्रतिशत होल व्हीट ब्रेड' और 'जीरो मैदा' के एक साथ इस्तेमाल पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि इस कॉम्बिनेशन से यह गलत धारणा बनती है कि प्रोडक्ट पूरी तरह से होल व्हीट आटे से बना है।

सीसीपीए ने यह दलील की खारिज

इस दलील को पूरी तरह खारिज कर दिया। उसका कहना था कि विज्ञापनों को एक समझदार ग्राहक के नजरिए से देखा जाना चाहिए। विज्ञापन देने वालों की तकनीकी या बाद में दी गई व्याख्याएं खरीदारों पर पड़ने वाले असर से ज्यादा अहम नहीं हो सकतीं। अगर कोई जानकारी ग्राहकों को गुमराह कर सकती है तो विज्ञापन देने वाले का मकसद मायने नहीं रखता। सीसीपीए ने फिर कहा कि बनावट, क्वालिटी, न्यूट्रिशन या सेहत से जुड़े सभी दावे सच्चे, साबित करने लायक और गुमराह न करने वाले होने चाहिए। उन्होंने कहा कि जहां भी ग्राहकों को प्रोडक्ट्स की प्रकृति या बनावट के बारे में गुमराह किया जाएगा, वहां वे एक्शन करते रहेंगे। दोनों आदेश कंज्यूमर प्रोटेक्शन एक्ट, 2019 और गुमराह करने वाले विज्ञापनों को रोकने के लिए गाइडलाइंस, 2022 के तहत जारी किए गए थे।

यूरोप के 27 देशों में 93 प्रतिशत भारतीय एक्सपोर्ट टैक्स-फ्री

मार्च 2027 तक होने वाला है बड़ा चेंज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत और यूरोपीय संघ इस साल दिसंबर तक अपने लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर हस्ताक्षर करने वाले हैं। यह समझौता फरवरी और मार्च 2027 के बीच लागू होने की संभावना है। वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को यह जानकारी दी।

मुंबई में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को यूरोपीय बाजार तक बेहतर पहुंच मिलेगी।

अब लगभग शून्य शुल्क के साथ लगभग पूरा यूरोपीय बाजार हमारे लिए खुला होगा। ईयू के साथ एफटीए पर दिसंबर तक हस्ताक्षर हो जाएंगे। यह फरवरी-मार्च तक प्रभावी हो जाएगा।

पूरा यूरोप हमाने लिए खुल जाएगा

समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, गोयल ने कहा, 'अब लगभग शून्य शुल्क के साथ लगभग पूरा यूरोपीय बाजार हमारे लिए खुला होगा। ईयू के साथ एफटीए पर दिसंबर तक हस्ताक्षर हो जाएंगे। यह फरवरी-मार्च तक प्रभावी हो जाएगा।'

मंत्री ने यह भी कहा कि प्रस्तावित भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर चर्चा

के लिए अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर इस सप्ताह भारत का दौरा करेंगे। गोयल ने कहा, 'पूरी दुनिया भारत की ओर देख रही है।'

प्रस्तावित भारत-ईयू एफटीए से 27-सदस्यीय यूरोपीय ब्लॉक में लगभग 93 फीसदी भारतीय निर्यात को शुल्क-मुक्त पहुंच मिलने की उम्मीद है। इसके बदले यूरोप से लग्जरी कारों और वाइन जैसे उत्पादों का भारत में आयात सस्ता होने की संभावना है। भारत और ईयू मिलकर ग्लोबल जीडीपी का लगभग 25 फीसदी और वैश्विक व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा हैं। इससे यह समझौता नई दिल्ली की ओर से बातचीत किए गए सबसे महत्वपूर्ण व्यापार समझौतों में से एक बन जाता है।

जी7 चर्चाओं के बाद मिली रफ्तार

गोयल की ओर से बताई गई समयसीमा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ल7 शिखर सम्मेलन के दौरान यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा के साथ बैठक के कुछ दिनों बाद आई है। वॉन डेर लेयेन ने भी कहा था कि भारत-ईयू एफटीए पर 2026 के अंत तक हस्ताक्षर हो जाएंगे। उन्होंने कहा, 'चूंकि हमने सभी व्यापार समझौतों में सबसे बड़े समझौते को अंतिम रूप दे दिया है। इसलिए हम अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं।

नवरत्न स्टेटस मिलते ही 5 प्रतिशत चढ़ा मल्टीबैगर डिफेंस स्टॉक

नईदिल्ली, एजेंसी। पब्लिक सेक्टर की डिफेंस कंपनी गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) लिमिटेड को 'नवरत्न' का दर्जा प्रदान किया गया है। एक सीनियर अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। इस नए अपडेट का असर आज कंपनी के शेयरों पर दिख रहा है। डिफेंस कंपनी के शेयरों में करीब 5 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। बता दें, 'नवरत्न' दर्जा मिलने से पब्लिक सेक्टर की कंपनियों को अधिक वित्तीय और ऑपरेटिंग स्वतंत्रता प्राप्त होती है। बीएसई में आज सोमवार यह स्टॉक 2880.55 रुपये के स्तर पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयर 4.92 प्रतिशत की तेजी के साथ 2935 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, इसके बाद शेयरों में नरमी देखने को मिली है। फिर भी स्टॉक बढ़त के साथ ट्रेड कर रहे थे।

कंपनी की वित्तीय स्थिति कैसी है: कोलकाता स्थित इस युद्धपोत मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की वित्त वर्ष 2021-22 में ऑपरेटिंग रेवन्यू 1,754 करोड़ रुपये थी जो बढ़कर 2025-26 में 7,002 करोड़ रुपये हो गई है। कंपनी का 2021-22 में कुल नेट प्रॉफिट 190 करोड़ रुपये रहा था। जोकि 2025-26 में बढ़कर 748 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया है। बता दें, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स कॉमर्शियल जहाज भी बनाती है। कंपनी ने इस वर्ष आठ युद्धपोतों की आपूर्ति की है, जिनमें 30 मार्च 2026 को एक ही दिन में तीन युद्धपोत की डिलीवरी शामिल है। बीते एक महीने में डिफेंस कंपनी के शेयरों का दाम 7 प्रतिशत उछल चुका है। कंपनी के शेयरों का दाम 6 महीने में 19 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। हालांकि, दो साल पहले इस स्टॉक को खरीदने वाले निवेशकों को अबतक 76 प्रतिशत का फायदा हुआ है। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स के शेयरों का दाम तीन साल में 402 प्रतिशत बढ़ा है। वहीं, 5 साल में 1335 प्रतिशत का रिटर्न मिला है। इस दौरान सेंसेक्स इंडेक्स में 46.97 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है।

भारत आ रहे हैं खाद से लदे 12 जहाज

नई दिल्ली, एजेंसी। होर्मुज जलडमरूमध्य के पास फंसे उर्वरक से लदे 16 मालवाहक जहाजों में से करीब 10 से 12 जहाज इस जलमार्ग को पार करने में सफल रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार, इन जहाजों ने ईरान द्वारा शनिवार को दक्षिणी लेबनान पर इजरायली हमलों के बाद इस मार्ग को दोबारा बंद करने के दावे से ठीक पहले इसे पार किया।

इस घटनाक्रम से भारत में खाद की आपूर्ति बढ़ने और कीमतों में गिरावट की उम्मीदें जग गई हैं। वैश्विक बाजार में यूरिया की कीमतों में पहले ही नरमी देखी जाने लगी है। एक उर्वरक आयातक ने

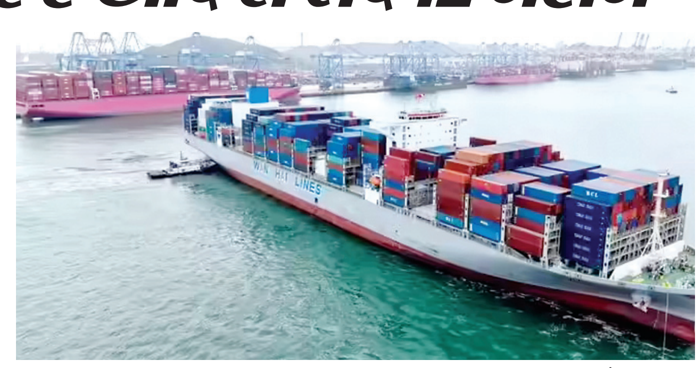

नाम न छापने की शर्त पर पुष्टि की कि यूरिया, अमोनिया और डीएपी ले जाने वाले कुछ जहाजों ने जलडमरूमध्य को सफलतापूर्वक पार कर लिया है। इससे देश में खाद संकट टल गया है।

युद्ध की शुरुआत में फंसे थे कई जहाज ईरान युद्ध की शुरुआत में भारत आने वाले कुल 16 जहाज इस रणनीतिक जलमार्ग में फंस गए थे।

यह पूरा संकट 28 फरवरी से शुरू हुआ जब अमेरिका और इजरायल ने ईरान पर हवाई हमले किए। इसके बाद दुनिया के सबसे व्यस्त ऊर्जा और कमोडिटी शिपिंग रूटों में से एक होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया था। पश्चिम एशिया भारत के लिए उर्वरकों और अमोनिया व सल्फर जैसे कच्चे माल का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। जून में शुरू होने वाले खरीफ बुवाई सीजन से पहले समय पर इन इनपुट्स का भारत पहुंचना बेहद जरूरी है। इस मार्ग के बंद होने से लिक्विफाइड नेचुरल गैस की आपूर्ति भी बाधित हुई थी, जिससे मार्च और अप्रैल की शुरुआत में भारत का घरेलू यूरिया उत्पादन धीमा पड़ गया था।

कच्चे माल की कीमतों में नरमी की उम्मीद

पश्चिम एशिया से सप्लाई चेन ठप होने के कारण डीएपी बनाने के लिए जरूरी कच्चे माल (अमोनिया और सल्फर) की वैश्विक कीमतें कई महीनों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थीं। उद्योग जगत के विशेषज्ञों का कहना है कि अगर होर्मुज के माध्यम से जहाजों की आवाजाही लगातार जारी रहती है, तो इन कच्चे मालों की उपलब्धता में सुधार होगा और धीरे-धीरे कीमतें नीचे आएंगी। हालांकि, स्थिति को पूरी तरह सामान्य होने में अभी कुछ महीने लग सकते हैं।

कमी को रोकने के लिए सरकार ने अतिरिक्त एलएनजी आपूर्ति सुरक्षित की और खरीफ सीजन के दौरान किल्लत से बचने के लिए तीन वैश्विक यूरिया टेंडर भी जारी किए थे।

कभी 'पंचायत' के स्क्रिप्ट सुपरवाइजर थे, फिर कबाड़ पड़े शेड से शुरू किया काम, आज पत्नी संग लाखों की कमाई

नई दिल्ली, एजेंसी। यह कहानी पुणे के रहने वाले एक कपल अमर और अक्षता पडवाल की है। इन्होंने लीक से हटकर सोचने का साहस दिखाया। अमर 'पंचायत' और 'वीर सावरकर' जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स में स्क्रिप्ट सुपरवाइजर रह चुके हैं। अक्षता कंटेंट क्रिएटर। साल 2020 में दोनों ने अपनी कॉर्पोरेट नौकरियों को अलविदा कह दिया। इस कपल ने पुराने खाली पड़े गोशाला के शेड से ऑयस्टर मशरूम उगाने के सफर की शुरुआत की। आज उनका एग्री स्टार्टअप 'निर्वाण फ्रेश' सालाना 24 लाख रुपये से अधिक का रेवेन्यू हासिल कर रहा है। आइए, यहां अमर और अक्षता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

अमर पडवाल ने पुणे के एक स्थानीय संस्थान से स्क्रिप्ट राइटिंग में डिप्लोमा किया। फिर 'पंचायत', 'वीर सावरकर' जैसी बड़ी वेब सीरीज और फिल्मों में बतौर स्क्रिप्ट सुपरवाइजर काम किया। वहीं उनकी पत्नी अक्षता ने हिंदी साहित्य में मास्टर्स करने के बाद एजुकेशनल कंटेंट क्रिएटर के रूप में अपनी पहचान बनाई। करियर में आगे बढ़ने के बावजूद दोनों तेज शहरी और कॉर्पोरेट जिंदगी से असंतुष्ट थे। वे गांव में एक शांत, आत्मनिर्भर जीवन बिताना चाहते थे। कोरोना

लॉकडाउन के दौरान काम धीमा होने पर उन्होंने इस दिशा में कदम बढ़ाया।

अमर ने यूट्यूब पर एक स्थानीय मशरूम किसान का वीडियो देखा जो रिटायर होने की योजना बना रहा था। इससे उन्हें कम निवेश और छोटे पैमाने पर ऑयस्टर मशरूम की खेती शुरू करने का एक बेहतरीन जरिया मिल गया।

लॉकडाउन की पाबंदियों के चलते किराए की जगह छोड़नी पड़ी तो यह कपल अक्षता के पैतृक गांव आ गया। वहां अक्षता के अंकल शिवाजी शेटे ने उन्हें एक खाली प्लॉट पर बना पुराना 700 वर्ग फीट का गोशाला का शेड इस्तेमाल करने की इजाजत दे दी। शुरुआत में मजदूरों को काम पर रखने के पैसे नहीं थे। इस कारण अमर और अक्षता ने खुद ही जमीन को समतल किया। बांस के रैक बनाए। पानी की टंकियां फिट कीं। पढ़े-लिखे होने के बावजूद खेती और शारीरिक श्रम करने पर समाज ने उनके फैसले पर सवाल उठाए। लेकिन, उन्होंने हर चुनौती का डटकर सामना किया।

अब लाखों की कमाई

वर्तमान में 10 कर्मचारी फॉर्म पर दैनिक परिचालन संभालते हैं। मुंबई स्थित 5 लोगों की टीम मार्केटिंग और ऑनलाइन सेल्स देखती है। ताजा मशरूम और वैल्यू-एडेड प्रोडक्ट्स दोनों से यह कपल हर महीने करीब 2 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई करता है। इससे इनका सालाना रेवेन्यू 24 लाख रुपये से अधिक हो जाता है। आने वाले तीन सालों में अमर और अक्षता की योजना अपने उत्पादन को बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर एक मजबूत सप्लाई चेन तैयार करने और अपने मशरूम प्रोडक्ट्स को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में एक्सपोर्ट करने की है।

एनएसई पर दांव, अब 1 करोड़ से ज्यादा शेयर बेचने की तैयारी

5 दिन में 31 प्रतिशत की तूफानी तेजी

नईदिल्ली, एजेंसी। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के शेयर सोमवार को नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर में 6 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 215.40 रुपये पर जा पहुंचे हैं। कंपनी के शेयरों ने 52 हफ्ते का अपना नया हाई बनाया है। न्यू इंडिया एश्योरेंस के शेयर 5 दिन में 31 पर्सेंट से अधिक उछल गए हैं। कंपनी के शेयर इस अवधि में 161 रुपये से बढ़कर 215 रुपये के पार पहुंच गए हैं। न्यू इंडिया एश्योरेंस का नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर दांव है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ने बाजार नियामक संस्था सेबी के पास अपना ड्रॉफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्ट्स जमा कर दिया है और इसी के बाद न्यू इंडिया एश्योरेंस के शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिली है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ड्रॉफ्ट रेड हेयरिंग प्रॉस्पेक्ट्स के मुताबिक, जनरल इंश्योरेंस कंपनी न्यू इंडिया एश्योरेंस ऑफर फॉर सेल के जरिए हस्श्व के 1 करोड़ से ज्यादा शेयर बेचेगी। न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी ने यह शेयर 33.60 लाख रुपये में खरीदे थे। न्यू इंडिया एश्योरेंस को एनएसई के प्रत्येक शेयर की वैटिड एवरेज कॉस्ट ऑफ एक्विजिशन 0.32 रुपये पड़ी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी की 1.42 पर्सेंट हिस्सेदारी है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का प्रस्तावित आईपीओ

करीब 30,000 करोड़ रुपये का है। एनएसई के पब्लिक इश्यू में 14.89 करोड़ शेयरों का ऑफर फॉर सेल है, जो कि एक्सचेंज की इक्विटी कैपिटल का करीब 6 पर्सेंट है। न्यू इंडिया एश्योरेंस के अलावा जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के 1.06 करोड़ तक शेयर बेचेगी। जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ने 5.26 रुपये प्रति शेयर के दाम पर ये शेयर खरीदे थे।

'हॉन्टेड 3डी' के बाद फिर डराएंगे विक्रम भट्ट

इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर विक्रम भट्ट निर्देशित फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' खूब नोट छाप रही है। इस फिल्म की सफलता को देखते हुए निर्देशक विक्रम भट्ट अब प्रोड्यूसर आनंद पंडित के मिलकर अगली फिल्म '1920 कोल्ड विंटर' बनाएंगे। इसकी आधिकारिक घोषणा भी की जा चुकी है।

'1920' फ्रैंचाइजी का नया चैप्टर होगा शुरू फिल्म 'हॉन्टेड 3डी' के बाद आनंद पंडित और विक्रम भट्ट अपकमिंग फिल्म '1920 : कोल्ड विंटर' के लिए फिर साथ आए हैं। 'हॉन्टेड 3डी इकोस ऑफ द पास्ट' की सफलता के बाद, प्रोड्यूसर आनंद पंडित और फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने अगली हॉरर फिल्म के लिए हाथ मिलाया है। यह नई फिल्म हॉरर जॉनर में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। '1920' फ्रैंचाइजी का नया चैप्टर इसके जरिए फिर से शुरू होगा। फिल्म को लेकर अधिक जानकारी मेकर्स द्वारा कुछ दिनों बाद साझा की जाएगी।

सैकनिल्क के मुताबिक 'हॉन्टेड 3डी-इकोज ऑफ द पास्ट' ने 8वें दिन यानी शुक्रवार को 51 लाख रुपये कमाए हैं। जबकि 7वें दिन 1.15 करोड़ रुपये कमाए थे। फिल्म का कुल कलेक्शन भी अब तक 16.41 करोड़ रुपये हो चुका है। वीकएंड पर भी यह फिल्म अच्छा कलेक्शन कर सकती है। इस फिल्म में वीएफएक्स और एआई का खूब इस्तेमाल किया गया है। इसके जरिए सीन्स को भयावह बनाया गया है। साथ ही इसमें एक लव स्टोरी को भी दिखाया गया है। इसकी कहानी में एक आदमी दूर-दराज के इलाके में बनी हवेली में आकर रहने लगता है। लेकिन यहां पर उसके साथ भयावह घटनाएं घटने लगती हैं। मामला भूत-प्रेत और उसके अतीत से जाकर जुड़ जाता है। इस फिल्म में मिमोह चक्रवर्ती, चेतना पांडे, मनवीर चौधरी और श्रुति प्रकाश जैसे एक्टर्स नजर आए हैं।

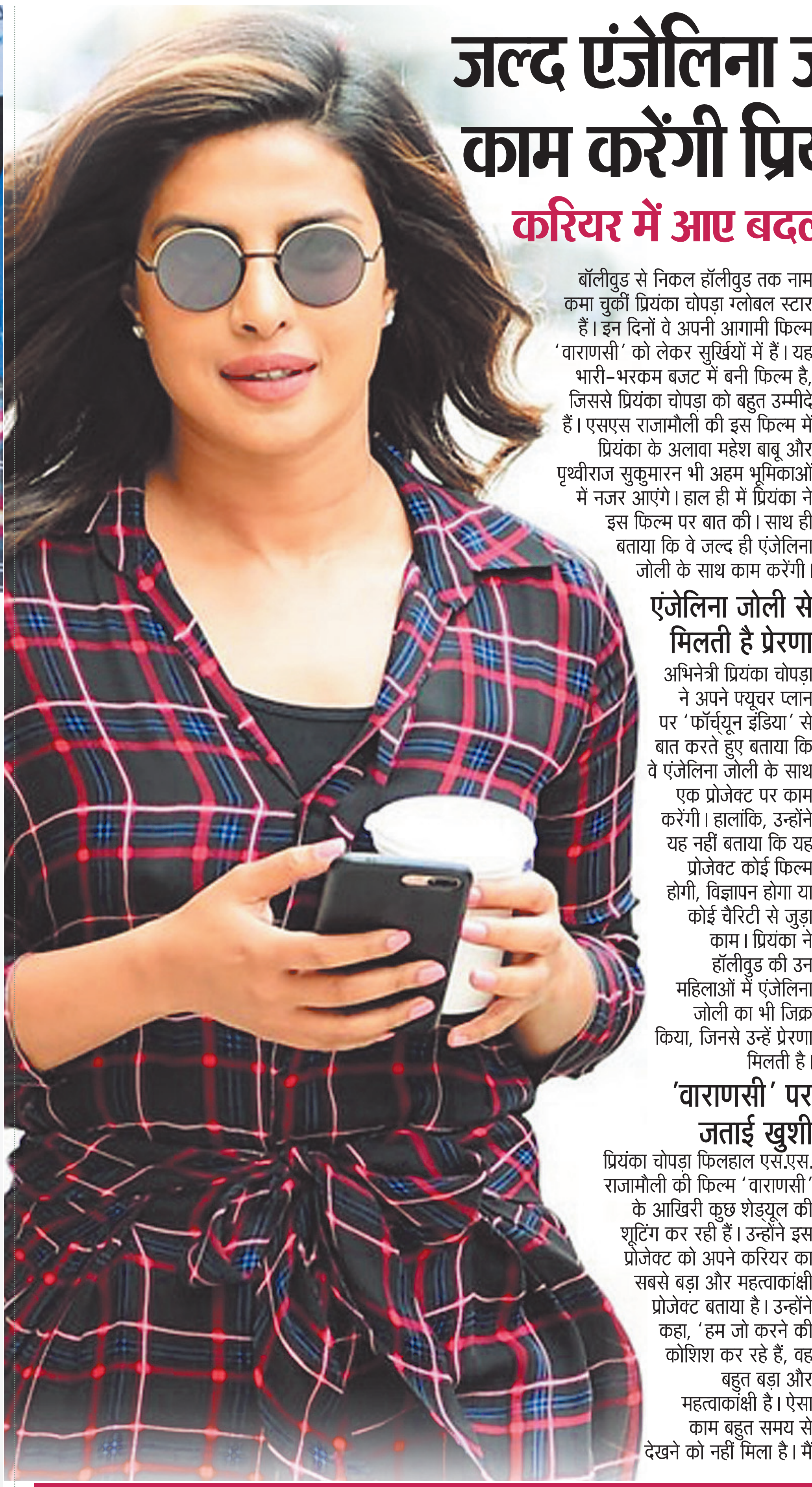

जल्द एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी प्रियंका चोपड़ा?

करियर में आए बदलावों पर तोड़ी चुप्पी

बॉलीवुड से निकल हॉलीवुड तक नाम कमा चुकीं प्रियंका चोपड़ा ग्लोबल स्टार हैं। इन दिनों वे अपनी आगामी फिल्म 'वाराणसी' को लेकर सुर्खियों में हैं। यह भारी-भरकम बजट में बनी फिल्म है, जिससे प्रियंका चोपड़ा को बहुत उम्मीदे हैं। एसएस राजामौली की इस फिल्म में प्रियंका के अलावा महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। हाल ही में प्रियंका ने इस फिल्म पर बात की। साथ ही बताया कि वे जल्द ही एंजेलिना जोली के साथ काम करेंगी।

एंजेलिना जोली से मिलती है प्रेरणा

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने अपने फ्यूचर प्लान पर 'फॉर्च्यून इंडिया' से बात करते हुए बताया कि वे एंजेलिना जोली के साथ एक प्रोजेक्ट पर काम करेंगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि यह प्रोजेक्ट कोई फिल्म होगी, विज्ञापन होगा या कोई चैरिटी से जुड़ा काम। प्रियंका ने हॉलीवुड की उन महिलाओं में एंजेलिना जोली का भी जिक्र किया, जिनसे उन्हें प्रेरणा मिलती है।

'वाराणसी' पर जताई खुशी

प्रियंका चोपड़ा फिलहाल एस.एस. राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' के आखिरी कुछ शेड्यूल की शूटिंग कर रही हैं। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को अपने करियर का सबसे बड़ा और महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट बताया है। उन्होंने कहा, 'हम जो करने की कोशिश कर रहे हैं, वह बहुत बड़ा और महत्वाकांक्षी है। ऐसा काम बहुत समय से देखने को नहीं मिला है। मैं

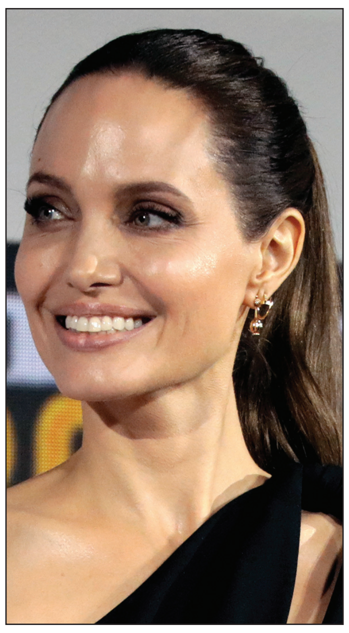

न सिर्फ भारत, बल्कि पूरी दुनिया के लिए इसे लेकर बहुत उत्साहित और सम्मानित महसूस कर रही हूं, क्योंकि यह एक बहुत बड़ी ग्लोबल रिलीज होगी और लोगों को पता चलेगा कि हम पिछले तीन वर्षों से किस चीज पर काम कर रहे हैं'।

खुद चुन सकती हूं प्रोजेक्ट

प्रियंका चोपड़ा ने अपने करियर में हुई तरक्की के बारे में बात की। हैदराबाद में शूटिंग के दौरान अपनी जिंदगी के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, 'फिल्म 'वाराणसी' के सेट पर शूटिंग का माहौल बहुत मजेदार है। सभी एक्टर्स के परिवार साथ में हैं। हम मस्ती कर रहे हैं। हंस-बोल रहे हैं। साथ ही काम पर पूरा ध्यान है। रिहर्सल और फोकस के साथ काम हो रहा है'। इतने वर्षों में अपने करियर में हुई तरक्की पर बात करते हुए देसी गर्ल ने माना कि अब उन्हें काम में ज्यादा क्रिएटिव आजादी मिलती है। उन्होंने कहा, 'जब मैंने शुरुआत की थी, तब स्क्रिप्ट्स मेरे हिसाब से नहीं लिखी जाती थीं। अब मैं अपने प्रोजेक्ट्स खुद चुन सकती हूं और बना सकती हूं। इंटरनेशनल लेवल पर प्रियंका चोपड़ा फिल्ममेकर मीरा नायर की बायोपिक ड्रामा 'अमरी' से भी जुड़ी हुई हैं।

रणवीर सिंह का प्रण, 18 महीने तक नहीं देंगे कोई इंटरव्यू; 'डॉन 3' विवाद पर साधी चुप्पी

बॉलीवुड अभिनेता रणवीर सिंह इन दिनों 'डॉन 3' को लेकर चल रहे विवाद के कारण सुर्खियों में हैं। खबरों के मुताबिक, रणवीर ने एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने तय किया है कि वह अगले 18 महीनों तक किसी भी तरह का इंटरव्यू नहीं देंगे और इस विवाद पर कोई बयान भी नहीं देंगे।

मीडिया से बनाए रखेंगे दूरी रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर ने यह बात एक ट्रेड जर्नलिस्ट से मुलाकात के दौरान खुद कही। उन्होंने साफ कर दिया कि वह 'डॉन 3' से जुड़े किसी भी सवाल पर बात नहीं करेंगे और अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' की रिलीज तक मीडिया से दूरी बनाए रखेंगे।'

दरअसल, रणवीर सिंह और फिल्ममेकर फरहान अख्तर के बीच 'डॉन 3' को लेकर मतभेद हो गए थे। कहा जा रहा है कि रणवीर फिल्म की स्क्रिप्ट और बार-बार हो रही देरी से खुश नहीं थे। इसी वजह से उन्होंने फिल्म छोड़ने का फैसला लिया। जो मामला पहले सिर्फ कास्टिंग बदलने का लग रहा था, वह अब कानूनी विवाद में बदल चुका है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फरहान अख्तर की कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट ने रणवीर से 45 करोड़ रुपये की मांग की है। वहीं, FWICE ने भी कुछ समय के लिए रणवीर के खिलाफ नॉन-कोऑपरेशन का आदेश जारी किया था, जिसे अब वापस ले लिया गया है।

क्या है प्रलय की कहानी

अब बात करते हैं रणवीर की अगली फिल्म 'प्रलय' की। यह एक पोस्ट-अपोकैलिप्टिक जॉम्बी थ्रिलर फिल्म होगी, जिसकी कहानी तबाह हो चुके मुंबई पर आधारित है। इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता कर रहे हैं, जो मशहूर फिल्ममेकर हंसल मेहता के बेटे हैं। 'प्रलय' उनका थिएटर में डायरेक्शन डेब्यू भी होगा। जय मेहता इससे पहले 'स्कैम 1992' और 'लुटेरे' जैसे प्रोजेक्ट्स में काम कर चुके हैं। फिलहाल, 'प्रलय' की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है और जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होने की उम्मीद है। लेकिन तब तक रणवीर सिंह पूरी तरह चुप्पी साधे रहेंगे और 'डॉन 3' विवाद पर कोई भी प्रतिक्रिया नहीं देंगे।

क्या बनने जा रही है 'स्त्री 3' अभिषेक बनर्जी ने किया खुलासा

'स्त्री' और 'स्त्री 2' की सफलता के बाद अब ऑडियंस को इस हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार है। 'स्त्री' में जना का किरदार निभाने वाले अभिषेक बनर्जी भी फ्रेंचाइजी के अगले भाग का इंतजार कर रहे हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में अभिषेक ने कहा, 'यह फिल्म बननी भी चाहिए। मुझे पूरी उम्मीद है कि यह सिलसिला आगे चलता रहेगा।'

फ्रेंचाइजी को चाहिए नई और युवा एनर्जी

फ्रेंचाइजी की कास्टिंग को लेकर पूछे गए सवाल पर अभिनेता ने कहा, 'जहां तक कास्ट की बात है, फिलहाल तो मेरी यही दुआ है कि अगले कुछ साल तक यही टीम (राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अपारशक्ति खुराना और अभिषेक) बनी रहे। लेकिन आखिरकार हर चीज का एक समय होता है। किसी भी इंडस्ट्री में, चाहे आप किसी भी मुकाम पर हों, एक समय ऐसा आता है जब नई पीढ़ी को आगे आने के लिए जगह देनी पड़ती है।' उन्होंने आगे कहा, 'इस तरह की फिल्मों में एक खास तरह की यंग एनर्जी की जरूरत होती है। अगर हम 55 या 60 साल की उम्र में भी वही किरदार निभाते रहें तो ऑडियंस को उतना मजा नहीं आएगा इसलिए जब तक हम उस किरदार की ताजगी और एनर्जी को बनाए रख सकते हैं, तब तक जरूर इसका हिस्सा बने रहना चाहेंगे। हां, जिस दिन हमारे निर्माता या निर्देशक को लगेगा कि अब किसी नई एनर्जी की जरूरत है, तो वह फैसला भी हमें स्वीकार करना होगा। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।'

'उम्मीद है 2028 तक रिलीज हो जाएगी'

फ्रेंचाइजी के अगले भाग को लेकर अभिषेक ने कहा, 'इसका इंतजार मैं भी उतना ही कर रहा हूं जितना ऑडियंस कर रही है। उम्मीद है कि 2028 तक फैंस को 'स्त्री' की एक नई पेशकश देखने को मिल जाएगी। फिलहाल तो यही कहूंगा कि यह यूनिवर्स लगातार बड़ा और मजबूत होता जा रहा है, इसका अगला भाग 'शक्ति शालिनी' भी अभी बन रहा है।'

'बॉक्स ऑफिस हिट के बिना इंडस्ट्री गंभीरता से नहीं लेती'

बातचीत के दौरान अभिषेक ने यह भी माना कि यह फिल्म उनके करियर की सबसे अहम फिल्मों में से एक रही है। उनके मुताबिक, इसकी सफलता के बाद इंडस्ट्री में उन्हें देखने का नजरिया बदल गया। अभिनेता ने कहा, 'मुझे लगता है कि 'स्त्री' मेरे करियर की सबसे बड़ी गेम चेंजर रही। जब यह फिल्म आई और उसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की, तब चीजें बदलनी शुरू हुईं। मेरा मानना है कि हमारी इंडस्ट्री में जब तक आपकी फिल्में पैसा नहीं कमातीं, तब तक आपको उतनी गंभीरता से नहीं लिया जाता। टैलेंट अपनी जगह है, लेकिन आखिर में बॉक्स ऑफिस और बिजनेस भी बहुत मायने रखता है। हम सब यह बात जानते हैं।'

'अज्जी' को मिली सराहना, लेकिन पहचान बाद में मिली

उन्होंने आगे कहा, 'इससे पहले मेरी एक फिल्म थी 'अज्जी', इसे सराहना मिली थी लेकिन बहुत कम लोग उसके बारे में जानते थे। उस फिल्म के बाद मुझे बहुत ज्यादा काम नहीं मिला। लेकिन इसके बाद तस्वीर पूरी तरह बदल गई। उसी फिल्म की वजह से मुझे आगे कई बड़े और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स मिले। इसलिए मैं कहूंगा कि मेरे करियर में वह एक ऐसा पड़ाव था, जहां पहली बार लगा कि अब इस इंडस्ट्री में मुझे लगातार काम मिलता रहेगा। उसने मुझे एक पहचान दी और मेरे लिए कई नए रास्ते खोले।'

आजकल बुरी फिल्मों को भी अच्छा बताया जाता है

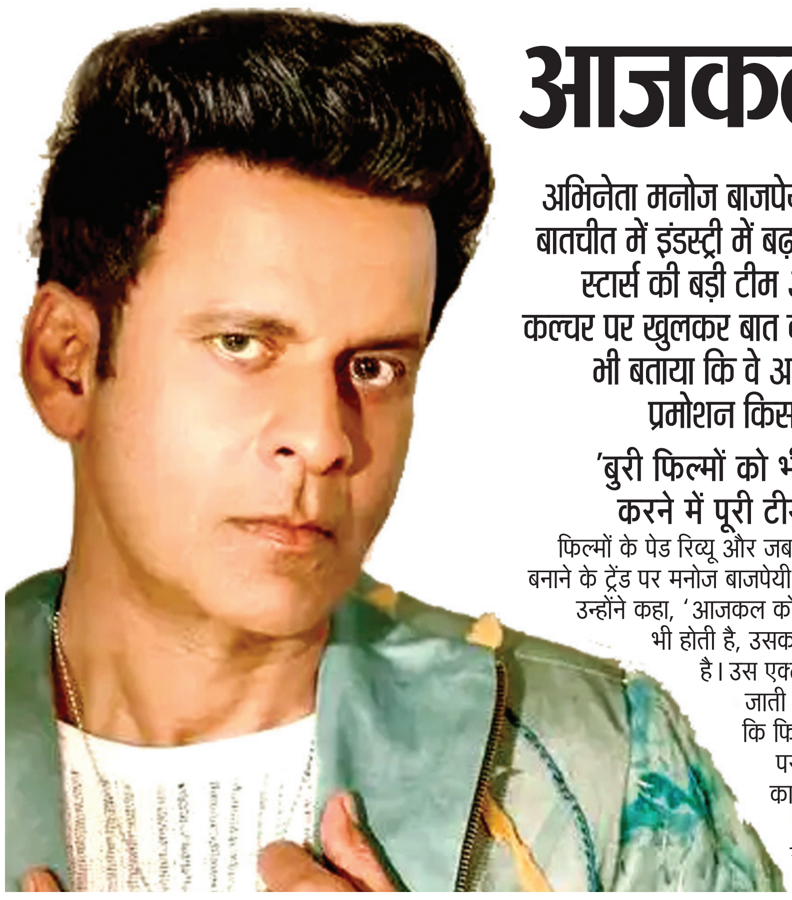

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने हाल ही में बातचीत में इंडस्ट्री में बढ़ते पेड रिव्यू ट्रेंड, स्टार्स की बड़ी टीम और बदलते वर्क कल्चर पर खुलकर बात की। उन्होंने यह भी बताया कि वे अपनी फिल्मों का प्रमोशन किस तरह करते हैं?

'बुरी फिल्मों को भी अच्छा साबित करने में पूरी टीम लग जाती है'

फिल्मों के पेड रिव्यू और जबरदस्ती अच्छा माहौल बनाने के ट्रेंड पर मनोज बाजपेयी ने बेबाक राय रखी। उन्होंने कहा, 'आजकल कोई भी फिल्म जो बुरी भी होती है, उसको अच्छा बताया जाता है। उस एक्टर की पूरी टीम लग जाती है ये साबित करने में कि फिल्म अच्छी है...उनका परफॉर्मेंस बहुत कमाल का है। तो जो चीज बुरी है, उसको अच्छा साबित करने के लिए पूरी टीम लगी रहती है जी। और ये सब मैंने भी पढ़ा है, देखा नहीं। मैं जिस तरह का काम करता हूं, उसमें ये सब तो होता नहीं है।'

मेरे फैसले मैं खुद लेता हूं

आज कई कलाकारों के फैसले उनकी टीम तय करती है। लेकिन मनोज कहते हैं कि उन्होंने हमेशा अपने फैसले खुद लिए हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे साथ तो ऐसा नहीं है। मैं अपने फैसले खुद लेता हूं। स्क्रिप्ट पढ़ता हूं या फिर उसका नरेशन लेता हूं। ज्यादातर मैं स्क्रिप्ट पढ़ना पसंद करता हूं। आखिर में फैसला मेरा ही होता है।'

मेरे सेट पर मेरी टीम का कोई आदमी नहीं होता

मनोज बाजपेयी ने कहा कि काम के दौरान वह अपनी निजी टीम को सेट से दूर रखते हैं और इसे डिसिप्लिन का हिस्सा मानते हैं। उन्होंने कहा, 'अगर आप मेरे सेट पर आकर देखें, तो आपको मेरी टीम का कोई आदमी आसपास दिखाई नहीं देगा। मीडिया इंटरैक्शन के दौरान भी आप देख रहे हैं- प्रोडक्शन के लोग हैं, कैमरा टीम है, लेकिन मेरी टीम का कोई सदस्य यहां मौजूद नहीं है, क्योंकि हमने एक डिसिप्लिन बनाया हुआ है।' आगे उन्होंने कहा, 'जब हम काम कर रहे होते हैं, मेरा स्टाफ उस दायरे से बाहर रहता है। वहां कैमरा है, डायरेक्टर है, मेरे साथ दूसरे कलाकार हैं। वो एक अलग जोन होता है। उसमें मेरा बॉय, असिस्टेंट या मेकअप मैन तभी आएगा जब उसे बुलाया जाएगा। उनका काम कहीं और है, इस स्पेस में नहीं।'

मुझे बड़ी टीम के साथ चलने की जरूरत नहीं पड़ती

जहां कई कलाकार बड़े सपोर्ट सिस्टम के साथ चलते हैं, वहीं मनोज का कहना है कि उन्हें इसकी जरूरत महसूस नहीं होती। उन्होंने कहा, 'अब हर किसी को अपनी जिंदगी अपने तरीके से जीने की आजादी है। मैं किसी को जज नहीं करता। जो बात आप कर रही हैं, उसके बारे में मैं कभी-कभी पढ़ लेता हूं, लेकिन वो दुनिया मेरे लिए काफी अनजान है। हो सकता है किसी अभिनेता को इतने सपोर्ट सिस्टम की जरूरत हो, मुझे नहीं है। मैं अपने लिए काफी हूं। मेरा कॉस्ट्यूम, मेरा मेकअप, बहुत सारी चीजें मैं खुद संभाल लेता हूं।' कई बार हेयर स्टाइलिस्ट भी साथ नहीं ले जाता मनोज का कहना है कि वह फिल्मों में दिखावे के बजाय जरूरत के हिसाब से चीजें तय करते हैं। उन्होंने कहा, 'कई बार मैं अपने हेयर स्टाइलिस्ट को भी साथ नहीं ले जाता। अगर फिल्म को उसकी जरूरत नहीं है, तो वो नहीं जाता। कई बार तो मेरे मेकअप मैन की तारीफ इस बात के लिए होती है कि उसने कुछ किया ही नहीं, बस मुझे वैसे ही रहने दिया। और कई फिल्मों में तो वो आता भी नहीं, सिर्फ तब आता है जब उसकी वाकई जरूरत हो।'

मैं सिर्फ अपनी फिल्मों का प्रमोशन करता हूं, बाकी चीजों में नहीं पड़ता

मनोज कहते हैं कि वह अपनी फिल्मों का प्रमोशन जरूर करते हैं, लेकिन चीजों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने में यकीन नहीं रखते। उन्होंने कहा, 'हम अपनी फिल्मों को प्रमोट करते हैं, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग हमारी फिल्म को लेकर जागरूक हों। उसके बाद फिर हम अगली फिल्म में चले जाते हैं। और मैं इस बात पर यकीन करता हूं कि जो होगा, वो होगा। अपना काम शिद्दत से कीजिए, क्योंकि आपके भाग्य का कोई कुछ नहीं ले जा सकता।'

बेन स्टोक्स 95 रन बनाने के बाद मैच से हो गए बाहर

क्या इंग्लैंड की टीम में होगी वापसी?

नई दिल्ली। बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन को रविवार (21 जून) को काउंटी चैंपियनशिप के मैचों से बाहर करा दिया गया। ऐसा इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड के निर्देश पर किया गया। इससे संकेत मिलते हैं कि न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के लिए खेलने के लिए दोनों उपलब्ध रहेंगे। खासकर तब जब न्यूजीलैंड ने ओवल टेस्ट 253 रनों से नाम करके 3 मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज गस एटकिंसन को नाइट कर्फ्यू तोड़ने और लंदन के एक नाइट क्लब में हुई लड़ाई की जांच के लिए दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम से बाहर कर दिया गया था, लेकिन दोनों को घरेलू क्रिकेट खेलने की इजाजत दी गई थी। इसमें स्टोक्स शुक्रवार से शुरू हुए मैचों के पहले दो दिन डरहम के लिए और एटकिंसन सरे के लिए खेले।

नॉर्थम्पटनशायर के खिलाफ 95 रन- 35 साल के स्टोक्स ने शनिवार को नॉर्थम्पटनशायर के खिलाफ 95 रन बनाए, जो पिछले जुलाई में भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट में शतक के बाद किसी भी क्रिकेट में उनका सबसे बड़ा स्कोर था। एटकिंसन ने ग्लेमोर्गन में सरे के लिए पहली पारी में चार विकेट लिए। दोनों खिलाड़ियों को तीसरे दिन से पहले प्लेइंग 11 से बाहर कर दिया गया। तीसरा टेस्ट गुरुवार (25 जून) से ट्रेंटब्रिज में होगा।

इंग्लैंड को स्टोक्स की कमी खली

यह जानकारी पहले ही सामने आ गई थी कि स्टोक्स को ट्रेंटब्रिज में कप्तानी करते देखा जाएगा। 28 साल के एटकिंसन भी टीम में होंगे। लॉर्ड्स में न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद इंग्लैंड के आधी रात के कर्फ्यू को तोड़ने के मामले की जांच अभी पूरी नहीं हुई है। स्टोक्स और एटकिंसन के अलावा ओली रॉबिन्सन चोटिल होने और जेमी स्मिथ पिता बनने के कारण नहीं खेले। इसके कारण इंग्लैंड को पहला टेस्ट जीतने वाली टीम में पांच बदलाव करने पड़े। पेस बॉलर जोश टंग ने शनिवार क माना था कि इंग्लैंड को स्टोक्स की कमी खली।

मिस्र की सिएटल में रुकने के अनुरोध को सुरक्षा अधिकारियों ने किया खारिज

मोहम्मद सालाह का कमाल

न्यूजीलैंड के खिलाफ दर्ज की फीफा वर्ल्डकप की पहली जीत

वैंकूवर (एजेंसी)। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ग्रुप जी के मुकाबले में मिस्र ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए न्यूजीलैंड को 3-1 से हराया। 92 साल और 25 दिन पहले डेब्यू करने वाली मिस्र की यह विश्व कप इतिहास की पहली जीत भी है। मिस्र की इस जीत के हीरो टीम के स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सालाह रहे। टीम के लिए विजयी गोल करने के साथ-साथ सालाह विश्व कप के दो संस्करण में गोल करने वाले मिस्र के पहले खिलाड़ी भी बने। इसके अलावा, 34 साल और 9 दिन की उम्र में गोल करने के साथ ही वह मिस्र की ओर से गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी भी बने। उन्होंने इस मामले में मैग्डी अब्देलघनी को पीछे छोड़, जिन्होंने 1990 में नीदरलैंड्स के खिलाफ 30 साल और 320 दिन की उम्र में गोल किया था। न्यूजीलैंड ने मैच की शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और 15वें मिनट में ही 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। फिन सुरमन ने कॉर्नर किक पर बेहतरीन हेडर लगाते हुए शानदार गोल दागा। इस गोल के बाद न्यूजीलैंड ने दबाव बनाए रखा और पहले हाफ तक मिस्र को वापसी का मौका नहीं दिया। यह पहली बार था जब मिस्र किसी वर्ल्ड कप मैच में हाफ टाइम तक पीछे रहा। हालांकि, हाफ टाइम के बाद टीम ने अपना खेल बदला और ज्यादा आक्रामक अंदाज में मैदान पर उतरी। दूसरे हाफ की शुरुआत में मिस्र ने कई मौके बनाए। मोहम्मद सालाह और इमाम अशौर ने गोल करने की कोशिश की, लेकिन न्यूजीलैंड के गोलकीपर ने अच्छे बचाव किए। दूसरी ओर, मिस्र के गोलकीपर मुस्तफा शोबेर ने भी शानदार बचाव करके अपनी टीम को मैच में बनाए रखा। मिस्र को मैच के 58वें मुकाबले में सफलता मिली। जिको ने फ्री हेडर पर बेहतरीन गोल दागा और स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। इसके 9 मिनट बाद मोहम्मद सालाह ने अपनी क्लास दिखाई। एक बेहतरीन टीम मूव के बाद उन्होंने नीचे की तरफ शॉट लगाकर शानदार गोल किया और मिस्र को 2-1 की बढ़त दिला दी। यह गोल मैच का टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

स्पोकेन वापस लौटेगी टीम

वैंकूवर। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ मिली ऐतिहासिक जीत के बाद मिस्र को बड़ा झटका लगा है। टीम को सिएटल में कैंप लगाने का फैसला बदलने पर मजबूर होना पड़ा है।

मिस्र टीम की इस शहर में रुकने की गुजारिश को स्थानीय सुरक्षा अधिकारियों ने स्वीकार करने से मना कर दिया है। मिस्र की टीम अब स्पोकेन लौटेगी और वहीं से अगले मैच की तैयारी करेगी। मिस्र फुटबॉल संघ के अनुसार, टीम मैनेजर इब्राहिम हसन ने बताया कि सुरक्षा कारणों से अधिकारियों ने टीम के सिएटल में रुकने के अनुरोध को स्वीकार नहीं किया।

इसी वजह से पूरे दल को स्पोकेन शहर लौटना पड़ेगा। इब्राहिम हसन ने बताया कि टीम के कोचिंग स्टाफ ने पहले योजना बनाई थी कि न्यूजीलैंड पर 3-1 की जीत के बाद खिलाड़ी वैंकूवर से सीधे सिएटल जाएंगे। इसका मकसद खिलाड़ियों को अतिरिक्त यात्रा से बचाना और 27 जून को ईरान के खिलाफ होने वाले अहम ग्रुप मैच से पहले उनकी थकान कम रखना था, ताकि टीम बेहतर तैयारी कर सके। मूल कार्यक्रम के अनुसार भी टीम को कनाडा से स्पोकेन वापस आना था और फिर 25 जून को सिएटल रवाना होना था। हालांकि, तकनीकी स्टाफ ने खिलाड़ियों की थकान कम करने के लिए इस योजना में बदलाव करने का फैसला लिया था। अब सुरक्षा एजेंसियों के फैसले के बाद टीम को पुरानी योजना पर ही चलना पड़ेगा। न्यूजीलैंड के खिलाफ मिस्र का प्रदर्शन शानदार रहा। पहले हाफ में 0-1 से पिछड़ने के बावजूद मिस्र ने मैच में जबरदस्त वापसी करते हुए दूसरे हाफ में तीन गोल किए और मैच को 3-1 से अपने नाम किया। मिस्र की तरफ से मुस्तफा जिको, मोहम्मद सालाह और ट्रेजेगुएट ने गोल किया।

फीफा वर्ल्ड कप में मिस्र को 92 साल 25 दिन बाद पहली जीत नसीब हुई है। मिस्र के कप्तान सालाह ने इस ऐतिहासिक जीत को देश के फुटबॉल इतिहास की सबसे बड़ी कामयाबी बताया। उन्होंने कहा कि इस जीत की खुशी को बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं।

स्पेन की 4-0 से शानदार जीत

ईरान ने बेल्जियम को ड्रॉ पर रोका, केप वर्दे ने उरुग्वे को भी छकाया

नई दिल्ली। फीफा वर्ल्ड कप 2026 में ड्रॉ के साथ निराशाजनक शुरुआत करने वाली स्पेन की मजबूत टीम ने दूसरे मुकाबले में सऊदी अरब को 4-0 से करारी शिकस्त दी। वहीं पहले मैच में स्पेन को 0-0 से ड्रॉ पर रोकने वाली केप वर्दे ने उरुग्वे को भी जीतने नहीं दिया और मुकाबला 2-2 से ड्रॉ करवा लिया। जबकि दिन के दूसरे मुकाबले में ईरान की टीम ने बेल्जियम को गोलरहित ड्रॉ पर रोका।

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में 21 जून की रात ग्रुप एच के दो मुकाबले खेले गए। स्पेन की टीम इस ग्रुप में एक ड्रॉ और एक जीत के बाद 4 अंक लेकर पहले स्थान पर पहुंच चुकी है। वहीं दो ड्रॉ खेलने वाली उरुग्वे दूसरे (2 अंक) और केप वर्दे भी 2 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। सऊदी अरब इस ग्रुप में एक हार और एक ड्रॉ के एक अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

स्पेन बनाम सऊदी अरब मैच में क्या हुआ- स्पेन के लिए इस मुकाबले में लामिन यमाल ने खाता खोला और 10वें मिनट में ही गोल दाग दिया था। उसके बाद माइकेल ओयरजबल ने 21वें और 24वें मिनट में गोल करते हुए सऊदी अरब को बैकफुट पर ला दिया। यही स्पेन के मजबूत स्ट्राइकर केप वर्दे और उनके स्टार गोलकीपर वोजिन्हा के आगे एक भी गोल नहीं कर पाए थे। इसके बाद 49वें मिनट में सऊदी अरब के अल्तमबक्ती ने अपने ही गोल में बॉल को भेजा और आत्मघाती गोल से स्पोन को चौथा अंक प्राप्त हुआ। अंत तक सऊदी अरब की टीम एक भी गोल नहीं कर पाई और मुकाबला 0-4 से हार गई।

वैभव-तिलक का बल्ले से कमाल

यश-विप्रज का गेंदबाजी में जलवा, इंडिया ए ने जीती वनडे ट्राई सीरीज

नई दिल्ली। श्रीलंका में इंडिया ए, अफगानिस्तान ए और श्रीलंका ए के बीच खेली गई वनडे ट्राई सीरीज का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ है। बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन के बाद भारतीय गेंदबाजों ने कमाल का प्रदर्शन किया। 378 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ए की टीम 47.1 ओवर में 311 रन बनाकर सिमट गई। भारतीय टीम ने 66 रन से फाइनल मुकाबला जीता और ट्राई सीरीज पर कब्जा किया। फाइनल मुकाबले में तिलक वर्मा की कप्तानी वाली इंडिया ए ने श्रीलंका ए को हराकर खिताब जीता। फाइनल मैच में भारत के लिए बल्ले से वैभव सूर्यवंशी ने 29 गेंद पर 94 और कप्तान तिलक वर्मा ने 66 रनों की पारियां खेलीं। उसके बाद गेंदबाजी में यश ठाकुर और विप्रज निगम ने कमाल किया। इस मुकाबले में श्रीलंका ए ने टॉस जीता और इंडिया ए को पहले बल्लेबाजी का न्यौता दिया। पहले खेलते हुए भारतीय टीम को वैभव सूर्यवंशी ने अपने तूफानी अंदाज में बेहतरीन शुरुआत दिलाई।

अनुकूल रॉय की आतिशी बल्लेबाजी

कप्तान तिलक वर्मा ने इस सीरीज के पांचवें मैच में अपना चौथा फिफ्टी प्लस स्कोर बनाया और टीम का स्कोर 50 ओवर में 9 विकेट पर 377 तक पहुंचाने की नींव रखी। अंत में काम पूरा किया अनुकूल रॉय ने जिन्होंने 15 गेंद पर 39 रन की आतिशी पारी खेली। 20 गेंद पर 27 रन बनाकर विप्रज निगम ने एक बार फिर अपने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन का लोहा मनवाया।

साउथ अफ्रीका से हारने से भारत की राह हुई कठिन

नई दिल्ली। महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 में रविवार (21 जून) को भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम की यह पहली हार है, लेकिन टूर्नामेंट का फॉर्मेट ऐसा है कि सेमीफाइनल में पहुंचने की उसकी राह कठिन हो गई है। ग्रुप ए में ऑस्ट्रेलिया 3 में से 3 मैच जीतकर अंक तालिका में शीर्ष पर है। भारत 3 में से 2 मैच जीतकर दूसरे नंबर पर है। बांग्लादेश और साउथ अफ्रीका ने भी 3-3 मैच खेले हैं और 2-2 जीत दर्ज की है। पाकिस्तान और नीदरलैंड्स सेमीफाइनल की रेस से बाहर है।

भारतीय टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने का गणित

भारतीय टीम सेमीफाइनल की रेस में बरकरार है। उसके 2 मैच बाकी हैं। दोनों मैच जीतने पर वह बगैर रनरेट पर आश्रित रहे सेमीफाइनल में पहुंच सकती है। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि ऑस्ट्रेलिया अपना अगला दोनों मैच हार जाए या साउथ अफ्रीका एक मैच हारे।

भारत दोनों मैच जीतता है तो उसके 8 अंक होंगे। साउथ अफ्रीका भी दोनों मैच जीतता है तो उसके भी 8 अंक होंगे। भारत के 8 अंक हुए तो ऑस्ट्रेलिया भी 8 अंक से आगे नहीं बढ़ पाएगा। ऐसे होने पर रनरेट पर मामला आ जाएगा। भारत के लिए दिक्कत की बात यह है कि उसे बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। वहीं साउथ अफ्रीका को नीदरलैंड्स और बांग्लादेश से भिड़ना है। भारत के लिए ऑस्ट्रेलिया से पार पाना चुनौती है। इसके मुकाबले साउथ अफ्रीका के दोनों मैच आसान हैं। सेमीफाइनल की तीसरी दावेदार बांग्लादेश को भी हल्के में नहीं लिया जा सकता।

विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट में वापसी पर बड़ा बयान

'जूते कम कीमत पर बेच लूंगा'

नई दिल्ली। विराट कोहली टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने के बजाय अपने नए लॉन्च हुए जूते को कम कीमत पर बेचना पसंद करेंगे, ताकि उसका मुनाफा बढ़ सके। भारत के पूर्व कप्तान ने रविवार (21 जून) को यह बात कही, जब उनसे टेस्ट क्रिकेट में वापसी के बारे में पूछा गया। भारत के लिए कोहली अब एक फॉर्मेट में खेलते हैं। उन्होंने पिछले साल 9230 रन बनाकर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने अपने जूते की कीमत अपने टेस्ट रनों के बराबर रखी है। One8 के ग्लोबल प्रीमियर में उनसे मजाक में पूछा गया कि क्या वे लाल रंग के जूते का मुनाफा बढ़ाने के लिए टेस्ट क्रिकेट में वापसी करेंगे, जो सबसे लंबे फॉर्मेट में उनके योगदान और प्रतिबद्धता से प्रेरित है।

'कभी हार नहीं मानने' वाला रवैया

इस बातचीत के दौरान कोहली ने अपने 'कभी हार नहीं मानने' वाले रवैये पर भी बात की जिसके साथ वह हमेशा खेलते रहे हैं। अपनी बात समझाते हुए उन्होंने उदाहरण के तौर पर 2022 टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के खिलाफ मेलबर्न में खेली गई अपनी यादगार मैच जीताने वाली पारी का जिक्र किया। कोहली ने कहा, 'मैं ऐसा ही हूं। मुझे ऐसी स्थितियां पसंद हैं जब लोगों को लगता है कि मैच हाथ से निकल गया है और फिर किसी तरह आप खेल को वापस अपनी तरफ मोड़ लेते हैं। बहुत छोटी उम्र से ही मैं परिस्थितियों को इसी नजरिए से देखता आया हूं। और मैंने कभी भी, आखिर तक, यह नहीं माना कि हम मैच हार गए हैं या हम जीत नहीं सकते।

कोहली की वापसी की मांग

न्यूजीलैंड से घरेलू सरजमीं पर क्लीन स्वीप और ऑस्ट्रेलिया में भारत के बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी गंवाने के बाद विराट कोहली की काफी आलोचना हुई थी। लाल गेंद के फॉर्मेट में उनके प्रदर्शन पर सवाल उठा था। इसके बाद बीते साल इंग्लैंड दौरे से पहले कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। शुभमन गिल की अगुआई में इंग्लैंड में भारत ने 2-2 से सीरीज ड्रॉ कराई, लेकिन घरेलू सरजमीं पर साउथ अफ्रीका से फिर 0-2 से हार का सामना किया। इसके बाद से विराट कोहली की टेस्ट में वापसी की मांग उठती रही है। अब विराट कोहली के बयान से साफ है कि वह संन्यास वापस नहीं लेंगे।

वैभव सूर्यवंशी का आलोचकों पर पलटवार, फाइनल के बाद कही यह बात

'मैं 50 ओवर बहुत खेल चुका हूं, लोगों को नहीं मालूम'

नई दिल्ली। इंडिया ए ने श्रीलंका ए को फाइनल में हराकर वनडे ट्राई नेशन ए सीरीज का खिताब अपने नाम किया। फाइनल मैच में 29 गेंद पर 94 रन की पारी खेल प्लेयर ऑफ द मैच बने वैभव सूर्यवंशी ने मैच के बाद अपने आलोचकों पर निशाना साधा है। आईपीएल 2026 में 776 रन बनाने के बाद वनडे फॉर्मेट में वैभव की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। पहले चार मैच में उन्होंने सिर्फ 117 रन बनाए थे और वह आलोचनाओं का शिकार हो रहे थे।

क्या बोले वैभव सूर्यवंशी?

प्रेजेंटेशन सेरेमनी में जब वैभव सूर्यवंशी से पूछा गया कि उन्होंने टी20 ज्यादा खेला है और बेहतरीन प्रदर्शन किया, लेकिन 50 ओवर फॉर्मेट कम खेला है, तो यहां इस सीरीज से क्या सीखा? इस पर वैभव ने हंसते हुए कहा, 'सीखने को काफी कुछ मिला लेकिन मैं 50 ओवर काफी खेल चुका हूं, पता नहीं लोगों को नहीं मालूम लगता, लेकिन हां अलग कंडीशन थीं, अलग पिच थीं अच्छा लगा खेलने में मजा आया, अच्छी रही सीरीज।'

कई लोगों ने यह कहना शुरू कर दिया था कि वैभव अभी भी टी20 मोड से बाहर नहीं आए हैं। फिर फाइनल मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी ने अपने टी20 अंदाज से ही वनडे मुकाबले में श्रीलंका ए को बैकफुट पर ला दिया। फाइनल मुकाबले में वैभव की पारी के दम पर भारतीय टीम ने 377 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसकी नींव पहले 10 ओवर में ही रखी जा चुकी थी।

5 मैच, 218 गेंद, 530 रन

वैभव सूर्यवंशी बने नॉकआउट मुकाबलों के बादशाह, 2026 में अब तक जमकर मचाया तूफान

नई दिल्ली। वैभव सूर्यवंशी ने जब से आईपीएल 2025 में कदम रखा था, उसके बाद से हर समय क्रिकेट फील्ड पर चर्चा सिर्फ इस युवा बल्लेबाज की ही है। साल 2025 में सबसे ज्यादा गूगल सर्च किए जाने वाला यह भारतीय क्रिकेटर साल 2026 में और ज्यादा बुलंदियों पर चढ़ता नजर आ रहा है। अब वह दिन भी नजदीक है जब वैभव को भारतीय क्रिकेट टीम में देखा जाएगा। मगर साल 2026 के रिकैप की बात करें तो वैभव ने हर बड़े मौके पर अपने बल्ले का लोहा मनवाया है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में 776 रन बनाकर तो सुर्खियां बटोरी ही हैं, लेकिन साल की शुरुआत में अंडर 19 वर्ल्ड कप 2026 में भी यह खिलाड़ी अव्वल था। सेमीफाइनल में अर्धशतकीय पारी और फिर फाइनल में 175 रन बनाकर वैभव ने कमाल कर दिया था। उसके बाद आईपीएल 2026 के एलिमिनेटर और क्वालिफायर 2 में भी वैभव ने 90-90 रन से ज्यादा की पारियां खेली थीं। अब इंडिया ए के लिए वनडे ट्राई सीरीज के फाइनल में वैभव का बल्ला बोला है।

बारिश से पहले ही 'डूबने' को तैयार दिल्ली, नालों से निकली गाद उठाना भूला पीडब्ल्यूडी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मानसून की दस्तक से पूर्व लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में आ गई है। बरसाती नालों की सफाई के नाम पर खानापूर्ति का आलम तो जारी है ही, नालों से निकाली गई गाद उठाने के मामले में भी विभाग के अधिकारी पिछले सालों की गलतियों से कोई सबक नहीं ले रहे हैं।

24 घंटे का वादा, 8 दिन का इंतजार: मानसून को देखते हुए विभाग द्वारा यह स्पष्ट निर्देश जारी किए गए थे कि नालों से निकाली गई गाद को 24 घंटे के अंदर मौके से हटा लिया जाएगा, लेकिन जमीनी हकीकत इन कागजी दावों की पोल खोलती नजर आ रही है। राजधानी के कई इलाकों में नालों से निकाली गई गाद पांच से लेकर आठ दिनों तक सड़कों और नालियों के किनारे यूं ही पड़ी है। इस लापरवाही ने आम जनता की चिंताएं बढ़ा दी हैं।

गाद सड़कों पर दे रही बीमारी को दावत: मौसम विभाग द्वारा जताई जा रही तेज वर्षा की संभावनाओं के बीच यह आशंका प्रबल हो रही है कि यदि समय रहते इस गाद को नहीं उठाया गया, तो वर्षा का पानी इसे वापस नालों में बहा ले जाएगा। नालों के फिर से चोक होने की स्थिति

में सड़कों पर भारी जलभराव का संकट पैदा हो सकता है।

स्थानीय निवासियों और जागरूक नागरिकों का आरोप है कि विभाग के अधिकारी शायद इसी स्थिति का इंतजार कर रहे हैं। लोगों का मानना है कि यदि पहली ही वर्षा में गाद वापस नाले में चली जाती है, तो अधिकारियों और ठेकेदारों को दोबारा गाद निकालने के नाम पर एक और भ्रष्टाचार का रास्ता मिल जाएगा।

यह संदेह निराधार भी नहीं है, क्योंकि पिछले वर्षों में भी ऐसा कई बार देखा गया है। भारी वर्षा के बाद तमाम निकाली गई गाद फिर से नालों में बह गई थी और विभाग के भ्रष्ट अभियंताओं ने बिना काम किए ही गाद उठाने का पूरा सरकारी भुगतान (बिल) पास करवा लिया था।

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर चढ़ावा चोरी विवाद में अरविंद केजरीवाल की एंट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या के श्रीरामलला मंदिर में चढ़ावा चोरी विवाद के बीच आम

आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल शुक्रवार को श्री राम जन्मभूमि मंदिर में दर्शन करने जाएंगे। केजरीवाल ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी से हर सनातनी बेहद दुखी है। शुक्रवार को मैं दर्शन के लिये श्री राम मंदिर जाऊंगा।' बता दें कि राम मंदिर में करोड़ों रुपये के चढ़ावे और दान की कथित चोरी के मामले में हाल ही में सियासत तेज हो गई है। केजरीवाल ने पहले भी इस मुद्दे पर सरकार पर निशाना साधते हुए सवाल उठाया था कि इतनी बड़ी चोरी होने के बावजूद अब तक एक भी एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की गई। उन्होंने कहा था कि सरकार किसे बचा रही है?

दिल्ली में झाड़ियों में मिला अनजान बुजुर्ग का शव, 2 दिन बाद मिली खबर

नईदिल्ली, एजेंसी। वेलकम इलाके में झाड़ियों में एक बुजुर्ग का शव मिला है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मृतक की पहचान का प्रयास कर रही है। पुलिस ने बताया कि रविवार शाम को शाहदरा जीटी रोड पर झाड़ियों में एक बुजुर्ग का शव पड़े होने की सूचना मिली। शव एक से दो दिन पुराना लग रहा था। ऐसा कोई कागजात नहीं मिला, जिससे उसकी पहचान हो सके। आशंका है कि नशे की ओवरडोज से बुजुर्ग की जान गई है।

डॉक्टर मनीष गुप्ता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा, पूछताछ में खुलेंगे गहरे राज

नईदिल्ली, एजेंसी। दक्षिणी दिल्ली के माउंट कैलाश में घरेलू सहायिका की हत्या मामले में

दो दिन की रिमांड अवधि पूरी होने पर आरोपी चिकित्सक मनीष गुप्ता को फिर साकेत कोर्ट में पेश किया जाएगा। पुलिस की ओर से इस बार रिमांड की मांग न होने पर कोर्ट ने आरोपी को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, पूछताछ में आरोपी ने बताया कि हत्या के बाद वह अपनी पत्नी और बेटे की हत्या के बाद खुद को भी मारना चाहता था। लेकिन मीना के साथ की गई बर्बरता को देखकर वह हिम्मत नहीं कर सका। वहीं, जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से आब्सेसिव कंपल्सिव डिसआर्डर (ओसीडी) और अवसाद की समस्या से जूझ रहा था। उसका इलाज चल रहा था। उसकी मानसिक स्थिति को देखते हुए दो दिन की हिरासत अवधि में पुलिस उसकी विशेष निगरानी कर रही थी।

60 किमी की स्पीड से चलेगी हवा, दिल्ली में हल्की बारिश के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में आज मंगलवार को भी चुभन भरी गर्मी से राहत बनी रहेगी। मौसम विभाग की मानें तो शहर भर में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। अधिकतम तापमान भी 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे ही रहेगा। दिल्ली का न्यूनतम तापमान 27.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिन का तापमान 38 से 39 डिग्री सेल्सियस के करीब रह सकता है। दिन में बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। 40 से 60 किमी प्रति घंटे की तेज रफ्तार हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की भी संभावना है। इससे पहले, रविवार को मौसम ने दिनभर आंख-मिचौली का खेल खेला। सुबह से दोपहर तक आसमान बादलों की चादर में लिपटा रहा, जिससे लोगों को बारिश की उम्मीद जगी, लेकिन दोपहर बाद तेज धूप निकलने से गर्मी और उमस ने लोगों को बेहाल कर दिया। बादलों की मौजूदगी के बावजूद बारिश नहीं होने से लोगों को राहत नहीं मिल सकी। सुबह के समय मौसम अपेक्षाकृत सुहावना रहा और आसमान में बादल छाए रहे। दोपहर तक लोगों को लगा कि कभी भी बारिश हो सकती है, लेकिन बादलों के छंटते ही तेज धूप निकल आई। इसके बाद उमस का असर और बढ़ गया। बादलों की सक्रियता बढ़ने के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

बालेन का स्पष्टीकरण- ब्रिटेन की मध्यस्थता नहीं चाहते, बातचीत से सुलझाएंगे विवाद

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने भारत-नेपाल सीमा विवाद को लेकर अपने पहले दिए गए बयान पर सफाई दी है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि नेपाल सीमा विवाद सुलझाने के लिए ब्रिटेन की मध्यस्थता नहीं चाहता और यह मामला भारत के साथ सीधे बातचीत के जरिए हल किया जाएगा। रविवार को चितवन जिले में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के महासम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि नेपाल के पास कालापानी और लिपुलेख क्षेत्रों से जुड़े पर्याप्त ऐतिहासिक दस्तावेज और सबूत मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि उनका आशय केवल इतना था कि यदि ब्रिटिश शासनकाल के रिकॉर्ड की जरूरत पड़ी तो नेपाल उन्हें प्रस्तुत कर सकता है। भारत-नेपाल सीमा पर सीमा पिलरों को लेकर दोनों देशों की सर्वे एजेंसियां और सुरक्षा बल आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ सीमा प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। भारत-नेपाल सीमा पर सीमा पिलरों को लेकर दोनों देशों की सर्वे एजेंसियां और सुरक्षा बल आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ सीमा प्रबंधन को मजबूत बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। बालेन शाह ने आगे कहा, 'हम ब्रिटेन की मध्यस्थता नहीं चाहते। हम अपने पड़ोसी देशों के साथ बातचीत के जरिए और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर इस मुद्दे का समाधान करेंगे। हमारे पास पर्याप्त प्रमाण हैं और किसी को भी हमारे राष्ट्रवाद पर संदेह नहीं होना चाहिए।' दरअसल, 31 मई को संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा में सांसदों के सवालों का जवाब देते हुए पीएम बालेन शाह ने कहा था कि नेपाल ने भारत और चीन के अलावा ब्रिटेन सरकार से भी बात की है, क्योंकि सीमा विवाद से जुड़े कुछ ऐतिहासिक रिकॉर्ड ब्रिटिश शासनकाल के हैं। उनके इस बयान के बाद नेपाल में विपक्षी दलों, विदेश नीति विशेषज्ञों और सीमा मामलों के जानकारों ने आलोचना की थी। भारत और नेपाल के बीच कालापानी, लिपुलेख और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों को लेकर लंबे समय से सीमा विवाद चला आ रहा है।

व्हाइट हाउस में ऑनर समारोह दौरान बेइज्जत हुए ट्रंप, वीर सैनिक को सम्मानित करते फंसे

वाशिंगटन, एजेंसी। व्हाइट हाउस के ईस्ट रूम में आयोजित एक प्रतिष्ठित सैन्य सम्मान समारोह उस समय चर्चा का विषय बन गया जब अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रंप को देश के सर्वोच्च सैन्य सम्मान मेडल आफ हॉनर को पहनाने में परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान मौजूद लोगों की हंसी छूट गई और घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। यह समारोह सेवानिवृत्त अमेरिकी सेना के मेजर निकोलस डॉकरी को सम्मानित करने के लिए आयोजित किया गया था। डॉकरी को वर्ष 2012 में अफगानिस्तान में तालिबान के घातक हमले के दौरान असाधारण बहादुरी दिखाने के लिए यह सम्मान दिया गया।

मेजर डॉकरी की वीरता की प्रशंसा करने के बाद ट्रंप उनके पास पहुंचे और मेडल ऑफ ऑनर उनके गले में पहनाने लगे। लेकिन पदक के

रिबन के पीछे लगे क्लैस्प को बंद करने में उन्हें कठिनाई हुई। एक गांठ में बांध दिया और सम्मान प्रक्रिया पूरी की। घटना के दौरान ट्रंप ने डॉकरी से कुछ हल्की-फुल्की बातें भी कीं और बाद में उनके कंधे पर हाथ रखकर बधाई दी। समारोह में मौजूद वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, सैन्य कमांडर और अन्य अतिथि इस अप्रत्याशित स्थिति पर मुस्कुराते और हंसते नजर आए। हालांकि कार्यक्रम बिना किसी बाधा के आगे बढ़ा और सम्मान समारोह की गरिमा बरकरार रही। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। कई लोगों ने इसे औपचारिक समारोह में ट्रंप के लिए असहज पल बताया। कुछ टिप्पणीकारों ने इसे शर्मनाक स्थिति करार दिया। ट्रंप समर्थकों ने कहा कि मेडल ऑफ ऑनर के औपचारिक क्लैस्प अक्सर जटिल होते हैं। लाइव टेलीविजन कार्यक्रमों में ऐसी तकनीकी दिक्कतें किसी के साथ भी हो सकती हैं। मेजर निकोलस डॉकरी को अफगानिस्तान में तालिबान के हमले के दौरान अपने घायल साथियों को बचाने और दुश्मन की गोलीबारी के बीच बार-बार अपनी जान जोखिम में डालने के लिए सम्मानित किया गया। उनकी बहादुरी को अमेरिकी सेना की असाधारण वीरता के उदाहरण के रूप में देखा जाता है। कुछ क्षणों की तकनीकी असुविधा के बावजूद समारोह का मुख्य उद्देश्य अमेरिकी सैन्य वीरों के साहस, बलिदान और देश सेवा को सम्मानित करना रहा।

भारत और कनाडा रिश्तों में नई गर्माहट, मोदी-कार्नी की नजदीकियां बनीं चर्चा का विषय

टोरंटो एजेंसी। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त क्रिस कूटर ने कहा है कि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच मजबूत व्यक्तिगत तालमेल दोनों देशों के संबंधों को नई ऊंचाई पर ले जा रहा है। बातचीत में कूटर ने कहा कि पिछले दो वर्षों में आई कूटनीतिक चुनौतियों के बावजूद अब भारत और कनाडा के संबंध फिर से सकारात्मक दिशा में बढ़ रहे हैं। कूटर ने बताया कि मोदी और कार्नी अब तक चार बार मुलाकात कर चुके हैं। हाल ही में दोनों नेताओं ने फ्रांस के एवियन में आयोजित त्7 शिखर सम्मेलन के दौरान भी बातचीत की थी।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, दोनों प्रधानमंत्री कई बार मिल चुके हैं, फोन पर भी बातचीत करते हैं और शायद व्हाट्सएप पर भी संपर्क में रहते होंगे। कूटर के अनुसार दोनों नेताओं में एक समानता है वे परिणाम चाहते हैं और तेजी से निर्णय लेने में विश्वास रखते हैं। कनाडाई उच्चायुक्त ने कहा कि कनाडा अपनी वैश्विक साझेदारियों को विविध बनाने की रणनीति पर काम कर रहा है और भारत इस रणनीति का अहम हिस्सा है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें शामिल होंगे

भारत और कनाडा के बीच पिछले वर्षों में सुरक्षा संबंधी मुद्दों को लेकर तनाव देखने को मिला था। हालांकि कूटर का कहना है कि अब दोनों देशों ने ऐसे मुद्दों पर काम करने के लिए एक स्पष्ट और व्यवस्थित प्रक्रिया विकसित कर ली है। उन्होंने कहा, दोनों देशों की एजेंसियां अब एक-दूसरे के कामकाज को बेहतर समझती हैं और इस बात के लिए प्रतिबद्ध हैं कि किसी भी पक्ष को अप्रत्याशित स्थिति का सामना न करना पड़े। कूटर ने बताया कि प्रधानमंत्री कार्नी ने हाल ही में दिए अपने भाषण में ऐसे देशों के बीच सहयोग की बात की थी जो वैश्विक महाशक्तियां नहीं हैं लेकिन अपनी संप्रभुता और हितों की रक्षा करना चाहते हैं। उनके अनुसार भारत और कनाडा इसी सोच के तहत लचीली और व्यावहारिक साझेदारी विकसित कर रहे हैं।

● रूस ने बैलिस्टिक मिसाइल से किया हमला

रूस की राजधानी मॉस्को तक पहुंचे यूक्रेन के ड्रोन? चार एयरपोर्ट बंद, दहशत में लोग

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच जारी सीमा पार हमलों के तहत सोमवार को मॉस्को को निशाना बनाकर दर्जनों यूक्रेनी ड्रोन से हमले किए गए। जिसके कारण लोगों में दहशत फैल गई। यूक्रेनी हमले के बाद सुरक्षा कारणों से मॉस्को के चार हवाई अड्डों को अस्थाई रूप से बंद करते हुए उड़ानों पर रोक लगा दी गई।

मॉस्को के मेयर सर्गेई सोबयानिन के ने टेलीग्राम पर बताया, रूसी वायु रक्षा प्रणालियों ने मुस्तैदी दिखाते हुए कुल 59 ड्रोन मार गिराए, जिसके बाद सुरक्षा के मद्देनजर उड़ानों को रोका गया। रूसी अधइकारियों का कहना है कि यह एक बड़ा ड्रोन हमला था, जिसे रूसी वायु सेना ने समय रहते रोक दिया और बड़े खतरे को टाल दिया।

विज्ञान ने भी माना योग का लोहा, आंतों के बैक्टीरिया से लेकर मस्तिष्क की क्षमता तक... अल्जाइमर रोगियों में दिखे चमत्कारी बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। बार-बार चक्कर आने या अचानक बेहोश हो जाने (वेसोवैगल सिंकोप) की समस्या से जूझ रहे मरीजों के लिए योग एक प्रभावी उपचार साबित हो रहा है। यही नहीं अल्जाइमर रोगियों में भी योग से याददाश्त,

मानसिक क्षमता और मनोदशा में सुधार के संकेत मिले हैं। एम्स में हुए अलग-अलग शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि योग विभिन्न तंत्रिका संबंधी समस्याओं के प्रबंधन और उपचार दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। वह प्रभावी सहायक उपचार साबित हो रहा है।

एम्स के शोध 'लिव-योगा' में पाया गया है कि नियमित योगाभ्यास से वेसोवैगल सिंकोप के मरीजों में बेहोशी और चक्कर आने की घटनाओं में कमी आई। इस शोध के परिणाम प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय जर्नल 'जेएसीसी : क्लीनिकल इलेक्ट्रोफिजियोलाजी' में प्रकाशित हुए हैं। शोधकर्ता डॉ. गौतम शर्मा ने बताया कि वेसोवैगल सिंकोप ऐसी स्थिति है, जिसमें तनाव, लंबे समय तक खड़ेरहने, दर्द या भावनात्मक उत्तेजना के कारण मस्तिष्क तक रक्त प्रवाह अस्थायी रूप से कम हो जाता है।

इससे व्यक्ति को चक्कर आ सकते हैं या वह अचानक बेहोश हो सकता है। यह समस्या मरीजों के दैनिक जीवन, कामकाज और आत्मविश्वास को प्रभावित करती है। शोध में 15 से 70 वर्ष आयु वर्ग के 55 मरीजों को शामिल किया गया। एक समूह को सामान्य उपचार दिया गया, जिसमें पर्याप्त पानी और नमक का सेवन तथा विशेष शारीरिक अभ्यास शामिल थे।

दूसरे समूह को सामान्य उपचार के साथ योगाभ्यास भी कराया गया। योग कार्यक्रम में आसन, प्राणायाम, स्ट्रेचिंग और ध्यान को शामिल किया गया। सभी प्रतिभागियों की स्थिति पर एक वर्ष तक लगातार निगरानी रखी गई।

परिणामों के अनुसार, योग करने वाले मरीजों में 12 महीने के दौरान बेहोशी या चक्कर आने की औसत घटनाएं 0.7 रहीं, जबकि केवल सामान्य उपचार पाने वाले मरीजों में यह संख्या 2.52 दर्ज की गई। योग समूह के 43 प्रतिशत मरीज पूरे अध्ययन काल में किसी भी घटना से मुक्त रहे, जबकि दूसरे समूह में यह अनुपात 16 प्रतिशत था।

डॉ. गौतम शर्मा और उनकी टीम के अनुसार योग का लाभ छह सप्ताह के भीतर दिखाई देने लगा और पूरे समय बना रहा। मरीजों में बेहोश होने का डर कम हुआ, आत्मविश्वास बढ़ा। डॉ. गौतम शर्मा के अनुसार वेसोवैगल सिंकोप पर हुए अध्ययन में योग सुरक्षित, सुलभ और कम लागत वाला उपचार विकल्प साबित हुआ है। कोई गंभीर दुष्प्रभाव भी सामने नहीं आया।

एम्स के शरीर रचना विभाग की प्रोफेसर डॉ. रीमा दादा और न्यूरोलाजी विभागाध्यक्ष डा. मंजरी त्रिपाठी के नेतृत्व में किए गए और जर्नल आफ अल्जाइमर्स डिजीज में प्रकाशित 'अल्जाइमर में योग का महत्व' शोध के अनुसार आरंभिक अल्जाइमर पर योग का सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

पाया गया कि 12 सप्ताह तक प्रतिदिन 60 मिनट योग करने वाले मरीजों की मानसिक क्षमता, याददाश्त और मनोदशा में सुधार के साथ अवसाद के लक्षणों में कमी और आंतों के माइक्रोबायोम में सकारात्मक बदलाव भी हुए। शोधकर्ता डॉ. रीमा दादा ने बताया कि योग के बाद लाभकारी बैक्टीरिया की संख्या बढ़ी, सूजन बढ़ाने वाले जीवाणुओं में कमी आई।

मरीजों की संज्ञानात्मक क्षमता में सुधार के साथ उनका माइक्रोबायोम प्रोफाइल स्वस्थ व्यक्तियों जैसा होने लगा। यह मस्तिष्क के बेहतर स्वास्थ्य का संकेत होता है। डॉ. मंजरी त्रिपाठी के अनुसार योग को अल्जाइमर का संपूर्ण उपचार नहीं माना जा सकता पर, आरंभिक अल्जाइमर और हल्के संज्ञानात्मक विकार से पीड़ित मरीजों के लिए यह एक महत्वपूर्ण सहायक चिकित्सा साबित हो सकता है।

सोलर पंप से सिंचाई भी, बिजली बेचकर कमाई भी... पीएम कुसुम योजना से किसानों की बढ़ेगी आमदनी

नई दिल्ली। खेती-किसानी में लगातार बढ़ते बिजली और डीजल के खर्च से परेशान किसानों के लिए केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री कुसुम योजना एक वरदान साबित हो रही है। इस योजना की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसके जरिए किसान सिर्फ बिजली का इस्तेमाल ही नहीं करेंगे, बल्कि खुद बिजली बनाकर उसे सरकार को बेचेंगे और हर महीने मोटी कमाई भी करेंगे।

कुसुम-ए योजना की खासियत

इस योजना के तहत अगर किसी किसान के पास बंजर या ऐसी जमीन है जिस पर खेती नहीं होती, तो वे वहां सौर ऊर्जा संयंत्र लगवा सकते हैं। इस प्लांट से जो बिजली बनेगी, उसे सरकारी बिजली कंपनी पूरे 25 साल तक खरीदेगी। इसके लिए सरकार के साथ एक एग्रीमेंट (समझौता) होता है, जिससे किसानों को घर बैठे हर साल पक्की आमदनी होने लगती है। इस योजना के तहत किसानों को खेतों में सिंचाई के लिए सोलर पंप दिए जाते हैं। सामान्य किसानों को पंप की कीमत पर 60 प्रतिशत की भारी छूट मिलती है, जिसमें 30त्न केंद्र सरकार और 30त्न राज्य सरकार देती है। इसके अलावा अनुसूचित जनजाति के किसानों को 95त्न तक की छूट दी जाती है। इसके अलावा दिन की धूप में यह पंप आसानी से चलता है, जिससे डीजल और बिजली का भारी-भरकम खर्च पूरी तरह खत्म हो जाता है। वहीं कुसुम-सी योजना उन किसानों के लिए है जिनके पास पहले से ही बिजली से चलने वाला कृषि पंप मौजूद है। इस योजना में उस पंप को सोलर पैनल से जोड़ दिया जाता है। किसान दिनभर अपनी जरूरत के मुताबिक सिंचाई करता है और जो बिजली बच जाती है, उसे सरकारी ग्रिड को बेच देता है। इसके इंस्टॉलेशन खर्च पर भी 30 प्रतिशत की छूट मिलती है और 25 साल तक बिजली बेचने की गारंटी होती है।

कहां और कैसे करें आवेदन? गौरतलब है कि इसके लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन है। किसान भाई योजना की आधिकारिक वेबसाइट mpuvn.mp.gov.in Øæ pmkusum.mnre.gov.in पर जाकर अधिक जानकारी ले सकते हैं और अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। योजना का लाभ उठाने के लिए आवेदन करते समय किसान के पास पहचान पत्र (जैसे आधार), समग्र आईडी, जमीन के कागज, बैंक खाते की जानकारी और मोबाइल नंबर होना अनिवार्य है।

मुहर्रम में सौहार्द बिगाड़ने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई : उपायुक्त

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की अध्यक्षता में आज न्यू टाउन हॉल में मुहर्रम को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करने के लिए जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि पर्व के दौरान सौहार्द बिगाड़ने वालों के विरुद्ध प्रशासन सख्त से सख्त कार्रवाई करेगा। उन्होंने सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि ऐसे तत्वों के विरुद्ध विभिन्न प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त ने शांति समिति के सदस्यों से किसी भी घटना की आशंका होने पर घटना से पहले तुरंत वरीय पदाधिकारियों को सूचित करने का अनुरोध किया। साथ में युवाओं पर विशेष निगरानी रखने एवं पिछले सभी त्यौहार

उपद्रवियों से सख्ती से निपटेगा प्रशासन : एसएसपी

की तरह इस त्यौहार को भी शांति से मनाने की अपील की। इस अवसर पर वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने उपद्रवियों की सूचना पहले देने का अनुरोध किया। साथ में शांति समिति के सदस्यों को पर्व के दौरान एक्टिव रहने एवं अपनी भूमिका अच्छे से निभाने का अनुरोध किया। वहीं शरारती तत्वों को चेतावनी देते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पर्व के दौरान यदि कोई भी व्यक्ति उपद्रव फैलाने या विधि व्यवस्था बिगाड़ने का प्रयास करेगा तो उसके विरुद्ध प्रशासन कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगा। इससे पहले बैठक में उपस्थित विधायक टुंडी श्री मथुरा प्रसाद महतो ने हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी त्यौहार को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने की अपील की। उन्होंने शांति समिति के सदस्यों को अपना दायित्व का पालन करने का अनुरोध किया। बैठक में गणमान्य लोगों सहित शांति समिति के सदस्यों ने अपने-अपने विचार प्रकट किए। जिसमें मुख्य रूप से डीजे पर पाबंदी लगाने, पर्व के दौरान खतरनाक खेल का प्रदर्शन नहीं करने, जुलूस के दौरान भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने, पर्व को सादगी से मनाने, बंद स्ट्रीट लाइट को चालू कराने, अवैध शराब के कारोबारियों पर कार्रवाई करने, स्वास्थ्य केंद्रों में चिकित्सकों की मौजूदगी सुनिश्चित करने, सुचारू पेयजल उपलब्ध कराने सहित अन्य सुझाव प्राप्त हुए। जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार, माननीय विधायक टुंडी मथुरा प्रसाद महतो, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, अनुमंडल दंडाधिकारी श्री लोकेश बारंगे, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर श्रीमती हेमा प्रसाद, ग्रामीण एसपी श्री एस मोहम्मद याकूब, डीएसपी लॉ एंड ऑर्डर प्रकाश सोय, कार्यपालक दंडाधिकारी नारायण राम, एसडीपीओ बाघमारा अजीत विमल, एसडीपीओ सिंदरी चंदन प्रकाश महतो, डीएसपी सीसीआर प्रदीप कुमार साव, एसडीपीओ निरसा लीलेश्वर महतो, डीसीपी ट्रैफिक रोहित कुमार साव के अलावा विभिन्न प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी, सभी थाना के थाना प्रभारी तथा शांति समिति के सदस्य मौजूद थे।

आवास एवं कार्यालय निर्माण कार्य का विधायक ने किया शिलान्यास

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए आज झारखंड सरकार के भवन निर्माण विभाग की महत्वपूर्ण परियोजना का शिलान्यास किया गया। इस दौरान स्थानीय विधायक श्वेता सिंह ने विकास और जनसेवा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई। बोकारो के कैंप-2 क्षेत्र में कार्यपालक अभियंता, भवन प्रमंडल कैंप-2 के आवासीय भवन एवं कार्यालय निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक श्वेता सिंह के कर कमलों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में झारखंड विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ-साथ आम लोगों को बेहतर और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विधायक ने कहा कि सरकार जनहित, समावेशी विकास और मजबूत आधारभूत संरचना के निर्माण के लिए लगातार कार्य कर रही है तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। इसके बाद क्षेत्र भ्रमण के दौरान कैंप-2 स्थित एमवीआई मैदान में बोकारो जिला परिवहन अभिकर्ता संघ की नव निर्वाचित कमेटी ने बबन जी ओझा के नेतृत्व में विधायक का स्वागत किया। विधायक ने सभी पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए एकजुट होकर समृद्ध बोकारो के निर्माण का आह्वान किया।

संक्षिप्त समाचार

स्कूली बच्चों को नशे से दूर रहने की दी नसीहत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस ने सरदार पटेल स्कूल, सेक्टर-9 में मादक निषेध एवं नशामुक्ति जागरूकता अभियान चलाया, जिसका नेतृत्व सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने किया। इस अवसर पर हरला थाना प्रभारी खुर्शीद आलम ने विद्यार्थियों को तंबाकू, बीड़ी, सिगरेट, गांजा एवं अन्य मादक पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नशीले पदार्थों का सेवन व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य को गंभीर रूप से प्रभावित करता है। इससे कैंसर, हृदय एवं फेफड़ों की बीमारियां, स्मरण शक्ति में कमी, अवसाद, पढ़ाई में गिरावट, आर्थिक नुकसान, पारिवारिक कलह तथा अपराध की प्रवृत्ति बढ़ने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान सिटी डीएसपी राजीव रंजन ने छात्र-छात्राओं को नशामुक्त जीवन अपनाने एवं समाज को नशामुक्त बनाने की शपथ दिलाई। उन्होंने बताया कि तंबाकू उत्पाद अधिनियम, 2003 की धारा-4 के अंतर्गत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान करना प्रतिबंधित है तथा उल्लंघन करने पर 1000 रुपये तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग से सोशल वर्कर श्री छोटेलाल दास, विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। सभी ने स्वयं नशे से दूर रहने तथा अपने परिवार एवं समाज को मादक पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक कर नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग देने का संकल्प लिया।

आजसू कार्यकर्ताओं की कार पेटरवार में दुर्घटनाग्रस्त

पेटरवार/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। रामगढ़ जिले के सिरका से आजसू के स्थापना दिवस पर आक्रोश रैली में शामिल होने धनबाद जाने के क्रम में पेटरवार स्थित राम-जानकी मंदिर के सामने अर्टिका कार दुर्घटना ग्रस्त हो गई। अर्टिका गाड़ी में सात लोग सवार थे। ल सभी घायल हो गए। घायलों को ग्रामीणों व प्रशासन के सहयोग से तुरंत पेटरवार सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां डॉ संजय कुमार के द्वारा प्राथमिक उपचार किया गया। एक व्यक्ति को माथे में गंभीर चोट होने के कारण प्राथमिक उपचार के बाद सीटी स्केन के लिये बाहर रेफर कर दिया गया। दुर्घटना पेटरवार थाना क्षेत्र की है। खबर है धनबाद के सिंदरी से खाद लेकर एक 14 चक्का ट्रक ने अपने से आगे चल रहे हाईवा को पीछे से टक्कर मार दिया। जिस कारण हाईवा असंतुलित होकर आजसू की रैली में जा रही अर्टिका कार से टकरा गया। हाईवा के ड्राइवर का पैर गाड़ी में फंस गया, जिसे ग्रामीणों ने सुरक्षित निकाला। उसे भी उपचार के लिये अस्पताल भेजा गया। वहीं इस दुर्घटना में परमेश्वर राम, कैलाश महतो, नागो भुईया, निभाष मंडल, नेशा अंसारी, शिवा महतो और शाहिद अनसरी घायल हैं।

मोहर्रम को लेकर चास थाना में शांति समिति की बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुहर्रम शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर बोकारो के चास थाना में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों, शांति समिति के सदस्यों और पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। चास थाना परिसर में आयोजित इस बैठक की अध्यक्षता थाना प्रभारी दिनेश कुमार सिंह ने की। बैठक के दौरान मुहर्रम जुलूस, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात नियंत्रण, साफ-सफाई और विधि-व्यवस्था से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। थाना प्रभारी ने उपस्थित लोगों से सुझाव और राय ली तथा उनकी समस्याओं को भी गंभीरता से सुना। उन्होंने कहा कि मुहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे और शांति का संदेश देता है। ऐसे में सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाएं और प्रशासन का सहयोग करें। बैठक में जुलूस के निर्धारित मार्ग, सुरक्षा मानकों तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक और आपत्तिजनक सामग्री साझा नहीं करने को लेकर भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस प्रशासन ने लोगों से अफवाहों पर ध्यान न देने और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने की अपील की। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई।

बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित प्रशिक्षण

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी-सह-सचिव, मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार आज प्रथम पाली में 35- बेरमो विधानसभा क्षेत्र के मतदान संख्या 278 से 331 तक, 36-बोकारो विधानसभा ग्रामीण क्षेत्र एवं 37-चंदनकियारी (अ.जा.) विधानसभा क्षेत्र के सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम से संबंधित प्रशिक्षण प्रदान किया गया। सभी प्रतिभागियों की विभिन्न शंकाओं एवं समस्याओं का समाधान किया- प्रशिक्षण के दौरान सभी प्रतिभागियों की विभिन्न शंकाओं एवं समस्याओं का समाधान किया गया तथा आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप फॉर्म के वितरण, संग्रहण, मतदाताओं को आवश्यक सहायता प्रदान करने, ए एस डी डी मामलों की पहचान एवं सत्यापन सहित संपूर्ण पुनरीक्षण प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही सभी बीएलओ एवं सुपरवाइजरों को निर्धारित समय-सीमा और प्रक्रिया का पूर्णतः पालन करते हुए कार्य निष्पादन करने के निर्देश दिए गए, ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हो सके। मौके पर बेरमो, बोकारो एवं चंदनकियारी विधानसभा के अतिरिक्त सहायक निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी सह प्रखंड विकास पदाधिकारी बोकारो जिला उपस्थित थे।

सीसीटीवी कैमरे से की जा रही है कड़ी निगरानी, सोशल मीडिया पर रखी जा रही निगाह

मुहर्रम सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने को जिला शांति समिति की बैठक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मुहर्रम, 2026 के सौहार्दपूर्ण एवं शांतिपूर्ण वातावरण में मनाए जाने के संबंध में जिला शांति समिति की बैठक शिबू सोरेन स्मृति भवन (टाउन हॉल) में उपायुक्त बोकारो अजय नाथ झा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना, एएसपी चास वेदांत शंकर, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, प्रशिक्षु आईएएस अरविंद राधाकृष्णन, अपर समाहर्ता सुनील चंद्र, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढांढ़.एवं अन्य वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में उपायुक्त अजय नाथ झा ने बिल्कुल स्पष्ट शब्दों में कहा कि समाज व्यमनस्यता फैलाने वालों एवं सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सोशल मीडिया पर कड़ी नजर रखें एवं शरारती तत्वों के साथ कडाई से निपटे। उन्होंने आगे कहा कि सामाजिक सौहार्द को बिगाड़ने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी डीजे संचालक कानून के अधीन डीजे का संचालन करें नियम तोड़ने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। सोशल मीडिया पर प्रसारित खबरों अथवा कोई भी कंटेंट बिना सत्यापित किये अग्रसारित ना करें। संदेह होने पर प्रशासन व पुलिस को सूचित करें। विद्युत विभाग को निर्देशित करते हुए कहा कि वह रूट लाइन के सभी बिजली के तारों को चुस्त-दुरुस्त रखें ताकि कोई भी अप्रिय घटना ना घटित हो। सभी बिजली के तारों को कवर्ड एवं कार्यपालक अभियंता इसे स्वयं निगरानी करें। उपायुक्त अजय नाथ झा ने सभी थाना प्रभारी, अंचल अधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अनुमंडल पदाधिकारी को शांति समिति की बैठक निश्चित रूप से कर लेने को कहा। उन्होंने कहा कि त्यौहार को भाईचारगी के माहौल में मनाने हेतु समाजसेवियों एवं बुद्धिजीवियों का सक्रिय सहयोग लें एवं सभी अखाड़ा समितियों के साथ बैठक सुनिश्चित करें। ताजिया की ऊंचाई सीमित रखें ताकि कोई भी अप्रिय घटना ना हो। पूर्व की घटना को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करें। सीसीटीवी कैमरा से कड़ी निगरानी- शरारती तत्वों से निपटने के लिए जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए गए हैं, जिसकी मॉनिटरिंग नियंत्रण कक्ष से की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग सक्रिय रूप से कार्यरत रहे एवं किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए अपनी पुख्ता तैयारी रखें। पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीना ने कहा कि मुहर्रम त्यौहार को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाए जाने हेतु पर्याप्त संख्या में पुलिस पदाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके साथ ही होमगार्ड एवं चौकीदार को ड्यूटी पर लगाया गया है। पुलिस बल की कोई कमी नहीं है। सभी आम नागरिक कानून एवं प्रशासन के निदेर्शों का पालन करते हुए शांतिपूर्ण माहौल में त्यौहार मनाए। उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने आम नागरिकों से अपील की है कि वह शांतिपूर्ण माहौल में भाईचारगी की भावना से त्योहार मनाए। सोशल मीडिया पर प्रसारित भ्रामक खबरों पर ध्यान ना दें।

छऊ कलाकारों ने प्रभात फेरी निकालकर लोगों को योग के प्रति किया जागरूक

चंदनकियारी/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एसएनए छऊ केंद्र, चंदनकियारी में भव्य एवं उत्साहपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालयों के छात्र-छात्राएं, विशिष्ट अतिथि, छऊ कलाकार, संथाली लोक कलाकार तथा केंद्र के कर्मियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन केंद्र के कॉर्डिनेटर डॉ संजय के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक योगाभ्यास से हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में उपस्थित प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं, संथाली लोक कलाकारों एवं छऊ कलाकारों के साथ एक आकर्षक प्रभातफेरी निकाली गई, जिसने पूरे वातावरण को योगमय बना दिया। संथाली लोक कलाकारों एवं छऊ कलाकारों ने अपने पारंपरिक नृत्य एवं गीतों की मनमोहक प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में सांस्कृतिक रंग भर दिया। योग गुरु सपन भगत ने योग के महत्व एवं उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित सभी लोगों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास कराया। इस अवसर पर केंद्र के कॉर्डिनेटर डॉ संजय ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ, संतुलित एवं सकारात्मक जीवन जीने की एक प्रभावी पद्धति है। उन्होंने कहा कि योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाकर हम शारीरिक एवं मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यालय के छात्र-छात्राओं के बीच योग विषय पर आधारित चित्रांकन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में निर्मित चित्रों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसे उपस्थित लोगों ने सराहा।

आम आदमी पार्टी बोकारो ने शुरू किया 'सद्भावना भोज'

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। आम आदमी पार्टी, बोकारो द्वारा जनसेवा एवं सामाजिक सद्भाव की भावना से प्रेरित होकर साप्ताहिक सामूहिक भोजन कार्यक्रम 'सद्भावना भोज' का शुभारंभ किया गया। यह कार्यक्रम दूंदीबाग बाजार स्थित महावीर मंदिर परिसर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आम आदमी पार्टी के जिला संयोजक धर्मेंद्र कुमार शर्मा के विशेष आवाहन पर पार्टी कार्यकताओं, समर्थक समाजसेवियों एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से किया गया। शाम 5 बजे प्रारंभ हुए इस सेवा कार्य में गरीब, जरूरतमंद, श्रमिक एवं राहगीरों को प्रेमपूर्वक भोजन परोसा गया। भारी वर्षा के बावजूद कार्यकताओं का उत्साह बना रहा और देर रात तक भोजन वितरण का कार्य जारी रहा। धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि 'सद्भावना भोज' का उद्देश्य समाज के गरीब, असहाय एवं भूखे लोगों को सप्ताह में कम से कम एक दिन सम्मानपूर्वक भरपेट भोजन उपलब्ध कराना है। इसके लिए एक समर्पित समिति का गठन किया गया है, जो इस कार्यक्रम को नियमित रूप से संचालित करेगी। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने आम आदमी पार्टी की इस जनहितकारी पहल की सराहना करते हुए कहा कि राजनीति केवल चुनाव तक सीमित न होकर समाज सेवा का माध्यम भी बननी चाहिए।

धनबाद पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर गिरोह का किया भंडाफोड़, 13 बाइकें बरामद, पांच गिरफ्तार

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जिले में लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं के बीच निरसा अनुमंडल पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक संगठित वाहन चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने पांच युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की 13 मोटरसाइकिलें तथा चोरी में प्रयुक्त विशेष औजार बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार 19 जून 2026 को कालूबथान ओपी क्षेत्र से एक मोटरसाइकिल चोरी होने की घटना दर्ज की गई थी। इसके अलावा जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से लगातार बाइक चोरी की शिकायतें मिल रही थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरीय पुलिस अधीक्षक धनबाद के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (निरसा) लिलेश्वर महतो के नेतृत्व में विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। गुप्त सूचना के आधार पर 21 जून 2026 को नयाडांगा काली मंदिर मैदान के पास छापेमारी की गई, जहां पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिलों के साथ पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमित कुमार चौहान, मनीष कुमार दुबे, सूरज हेम्ब्रम, चंदन कुमार एवं राज कुमार के रूप में हुई है। सभी आरोपी निरसा थाना क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के निवासी हैं।

पूछताछ में हुआ बड़ा खुलासा:

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे संगठित गिरोह बनाकर विभिन्न क्षेत्रों से मोटरसाइकिल चोरी करते थे। चोरी के बाद बाइक का नंबर प्लेट हटा दिया जाता था, चेसिस नंबर घिसकर मिटा दिया जाता था और पहचान छिपाने के लिए वाहनों को नए रंग से पेंट कर दिया जाता था। इसके बाद मोटरसाइकिलों को मॉडिफाई कर बेच दिया जाता था। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने मौके से पांच तथा अन्य स्थानों से आठ चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद कीं। साथ ही एक विशेष पेचकसनुमा औजार भी जब्त किया गया, जिसका अगला हिस्सा चाबी की तरह तैयार किया गया था और जिसका उपयोग बाइक का लॉक तोड़ने एवं स्टार्ट करने में किया जाता था।

कई मामलों में पहले से दर्ज हैं केस:

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों का पूर्व में भी वाहन चोरी के कई मामलों में आपराधिक इतिहास रहा है। इनके खिलाफ कुल्टी, चिरकुंडा और कालूबथान ओपी में वाहन चोरी से संबंधित कई कांड दर्ज हैं।

छापेमारी टीम में शामिल रहे:

इस कार्रवाई में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी निरसा लिलेश्वर महतो, चिरकुंडा थाना प्रभारी आशुतोष कुमार, कालूबथान ओपी प्रभारी नितेश कुमार मिश्रा, कुमारधुबी ओपी प्रभारी मैथ्यु एक्का सहित कालूबथान ओपी के पुलिस पदाधिकारी, जवान और चौकीदार शामिल थे। पुलिस का कहना है कि गिरोह के अन्य संभावित सदस्यों और चोरी की घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जांच जारी है। बरामद मोटरसाइकिलों के वास्तविक मालिकों की पहचान कर उन्हें वाहन सौंपने की प्रक्रिया भी शुरू की जा रही है।

बोकारो स्टील सिटी का सरकारी बस अड्डा हुआ वीरान

करोड़ों की सरकारी संपत्ति बर्बाद, परिसर में गंदगी का अंबार, अंधेरा होते ही असामाजिक तत्वों का होता जमावड़ा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कभी बोकारो की पहचान और यात्रियों की पहली पसंद रहा सरकारी बस स्टैंड आज अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। करोड़ों रुपये की सरकारी संपत्ति खंडहर में तब्दील हो चुकी है। जहां कभी रोजाना 40 बसें विभिन्न शहरों के लिए रवाना होती थीं, वहां आज सन्नाटा पसरा है। आखिर किसकी लापरवाही से बोकारो की यह धरोहर उजड़ गई? ये तस्वीरें बोकारो के सरकारी बस स्टैंड की हैं। कभी यात्रियों की भीड़, बसों के शोर और सफर की रौनक से गुलजार रहने वाला यह परिसर आज वीरान पड़ा है। वर्ष 1970 में शुरू हुआ यह बस स्टैंड बोकारो को बिहार और झारखंड के कई प्रमुख शहरों से जोड़ने वाला अहम परिवहन केंद्र था। एक समय यहां से प्रतिदिन करीब 40 बसें दरभंगा, बक्सर, छपरा, सिवान, रांची, रामगढ़ और टाटा जैसे शहरों के लिए संचालित होती थीं। लेकिन झारखंड और बिहार के बीच संपत्ति बंटवारे के बाद यह बस स्टैंड प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार होता चला गया। संचालन बंद हुआ और परिसर में खड़ी बसों को धीरे-धीरे कबाड़ में तब्दील कर दिया गया। आज स्थिति यह है कि करोड़ों रुपये मूल्य की करीब छह एकड़ सरकारी जमीन पूरी तरह वीरान पड़ी है। परिसर की इमारतें जर्जर हो चुकी हैं और चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सरकारी संरक्षण के अभाव में यह ऐतिहासिक बस स्टैंड अब अपनी पहचान खोता नजर आ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रात होते ही यह परिसर शराबियों और असामाजिक तत्वों का अड्डा बन जाता है। खुले में शराबखोरी, गंदगी और असुरक्षा का माहौल यहां आम बात हो गई है। आसपास के लोग और दुकानदार भी इस उपेक्षित परिसर को कूड़ाघर की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता यह है कि खाली पड़ी इस सरकारी जमीन पर अतिक्रमण का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। अगर समय रहते प्रशासन ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो करोड़ों की यह संपत्ति भी कब्जाधारियों के निशाने पर आ सकती है। एक तरफ निजी बस संचालक यात्रियों से मनमाना किराया वसूल रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सरकारी बस स्टैंड खंडहर बनकर अपनी बदहाली की कहानी कह रहा है। सवाल यह है कि आखिर इस महत्वपूर्ण परिवहन केंद्र को फिर से जीवित करने की जिम्मेदारी कौन लेगा? और कब तक बोकारो की यह ऐतिहासिक धरोहर उपेक्षा का शिकार बनी रहेगी?

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल

फोन नंबर- 9431145865 8210783623

आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655

E-mail- nbtimesbihar@gmail.com